दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | रांची, सोमवार, 18 नवंबर 2019 | आश्विन, शुक्ल पक्ष, षष्ठी, विक्रम संवत-2075, वर्ष-04, अंक-146, पृष्ठ-12, मूल्य-3.00, | रांची (झारखंड), बिलासपुर-रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं भोपाल (मध्यप्रदेश) से एक साथ प्रकाशित

सरयू राय भी हुए बागी, जमशेदपुर की दोनों सीटों से लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता

जमशेदपुर/रांची : भारतीय जनता पार्टी ने टिकट नहीं दिया, तो झारखंड के खाद्य आपूर्ति मंत्री सरयू राय ने जमशेदपुर से चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। उन्होंने एक नहीं दो-दो सीटों से विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है। रविवार को जमशेदपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री राय ने स्पष्ट कर दिया कि वह जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिमी दोनों सीटों से चुनाव लड़ेंगे। शनिवार को श्री राय ने अपने पत्ते नहीं खोले थे, लेकिन उनके द्वारा दो-दो नामांकन पत्र खरीदे जाने की सूचना ने संकेत दे दिया था कि झारखंड के इस मंत्री ने मुख्यमंत्री रघुवर दास को उनके ही गढ़ में चुनौती देने की तैयारी कर ली है।

संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सरयू राय ने कहा कि पार्टी ने एक फैसला किया है। इस फैसले से न दुखी होना है, न खुश होना है। अब एक निर्णय लेना है। बड़ी लकीर खींचनी है। उन्होंने कहा कि वह जमशेदपुर पूर्वी और पश्चिमी दोनों सीटों से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भय और आतंक का माहौल बना दिया गया है। इस माहौल को बदलने की जरूरत है।

श्री राय ने कहा कि वह जमशेदपुर की 86 बस्ती के लोगों को मालिकाना हक दिलाने के लिए अब खुलकर लड़ाई लड़ेंगे। टेल्को में बार-बार होने वाली हड़ताल के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों में भी टेल्को की इकाइयां हैं, लेकिन सिर्फ जमशेदपुर में बार-बार ब्लॉक क्लोजर होता है। महीने में करीब 20-25 दिन यहां प्लांट बंद रहता है। यह पूछने पर कि वह दो-दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे, तो चुनाव अभियान को मैनेज करे कर पायेंगे, इस पर सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर पूर्वी का चुनाव वह वहां के लोगों के साथ मिलकर लड़ेंगे। जमशेदपुर पश्चिम में उनके कार्यकर्ता उनकी ओर से चुनाव लड़ेंगे। कार्यकर्ताओं ने उन्हें आश्वस्त किया है कि उन्हें जमशेदपुर पश्चिम में झांकने की भी जरूरत नहीं है। श्री राय ने कहा कि जमशेदपुर पूरब के लोगों ने उनसे कहा कि वे उन्हें वोट भी देंगे और नोट भी देंगे।

शनिवार सुबह टेल्को स्थित भुवनेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद सरयू राय ने कहा था कि वह पार्टी के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। वह पार्टी के सिपाही हैं और पार्टी जो कहती रही है, वह करते रहे हैं। वर्ष 2005 में पार्टी ने उन्हें जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव लड़ने के लिए कहा, तो वह चुनाव लड़े। पार्टी ने उन्हें मंत्री बनाया, तो उसकी भी जिम्मेवारी उन्होंने पूरी शिद्दत से निभायी। हालांकि, शनिवार की शाम तक यह संकेत आने लगे थे कि सरयू राय दोनों सीटों से पर्चा दाखिल कर सकते हैं।

खुलकर उठायेंगे 86 बस्ती और टेल्को में ब्लॉक क्लोजर का मुद्दा : खाद्य आपूर्ति मंत्री सरयू राय ने कहा कि वह वर्ष 2006 से 86 बस्ती को मान्यता देने का मुद्दा उठाते रहे हैं। वर्ष 2007 में उन्होंने एक प्रस्ताव किया था, लेकिन किसी ने उनका साथ नहीं दिया। श्री राय ने कहा कि उनकी ही पार्टी के साथी बस्ती विकास समिति बनाकर 86 बस्ती को मालिकाना हक दिलाने की लड़ाई वर्षों से लड़ रहे थे। अन्य दलों को कोस रहे थे। पार्टी जब सत्ता में आयी, तो सरकार ने साफ कह दिया कि वे मालिकाना हक नहीं दे सकते। उन्होंने पूछा कि जब देश भर के लोगों को प्रधानमंत्री उनका हक दिला सकते हैं, तो झारखंड की सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती।

जमशेदपुर में भय और आतंक का माहौल : सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर में भय और आतंक का माहौल है। उन्होंने सत्ता में रहकर इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहने पर एक मर्यादा होती है। एक सीमा के भीतर ही विरोध कर सकते हैं। ऐसा नहीं करने पर लोग तरह-तरह के सवाल करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि इस भय और आतंक के खिलाफ उन्होंने सरकार को चिट्ठियां लिखीं। प्रशासन को चेताया। कई लोगों को राहत भी दिलवायी। उन्होंने कहा कि शासन, प्रशासन को भयमुक्त होकर काम करना चाहिए।

शेष पेज 12 पर

न्यूज गैलरी

सेना का वाहन ब्लास्ट में एक जवान शहीद, दो घायल

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में सेना का एक वाहन जिस समय गुजर रहा था उस समय संदिग्ध ब्लास्ट हुआ। जिसमें सेना के एक जवान शहीद हो गये। जबकि दो घायल हैं। घायल जवानों का इलाज उद्धमपुर के सेना अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है सेना के ट्रक पर तीन जवान सवार होकर जा रहे थे, उसी समय एक जोरदार धमाका होता है और तीनों जवान घायल हो गये। तीनों जवानों को इलाज के लिए उद्धमपुर अस्पताल लाया गया, जिसमें इलाज के दौरान एक जवान शहीद हो गये। अखनूर के जिस इलाके में यह ब्लास्ट हुआ है, वहां सेना की राष्ट्रीय राइफल्स की टीमों ने सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के साथ सख्त घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

राजग संयोजक की नियुक्ति होनी चाहिए : चिराग

नयी दिल्ली/पटना : लोकजन शक्ति पार्टी (लोजपा) के नवनियुक्त प्रमुख चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि गठबंधन के घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय के लिए राजग संयोजक की नियुक्ति होनी चाहिए। चिराग पासवान ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले राजग की एक बैठक के बाद कहा कि बैठक में शिवसेना की अनुपस्थिति को महसूस किया गया, क्योंकि यह पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सबसे पुराने सदस्यों में से एक थी। चिराग पासवान ने कहा, ''गठबंधन के घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय के लिए राजग के संयोजक की नियुक्ति की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात है कि पहले तेलुगू देशम पार्टी ने गठबंधन छोड़ा और इसके बाद राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने ऐसा किया।

शेष पेज 12 पर

कल सोनिया से मिलेंगे पवार

नई दिल्ली : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की कोर कमेटी की बैठक रविवार को हुई। एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि इस बैठक के बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन खत्म होना चाहिए और एक वैकल्पिक सरकार बनाया जाना चाहिए। नवाब मलिक ने आगे कहा- हमने यह तय किया है कि अगला फैसला कांग्रेस के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा। कल (सोमवार) कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पवार के बीच बैठक होगी। उसके एक दिन बाद यानि मंगलवार को दोनों दलों के नेताओं की मुलाकात होगी। उधर, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा वे महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी के साथ सरकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। चव्हाण ने कहा कि कल शिवसेना और कांग्रेस के नेताओं की बीच बैठक है। इसमें हम यह तय कर पाएंगे कि एक साथ आगे बढ़ सकते हैं या फिर नहीं।

अयोध्या पर फैसला सुनाने वाले जस्टिस नजीर को खतरा, मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने जस्टिस एस अब्दुल नजीर को जेड श्रेणी सुरक्षा कवच प्रदान करने का फैसला किया है। जस्टिस नजीर अयोध्या पर फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट की बेंच का हिस्सा थे। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से खतरे के मद्देनजर उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा देना का फैसला लिया गया है।

गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस को जस्टिस नजीर और उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करेने का निर्देश दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा खतरे को लकेर दी गई चेतावनी के बाद ये फैसला लिया गया है।

एएनआई को प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएफआई और अन्य संगठनों से खतरे को लकेर सरकार कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस को आदेश दिया गया है कि कर्नाटक और देश के अन्य हिस्सों में रह रहे जस्टिस नजीर के परिवार को तुरंत जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाए।

जस्टिस नजीर के बेंगलुरु, मंगलुरु और राज्य के किसी भी हिस्से में जाने पर उनको कर्नाटक के कोटा के तहत जेड श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसी तरह, उनके परिवार के सदस्यों को भी सुरक्षा दी जाएगी। बता दें कि जेड श्रेणी की सुरक्षा कवच के तहत व्यक्ति को अर्धसैनिक बल और पुलिस के 22 जवानों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है।

गौरतलब है कि 9 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 2.77 एकड़ भूमि पर राम मंदिर के निर्माण का आदेश दिया था। इसके साथ ही अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए सरकार को 5 एकड़ भूमि प्रदान करने का निर्देश दिया था।

राम जन्म भूमि पर फैसले के अवाला जस्टिस नजीर सुप्रीम कोर्ट की उस पांच सदस्यीय पीठ का भी हिस्सा थे, जिसने 2017 में तत्काल ट्रिपल तालक को असंवैधानिक घोषित किया था।

जानकारी के अनुसार 61 वर्षीय जस्टिस नज़ीर को पहली बार 1983 में कर्नाटक उच्च न्यायालय में वकील के रूप में नामांकित किया गया था। बाद में उन्हें 2003 में उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति नाजीर को 17 जुलाई, 2017 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया।

अनुच्छेद 370 खत्म करना लद्दाख के लिए सही कदम

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार नवगठित केंद्र शासित क्षेत्र लद्दाख में सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है और अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करना इस दिशा में सही कदम है।

गृह मंत्री ने कहा कि लद्दाख के लिए 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनायी जाने वाली नयी जल विद्युत और सौर ऊर्जा परियोजना से 7500 मेगावाट बिजली पैदा होगी और यह अगले चार वर्षों में पूरा होगा। शाह ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए विशिष्ट विंटर ग्रेड डीजल की शुरुआत की जहां ठंड के मौसम में तापमान शून्य से नीचे चला जाता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजग सरकार लेह-लद्दाख क्षेत्र को देश के अन्य हिस्से के बराबर लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो पिछले 70 वर्षों से उपेक्षित है। गृह मंत्री ने कहा कि जब अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की घोषणा की गयी।

शेष पेज 12 पर

सरकार की बुलाई सर्वदलीय बैठक में 27 दल शामिल हुए

विपक्ष ने कहा- आर्थिक मंदी और किसानों का मुद्दा उठाएंगे

नई दिल्ली : शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता संसदीय मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने की। इसमें 27 दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में विपक्ष ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला की हिरासत का मुद्दा उठाया और उन्हें सत्र में शामिल होने की अनुमति देने की मांग की। प्रहलाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है कि सरकार नियमों के अनुरूप और संसदीय कार्यप्रणाली के अनुसार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। संसद का शीतकालीन सत्र 18 नवंबर से 13 दिसंबर तक चलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सदन का सबसे महत्वपूर्ण काम चर्चा करना है। यह सत्र भी पिछले सत्र की तरह ही परिणाम देने वाला होना चाहिए। संसद में सकारात्मक चर्चा नौकरशाहों को भी सचेत रखता है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बैठक में कहा कि आगामी संसद सत्र के दौरान आर्थिक मंदी, रोजगार की कमी और किसानों की समस्याओं जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अवश्य रूप से चर्चा की जानी चाहिए।

आजाद ने उठाया फारूक की हिरासत का मुद्दा : नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद हसनैन मसूदी ने कहा कि यह सरकार की संसदीय बाध्यता है कि सत्र में फारूक अब्दुल्ला की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा, ''एक सांसद को अवैध तरीके से हिरासत में कैसे रखा जा सकता है? उन्हें संसदीय प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए। दरअसल, फारूक और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बांटने के फैसले बाद से ही हिरासत में हैं। उन्हें नागरिक सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया है।

शेष पेज 12 पर

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से विकास करने की क्षमता : बिल गेट्स

नई दिल्ली : दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि भारत में अगले दशक में बहुत तेजी से आर्थिक विकास करने की क्षमता है। इससे लोगों की गरीबी दूर हो सकेगी और सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा में अधिक निवेश कर सकेगी। एक न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में

गेट्स ने भारत की आधार पहचान प्रणाली, वित्तीय सेवाओं और फार्मा सेक्टर की तारीफ की। गेट्स की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत में वर्तमान में मंदी का दौर चल रहा है और लगभग सभी सेक्टरों में पिछले समय में गिरावट देखी गई है। गेट्स ने कहा, मुझे हालिया समय की ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन मैं कहना चाहूंगा अगला दशक भारत का होगा।

शेष पेज 12 पर

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल करेगा मुस्लिम पक्ष

लखनऊ/नयी दिल्ली : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) और देश के प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का फैसला किया है।

बोर्ड के सचिव जफरयाब जीलानी ने बोर्ड की वर्किंग कमेटी की बैठक में लिए गये निर्णयों की जानकारी देते हुए प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बैठक में फैसला लिया गया है कि अयोध्या मामले पर गत नौ नवंबर को दिये गये उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जायेगी। उन्होंने कहा, बोर्ड का मानना है कि मस्जिद की जमीन अल्लाह की है और शरई कानून के मुताबिक वह किसी और को नहीं दी जा सकती। उस जमीन के लिए आखिरी दम तक कानूनी लड़ाई लड़ी जायेगी।

जीलानी ने कहा कि 23 दिसंबर 1949 की रात बाबरी मस्जिद में भगवान राम की मूर्तियां रखा जाना असंवैधानिक था तो उच्चतम न्यायालय ने उन मूर्तियों को आराध्य कैसे मान लिया। वे तो हिंदू धर्म शास्त्र के अनुसार भी आराध्य नहीं हो सकते। जीलानी ने यह भी बताया कि बोर्ड ने मस्जिद के बदले अयोध्या में पांच एकड़ जमीन लेने से भी साफ

इनकार किया है। बोर्ड का कहना है कि मस्जिद का कोई विकल्प नहीं हो सकता।

दूसरी ओर देश के प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने रविवार को कहा कि उनका संगठन अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करेगा। इस विषय पर संगठन की ओर से बनाये गये पांच सदस्यीय पैनल की कानून के विशेषज्ञों से विचार-विमर्श करने के बाद बनी राय के आधार पर यह निर्णय लिया गया। मौलाना मदनी ने एक बयान में कहा, माननीय उच्चतम न्यायालय ने एक हजार से अधिक पृष्ठों वाले निर्णय में मुस्लिम पक्ष के अधिकतर तर्कों को स्वीकार किया। ऐसे में अभी भी कानूनी विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुसलमान मस्जिद स्थानांतरित नहीं कर सकता इसलिए वैकल्पिक जमीन लेने का सवाल ही नहीं उठता।

मदनी ने दावा किया, अदालत ने पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट से यह स्पष्ट कर दिया कि मस्जिद का निर्माण किसी मंदिर को तोड़कर नहीं किया गया और 1949 में मस्जिद के बाहरी हिस्से में अवैध रूप से मूर्ति रखी गयी और फिर वहां से उसे अंदर के गुंबद के नीचे वाले हिस्से में स्थानांतरित किया गया, जबकि उस दिन तक वहां नमाज का सिलसिला जारी था। मदनी ने कहा, अदालत ने भी माना कि 1857 से 1949 तक मुसलमान वहां नमाज पढ़ता रहा तो फिर 90 साल तक जिस मस्जिद में नमाज पढ़ी जाती हो उसको मंदिर को देने का फैसला समझ से परे है।

जमीयत प्रमुख ने कहा कि पुनर्विचार याचिका पर विरले ही निर्णय बदले जाते हैं, लेकिन फिर भी मुसलमानों को न्याय के लिए कानूनी तौर पर उपलब्ध विकल्पों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने यह सवाल भी किया, अगर मस्जिद को ना तोड़ा गया होता तो क्या अदालत मस्जिद तोड़कर मंदिर बनाने के लिए कहती? दरअसल, पुनर्विचार याचिका को लेकर संगठन में सहमति नहीं बन पा रही थी जिस वजह से पांच सदस्यीय पैनल बनाया गया था। अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय में मुस्लिम पक्ष की पैरवी कर चुकी जमीयत की कार्य समिति की बृहस्पतिवार को हुई मैराथन बैठक में पुनर्विचार याचिका को लेकर कोई सहमति नहीं बन पायी थी।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन के कई शीर्ष पदाधिकारियों की राय थी कि अब इस मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए, लेकिन कई पदाधिकारी पुनर्विचार याचिका दायर करने की दिशा में कदम बढ़ाने पर जोर दे रहे थे। सहमति नहीं बन पाने के कारण जमीयत की ओर से पांच सदस्यीय पैनल बनाया गया। इसमें जमीयत प्रमुख मौलाना अरशद मदनी, मौलाना असजद मदनी, मौलाना हबीबुर रहमान कासमी, मौलाना फजलुर रहमान कासमी और वकील एजाज मकबूल शामिल थे।

शेष पेज 12 पर

आजसू ने जारी किया संकल्प पत्र, सरकार बनी तो हर ग्रेजुएट को देंगे 2100

रांची। ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) ने विधानसभा चुनाव को लेकर रविवार को अपना संकल्प पत्र जारी किया है।

आजसू सुप्रीमो और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने पार्टी कार्यालय में संकल्प पत्र जारी करने के बाद कहा कि अगर राज्य में उनकी सरकार बनती है तो हर ग्रेजुएट को 2100 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।

उन्होंने संकल्प पत्र में कहा कि आबादी के हिसाब से आरक्षण का प्रतिशत 73 प्रतिशत करना है। झारखंड में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ों को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण का लाभ दिलाने का संघर्ष तेज करना है।

आबादी की संरचना और पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए पिछड़ों को 27 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 32 और अनुसूचित जाति को 14 प्रतिशत आरक्षण दिलाना, मॉब लिंचिंग के खिलाफ कठोर कानून तथा स्पीडी ट्रायल करना, सरना कोड लागू करना है।

मानदेय और अनुबंध कर्मियों की सेवा को अगली कतार में लाना है। पारा शिक्षकों के स्थायीकरण के लिए आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। सेवा से नहीं हटाने के लिए नियमावली में आवश्यक संशोधन हो। आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोत्तरी होगी। आंगनबाड़ी सेविका और पारा शिक्षकों की सेवा के प्रति ग्राम समिति को जिम्मेदार बनाना।

स्नातक पास करने के साथ ही प्रत्येक माह 2100 रूपये प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। राज्य के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों को परिवहन, रेलवे, हवाई सेवा से जोड़ना। शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर (पारसनाथ पहाड़ी) की शुचिता कायम रखना।

उन्होंने कहा कि झारखंड के नवनिर्माण के लिए इसे विशेष राज्य का दर्जा अथवा विशेष पैकेज दिलाने का नये सिरे से प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, पूर्व मंत्री उमाकांत रजक, हसन अंसारी, देवशरण भगत मौजूद थे।

आजसू ने जारी की प्रत्याशियों की तीसरी सूची

रांची। आजसू ने अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 8 उम्मीदवारों की सूची जारी की है।

झामुमो छोड़कर आजसू में शामिल हुए अकील अख्तर को पाकुड़ का टिकट मिला है, वहीं भाजपा छोड़कर आजसू में शामिल हुई कोडरमा जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता को भी टिकट दिया गया है।

सूची इस प्रकार है-

कांके - रामजीत गंझू
पाकुड़ - अकील अख्तर
कोडरमा - शालिनी गुप्ता
जगरनाथपुर- मंगल सिंह सूरेन
मनोहरपुर - बिरसा मुंडा
सरायकेला -अनंत राम टुडू
खरसावां - संजय जरीका
तमाड़ - राम दुर्लभ सिंह मुंडा

कुंदन पाहन तमाड़ विधानसभा सीट से 18 को करेगा नामांकन

रांची। नक्सली कुंदन पाहन 18 नवंबर को तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से नामांकन करेगा। उसके झारखंड पार्टी से चुनाव लड़ने की संभावना जतायी जा रही है। रविवार को कुंदन के अधिवक्ता ईश्वर दयाल ने रविवार को यह जानकारी दी।

ल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड समेत कुल 120 से ज्यादा मामलों में आरोपित कुंदन पाहन को एनआईए की विशेष अदालत ने 11 नवंबर को तमाड़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी।

14 मई 2017 को किया था सरेंडर

प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के झारखंड रीजनल कमेटी के सचिव कुंदन पाहन ने 14 मई 2017 को पुलिस के समक्ष सरेंडर किया था।

वह डीएसपी और इंस्पेक्टर की हत्या समेत 120 से आपराधिक मामलों में वांछित था। उसके खिलाफ खूंटी में 50ए रांची में 42ए चाईबासा में 27ए सरायकेला में 7 और गुमला में एक कांड दर्ज हैं।

कुंदन पर 15 लाख रुपए का इनाम था। वर्ष 2000 में कुंदन भाकपा माओवादी में शामिल हुआ। इसके बाद उसने झारखंड में कई वारदातों को अंजाम दिया।

पूर्व मंत्री समेत पुलिसकर्मियों की हत्या का है आरोप

कुंदन पर सांसद सुनील महतो, पूर्व मंत्री और विधायक रमेश सिंह मुंडा, बुंडू डीएसपी प्रमोद कुमार समेत छह पुलिसकर्मी और स्पेशल ब्रांच के इंस्पेक्टर फ्रांसिस इंदवार की हत्या के आरोप हैं। इसके अलावा एक प्राइवेट बैंक से पांच करोड़ रुपए और एक किलो सोना लूटने के मामले में भी आरोपित है। कुंदन पाहन ने सरेंडर के वक्त बताया था कि खूंटी जिले में उसके पास 2700 एकड़ पुश्तैनी जमीन है। इसमें से 1350 एकड़ पर चाचा ने जबरन कब्जा कर लिया था। इसी से परेशान होकर उसने अपने दो बड़े भाइयों के साथ हथियार उठा लिया था।

झाविमो ने जारी की दूसरी सूची, खूंटी से लड़ेंगी दयामनी बारला

रांची। झारखंड विकास मोर्चा (झाविमो) ने विधानसभा चुनाव को लेकर रविवार को अपनी दूसरी सूची जारी की है। दूसरी सूची में झाविमो ने पांच उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने खूंटी से दयामनी बारला को एकबार फिर मैदान में उतारा है।

झाविमो मीडिया प्रभारी तौहिद आलम ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी ने चक्रधरपुर से शशिभूषण सामाड़, खूंटी से दयामनी बारला, सिसई से लोहोर मईन उरांव, कोलेबिरा से दीपक केरकेट्टा और जुगसलाई से रामचंद्र पासवान को उम्मीदवार बनाया है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही अन्य सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की जायेगी। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व झाविमो ने 37 उम्मीदवारों के नामों की सूची जारी की थी।

बचरा में भूमि पूजन के साथ यज्ञ की तैयारी शुरू

खलारी। बचरा चार नंबर मैदान में रविवार को गायत्री परिवार हरिद्वार से आए हुए विद्वानों एवं गायत्री परिवार से जड़े हुए सदस्यों की उपस्थिति में भूमि पूजन होने के साथ ही 1 दिसंबर से लेकर 4 दिसंबर तक होने वाले 24 कुण्डीय यज्ञ की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हो गया।

हरिद्वार से पहुंचे हैं विद्वान और सदस्य

भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद गायत्री परिवार द्वारा श्रद्धालुओं को खिचड़ी का प्रसाद खिलाया गया। भूमि पूजन के मौके पर गायत्री परिवार के अहम कार्यकर्ता, गायत्री शक्तिपीठ हरिद्वार से आए हुए कर्मयोगियों के साथ मुख्य महाप्रबंधक की पत्नी अर्चना अग्रवाल, स्टाफ ऑफिसर (विद्युत एवं यांत्रिक)आरएस सिंह, श्रमिक नेता रवीन्द्रनाथ सिंह, बचरा उत्तरी की मुखिया गुंजन सिंह, बचरा दक्षिणी की मुखिया रीना देवी, रवीन्द्र सिंह, धीरेन्द्र शर्मा, नव बनर्जी, आशीष दूबे, सतीश पांडे, विद्यापति सिंह, परियोजना पदाधिकारी सीएचपी/सीपीपी कामेश्वर सिंह के साथ गायत्री परिवार से जुड़े हुए लोग भी काफी संख्या में उपस्थित थे।

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दिए आवश्यक निर्देश

रांची। शैलेश कुमार चौरसिया, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विधानसभा चुनाव के सिलसिले में सभी निर्वाची पदाधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कई आवश्यक निर्देश दिएण्ए उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों तथा राजनीतिक दलों द्वारा प्रचार-प्रसार को लेकर रैली, सभा, नुक्कड़ सभाए वाहन परमिट, अस्थायी निर्वाचन कार्यालय खोलने, लाउडस्पीकर के इस्तेमाल, हेलीकॉप्टर लैंडिंग व हेलीपैड निर्माण की अनुमति को लेकर 48 घंटे पहले सुविधा पोर्टल पर आवेदन दिया जाना हैण् इन आवेदनों का तय समय.सीमा में निष्पादन सुनिश्चित किया जाना है और इसमें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय किए गए प्रावधानों का अक्षरशः पालन करना है। उन्होंने निर्वाची पदाधिकारियों से कहा कि वे सुविधा पोर्टल पर मिले आवेदनों को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरा ध्यान रखेंगे।

नामांकन प्रक्रिया व उसके पश्चात की जानेवाली कार्रवाई को लेकर निर्देश

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाची पदाधिकारियों को नामांकन प्रक्रिया के दौरान व उसके पश्चात की जाने वाली कार्रवाई को लेकर भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 13 सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है, जबकि दूसरे चरण और तीसरे चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी हैए जबकि चौथे और पांचवे चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी होना बाकी है। ऐसे में इन चरणों में चुनाव के सिलसिले में नामांकन प्रक्रिया के दौरान की जानेवाली कार्रवाई से पुनः निर्वाची पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। सभी निर्वाची पदाधिकारियों को नामांकन की प्रक्रिया के पश्चात मतदान हेतु की जाने वाली कार्रवाई से अवगत कराया गया। उन्होंने ईवीएम और वीवीपैट की उपलब्धता को लेकर भी निर्वाची पदाधिकारियों से जानकारी ली।

रांची पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर

भाजपा मीडिया सेंटर का करेंगे उद्घाटन

रांची। वन, पर्यावरण एवं सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर रविवार सुबह लगभग 10.30 बजे सेवा विमान से रांची पहुंचे। रांची एयरपोर्ट से वह भाजपा कार्यालय गए जहां मीडिया प्रबंधन समिति के सदस्यों व प्रवक्ताओं के साथ बैठक में हिस्सा लिया।

इसमें पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जेवीएल नरसिम्हा एवं राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख, विकास प्रीतम, सैयद ज़फ़र इस्लाम, प्रतुल शहदेव, शिवपूजन पाठक, तारिक इमरान और संजय जायसवाल के अलावा प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं मिडिया प्रभारियों की टीम शामिल रही। प्रकाश जावड़ेकर मीटिंग के बाद अरगोड़ा स्थित भाजपा मीडिया सेंटर का उद्धघाटन कर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे।

रघुवर दास ने रिसालदार बाबा के मजार पर की चादरपोशी

रांची। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने रविवार को रांची के डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा मजार के वार्षिक उर्स के अवसर पर रिसालदार बाबा के मजार पर चादर पोशी की।

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में रघुवर दास ने कहा कि उन्होंने कौम में अमन-शांति की दुआ की और झारखंड विकास की नई ऊंच्चाईयों को छुए, गरीबों के घर भी सुख-समृद्धि आए, इसकी दुआ मांगी।

पुलिस ने 3 चोरों को गिरफ्तार किया

रांची। मांडर पुलिस ने चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों में सुजीत मिश्रा, राजू वर्मा और गुड्डू मिश्रा शामिल हैं। इनके पास से सोने का दो पीस टॉप्स, सोने का नोज रिंग, चांदी का सात पीस बिछिया और घटना में प्रयुक्त अपाची बाइक बरामद की गयी है। थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह ने रविवार को बताया कि 3 नवंबर की सुबह छठ महापर्व के अवसर पर अर्घ्य देने गए पत्रकार चंद्रशेखर राम उपाध्याय के घर में घुसकर अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात और रुपए की चोरी कर ली थी। टीम गठित कर छापेमारी की गई और तीन चोरों को गिरफ्तार किया गया।

झारखंड डिस्पोजेबल संघ के अध्यक्ष चुने गये कुणाल विजयवर्गीय

रांची। झारखंड डिस्पोजेबल्स एवं पैकिंग मैटेरियल एसोसिएशन की एक बैठक एसोसिएशन के पिंजरापोल अवस्थित कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें संघ के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन हुआ तथा दिवाली मिलन भी संपन्न हुआ।

उक्त बैठक में संघ द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों पर व्यापक परिचर्चा हुई। साथ ही संघ के नियमों पर विस्तृत बातचीत की गयी एवं अगले वर्ष पुनः संघ के पदाधिकारियों का चुनाव द्वारा निर्वाचन तय किया गया।

व्यापार में आनेवाली कानूनी जटिलताओं के प्रति रोष व्यक्त किया गया

इस बैठक में सरकार एवं प्रशासन द्वारा व्यापारियों के व्यापार में विभिन्न कानूनी जटिलताओं व अन्य विभिन्न अड़चनों द्वारा गतिरोध उत्पन्न करने पर भी रोष व्यक्त किया गया एवं यह तय हुआ कि ऐसे मुद्दों पर भविष्य में एकजुटता की राह अपनाई जाए। साथ ही यह निर्णय भी लिया गया कि आगे से झारखंड डिस्पोजेबल एवं पैकिंग मैटेरियल एसोसिएशन विभिन्न अवसरों पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में जाकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

उपाध्यक्ष चुने गये दीपक नंदा और अजय डिडवानिया

इस बैठक में एसोसिएशन के विभिन्न पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ। जिसमें क्रमशः अध्यक्ष कुणाल विजयवर्गीय, उपाध्यक्ष दीपक नंदा जी, दूसरे उपाध्यक्ष अजय डिडवानिया, सचिव राजीव थेपड़ा, उपसचिव सुनील पोद्दार, दूसरे उपसचिव रवि प्रकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता एवं जनसंपर्क पदाधिकारी संजय सिंह चुने गये।

कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में कुणाल पांडे, अशोक जायसवाल, जुगल जालान, सत्येंद्र कुमार, शिव शंकर सिंह, संजय कुमार, दीपक लुण्डिया, श्याम चैधरी, अजय पोद्दार एवं संजय वर्मा जी की सहमति हुई। बैठक में प्रशांत राजगड़िया, संतोष जायसवाल, द्वारिका प्रसाद, राकेश कुमार बरनवाल, सुनील चैधरी, निखिल चैधरी एवं अनुराग पोद्दार आदि उपस्थित थे।

नामांकन से पूर्व आजसू प्रत्याशी ने बूथ प्रभारियों और चूल्हा प्रमुखों के साथ की बैठक

रांची। आजसू प्रत्याशी रोशनलाल चौधरी के द्वारा 22 नवंबर को नामांकन करेंगे। इसके लिए रविवार को आजसू के पिपरवार मंडल के सभी बूथ प्रभारियों एवं चूल्हा प्रमुखों की बैठक हुई।

बैठक में पिपरवार क्षेत्र के सभी अनुषंगी ईकाई, पंचायत प्रभारी, पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, बूथ प्रभारी एवं सभी पिपरवार नगर कमेटी के सभी पदाधिकारियों समेत सभी आजसू कार्यकर्ताओं भी मौजूद रहे। आजसू प्रत्याशी को जिताने के लिए पूरी तैयारी करेंगे

बैठक में नामांकन में जाने की तैयारियों पर चर्चा के साथ-साथ आजसू प्रत्याशी को जिताने के लिए जी जान से लग जाने की बात भी कही गयी।

बैठक की अध्यक्षता पिपरवार नगर अध्यक्ष विनोद सिंह उर्फ विधायक ने की, जबकि संचालन केरेडारी प्रखंड सचिव सह पिपरवार प्रभारी मोहन कुमार ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से हजारीबाग जिला प्रवक्ता रविशंकर जायसवाल, एजेकेएसएस के अध्यक्ष आनंद सिंह, सचिव इंद्रजीत चैधरी, चुनाव प्रभारी द्वारिका महतो, प्रभाकर वर्मा, उमेश मेहता, शंभू गुप्ता, उगन महतो, आदेश महतो, जगदीश महतो, गणेश महतो, काशीनाथ महतो रमेश महतो,श्रवण महतो, संतोष महतो, विनोद महतो, राम चरण महतो, सुरेंद्र महतो, मणिलाल महतो चिंतामन महतो, बबलू महतो, बालदेव महतो, विनोद गंझू, दिनेश गंझू, सुखदेव गंझू, सर्विस गंझू, किशन जी, ललन महतो, मुकेश महतो सहित काफी संख्या में आजसू पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अब तक 90 लाख नकद समेत 2.70 करोड़ की सामग्री जब्त, 29 प्राथमिकी दर्ज

रांची : झारखंड में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद से 15 नवंबर तक करीब 90 लाख नकद समेत 2.70 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त की गयी है। इसमें नकद के साथ-साथ अवैध शराब और गांजा एवं अन्य सामग्रियां शामिल हैं। आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित 29 प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने यह जानकारी दी है।

श्री चौबे ने बताया कि अब तक 89,73,055 रुपये के अलावा 1,50,846 लीटर शराब और 13,605 किलो महुआ जब्त किया गया है। इसकी कीमत लगभग 94,44,817 रुपये आंकी गयी है। 33,16,880 रुपये की अफीम, डोडा और अन्य नशीले पदार्थ भी जब्त किये गये हैं। 52,18,875 रुपये के उपहार व अन्य संदिग्ध सामान पुलिस और प्रशासन ने जब्त किये हैं। श्री चौबे ने बताया कि एक नवंबर को विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आचार संहिता प्रभावी है। इस सिलसिले में 15 नवंबर तक आचार संहिता उल्लंघन से जुड़ी 29 प्राथमिकियां दर्ज हो चुकी हैं। पलामू में 4, पूर्वी सिंहभूम में 8, धनबाद में 3, गढ़वा में 3, गिरिडीह में 1, रांची में 2, बोकारो में 4, सरायकेला-खरसावां में 4, जामताड़ा में 1, सिमडेगा में 1 और लोहरदगा में 1 प्राथमिकी दर्ज की हुई है।

सी-विजिल ऐप्प पर मिली 707 शिकायतें : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सी-विजिल ऐप्प पर आचार संहिता उल्लंघन की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। 16 नवंबर को दोपहर 12 बजे तक सी-विजिल पर 707 शिकायतें मिलीं थीं। इसमें बोकारो में 21, चतरा में 36, देवघर में 9, धनबाद में 122, दुमका में 14, पूर्वी सिंहभूम में 56, गढ़वा में 38, गिरिडीह में 25, गोड्डा में 16, गुमला में 19, हजारीबाग में 26, जामताड़ा में 6, खूंटी में 45, कोडरमा में 63, लातेहार में 16, लोहरदगा में 21, पाकुड़ में 30, पलामू में 21, रामगढ़ में 14, रांची में 67, साहेबगंज में 3, सरायकेला-खरसांवा में 9, सिमडेगा में 9 और पश्चिमी सिंहभूम में 21 शिकायतें मिली हैं। इनमें से 649 शिकायतों को ड्रॉप कर दिया गया, जबकि सही पाये गये 53 शिकायतों का निष्पादन कर दिया गया है और पांच मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया चल रही है।

सरयू राय की बगावत से भाजपा में भूचाल, जानें किसने क्या कहा..

रांची : आखिरकार वही हुआ जिसका अंदेशा सबको पहले से था।भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता सरयू राय ने पार्टी से बगावत कर दी है। उन्होंने रविवार को जमशेदपुर में मुख्यमंत्री रघुवर दास के खिलाफ चुनाव लड़ने का एलान किया। इस बीच सीएम रघुवर दास ने भी जमशेदपुर में कैंप कर दिया है। वे सोमवार को नामांकन की आखिरी तारीख को जमशेदपुर पूर्वी सीट से नामजदगी का पर्चा दाखिल करेंगे। इससे पहले लगातार बदलते घटनाक्रम में सरयू राय ने भाजपा का टिकट लेने से भी मना कर दिया था। इधर सरयू के रुख और सीएम की सीट पर दावेदारी से भाजपा में हड़कंप मचा है। राय के कदम से सकते में दिख रहे भाजपा नेताओं ने चुप्पी साध ली है। इधर कांग्रेस ने भी बीती रात एकाएक जमशेदपुर पूर्वी सीट से प्रो गौरव बल्लभ को उतारकर माहौल को और गरमा दिया है। महागठबंधन में कांग्रेस के रुख से झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन सकते में हैं। उन्होंने तमाम विपक्षी दलों से सरयू राय का समर्थन करने की अपील की है।

सरयू राय ने ये कहा

जमशेदपुर में सरयू राय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी परंपरा यही है क हम सब मिलकर फैसला लेते आए हैं। विधानसभा चुनाव की इस घड़ी में बताना चाहता हूं कि जमशेदपुर पश्चिमी सीट का विधायक होने के नाते पूरी निष्ठा से काम किया है। पिछड़े इलाके का पूरा विकास का बीड़ा उठाया है। सबके सुख-दुख में हम साथ रहे हैं।

सरयू ने कहा कि उन्होंने पार्टी से आजतक कुछ नहीं मांगा। उनका टिकट होल्ड पर रखे जाने से बहुत बुरा लगा। उन्होंने कहा कि वे सरकार में पांच साल कैबिनेट मंत्री रहे। जहां गलत हुआ, उन्होंने खुलकर इसका विरोध किया। समर्थकों की नारेबाजी के बीच कहा कि गलत करने वाला वहीं जाएगा, जहां मधु कोड़ा गए थे। प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का जिक्र करते हुए कहा कि यही बात वे करते हैं, तो लोगों को बुरा लगता है।

सरयू राय के पक्ष में झामुमो, बताया भ्रष्टाचार से लड़ने वाला : भाजपा नेता सरयू राय भले ही अपने दल के खिलाफ खड़े हो गए हैं, लेकिन तमाम विपक्षी पार्टियां उन्हें लपकने को आतुर है। झामुमो ने भी उनके सम्मान के बारे में चिंता करते हुए कहा कि सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले को इस तरह से टिकट से वंचित करना चिंताजनक है। झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने यहां तक कह दिया कि भ्रष्टाचार के संरक्षक मुख्यमंत्री रघुवर दास के भ्रष्टाचार को सरयू राय हमेशा उठाते रहे हैं। इसकी को आधार मानकर उन्हें टिकट नहीं दिया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि टिकट देना या नहीं देना भाजपा का अंदरूनी मामला है। सुप्रियो भट्टाचार्य शनिवार को प्रेसवार्ता में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने सरयू राय को नसीहत देते हुए कहा कि अब उनको भाजपा के मोह जाल में नहीं फंसना चाहिए। भाजपा की ऐसी परंपरा रही है कि अच्छे लोगों को दरकिनार कर दिया जाता है। जबकि, भ्रष्टाचारी, हत्यारा सहित अन्य मामलों में आरोपितों को भाजपा टिकट देती है। एक विधायक का आपत्तिजनक वीडियो भी सामने आया, लेकिन उन्हें टिकट मिल गया और सरयू राय जैसे नेता को इससे वंचित किया गया है।

सरयू राय को साथ जोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राजनीति परिस्थितियों का पर्याय होती है। वक्त का इंतजार करना चाहिए। भाजपा सरकार के अत्याचार के खिलाफ अगर कोई लड़ता है, तो पार्टी उसके साथ रहेगी या समर्थन करेगी। जमशेदपुर पूर्वी और पश्चिमी सीट गठबंधन के चलते कांग्रेस के पास है। ऐसे में इस पर निर्णय कांग्रेस को ही लेना है। अगर परिस्थितियां बनती हैं, तो कांग्रेस और जेएमएम के शीर्ष नेता इस पर निर्णय जरूर लेंगे।

जमशेदपुर में पकड़े गए रुपये का होना था चुनाव में इस्तेमाल : जमशेदपुर में एक जेई के यहां से मिली भारी नकदी का मामला अब राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। झामुमो ने इस प्रकरण में सीएम रघुवर दास पर भी निशाना साधा है। महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने दावा किया कि जेई के पास से मिले तीन करोड़ रुपये का इस्तेमाल विधानसभा चुनाव में किया जाना था।

झामुमो ने पौलुस सुरीन और सामड का टिकट काटा

रांची : झामुमो ने अपने दो विधायकों पौलुस सुरीन और शशिभूषण सामड का टिकट काट दिया है। पौलुस तोरपा औप सामड चक्रधरपुर से विधायक हैं। झामुमो ने शनिवार को तीन उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की है। इसमें तोरपा, जुगसलाई और चक्रधरपुर के प्रत्याशियों की घोषणा की गई है। इसमें तोरपा सेसुदीप गुड़िया, चक्रधरपुर से सुखराम उरांव और जुगसलाई से मंगल कॉलदी को प्रत्याशी बनाया गया है।

फूलचंद झामुमो में शामिल : सिंदरी के भाजपा विधायक फूलचंद मंडल झामुमो में शामिल हो गए। उन्होंने झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के सामने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। फूलचंद मंडल 2014 में सिंदरी से जीते थे।

जस्टिस डॉ रवि रंजन ने ली मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ

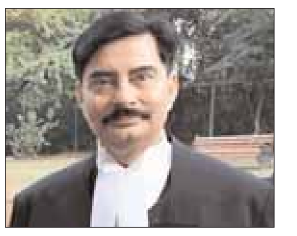

रांची : जस्टिस डॉ रवि रंजन ने झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राजभवन में रविवार को एक सादे समारोह में उन्हें राज्यपाल द्रौपदी मूर्मू ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जस्टिस रवि रंजन बिहार से हैं। वे पटना के रहने वाले हैं। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने चीफ जस्टिस की नियुक्ति का आदेश जारी किया था। रविवार को राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री रघुवर दास समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सीएम रघुवर ने चीफ जस्टिस बनाए जाने पर डॉ रवि रंजन को बधाई दी है। रवि रंजन झारखंड हाई कोर्ट के 13वें मुख्य न्यायाधीश बनाए गए हैं।

झारखंड हाई कोर्ट नए चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन शनिवार शाम सेवा विमान से रांची पहुंचे। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान हाई कोर्ट के सभी जजों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट किया। एडवोकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी धीरज कुमार, मुकेश कुमार सिन्हा सहित अन्य लोगों ने भी चीफ जस्टिस का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल अंबुज नाथ, प्रोटोकॉल ऑफिसर मिथिलेश कुमार सहित अदालत के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

मई 2019 से खाली है झारखंड हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश का पद : झारखंड हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस अनिरुद्ध बोस को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाए जाने के बाद मई 2019 से मुख्य न्यायाधीश का पद खाली है। इसके बाद जस्टिस प्रशांत कुमार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था। कुछ दिनों पहले उनका निधन हो गया। इसके बाद से जस्टिस एचसी मिश्र झारखंड हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदस्थापित हैं।

जस्टिस डॉ रवि रंजन ने पटना हाई कोर्ट से शुरू की प्रैक्टिस : उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से जियोलॉजी में पीएचडी की उपाधि हासिल की है। एमएससी करने के बाद वह बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर भी रहे। वर्ष 1989 में उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से लॉ की डिग्री हासिल की। चार दिसंबर 1990 को उन्होंने पटना हाई कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। जस्टिस डॉ। रवि रंजन ने संवैधानिक, सिविल, राजस्व, आपराधिक और सर्विस मामले में विशिष्टता हासिल की।

वर्ष 1997 में वह पटना हाई कोर्ट में केंद्र सरकार के स्टैंडिंग कौंसिल नियुक्त किए गए। वर्ष 2004 में वह सीनियर स्टैंडिंग स्टैंडिंग कौंसिल बने। 14 जुलाई 2008 को वह पटना हाई कोर्ट के अपर न्यायाधीश नियुक्त हुए और 16 जनवरी 2010 को उन्हें स्थायी जज बनाया गया।

कौन हैं गौरव वल्लभ? कांग्रेस ने सीएम रघुवर दास के खिलाफ बनाया उम्मीदवार

रांची : कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री रघुवर दास के खिलाफ अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की ओर से शनिवार देर रात दो उम्मीदवारों की सूची जारी की गयी। इसमें वल्लभ का नाम प्रमुख है। उन्हें जमशेदपुर पूर्व से उम्मीदवार बनाया गया है। इस विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री रघुवर दास लगातार पांच बार जीतकर छठी बार चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने रामगढ़ से ममता देवी को टिकट दिया है।

मुख्यमंत्री के खिलाफ उम्मीदवार बनाये जाने के बारे में पूछे जाने पर वल्लभ ने कहा, 'मैं इस चुनौती को स्वीकार करता हूं। इस क्षेत्र और झारखंड के लोगों के साथ पिछले पांच वर्षों में सिर्फ धोखा हुआ है। जनता रघुवर दास और भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है।' प्रो गौरव ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी ने मुझे झारखंड के जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री रघुवर दास जी के खिलाफ उम्मीदवार घोषित किया है। मैं पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता व पदाधिकारियों का मुझ पर भरोसा जताने के लिए कोटि-कोटि आभार प्रकट करता हूं। भरोसा दिलाता हूं कि आपके विश्वास पर हमेशा खरा उतरूंगा।'

कांग्रेस पार्टी ने मुझे झारखंड के जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से सीएम रघुवर दास जी के खिलाफ उम्मीदवार घोषित किया है। मैं पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता व पदाधिकारियों का मुझ पर भरोसा जताने के लिए कोटि-कोटि आभार प्रकट करता हूं।भरोसा दिलाता हूँ की आपके विश्वास पर हमेशा खरा उतरूँगा।

एक दिन पहले प्रो गौरव ने भगवान बिरसा को श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने ट्वीट कर कहा था, 'साहस व शौर्य के प्रतीक, झारखंड की धरती को नयी पहचान दिलाने व युवाओं में आजादी का जोश भरने वाले, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन। झारखंड राज्य के सवा तीन करोड़ साथियों को झारखंड स्थापना दिवस की बधाई।' उल्लेखनीय है कि झारखंड में कांग्रेस 81 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। वह 31 सीटों पर लड़ रही है।

प्रो गौरव वल्लभ जमशेदपुर स्थित एक्सएलआरआइ मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में पढ़ाते हैं। वह फाइनांस के प्रोफेसर हैं। अपने परिवार के पहले व्यक्ति हैं, जो राजनीति में आये हैं। ऐसा लगता है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस उन्हें झारखंड का मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर सकती है। कांग्रेस के सूत्रों ने ऐसे संकेत दिये हैं।

साहस व शौर्य के प्रतीक, झारखंड की धरती को नयी पहचान दिलाने व युवाओं में आज़ादी का जोश भरने वाले, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन। झारखंड राज्य के सवा तीन करोड़ साथियों को झारखंड स्थापना दिवस की बधाई।

शिक्षाविदों के परिवार में जन्मे प्रो गौरव वल्लभ ने क्रेडिट रिस्क असेसमेंट में डॉक्टरेट की डिग्री ली है। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। एक्सएलआरआइ में अध्यापन से पहले वह कई बैंकों से जुड़े थे। इसी साल जनवरी में उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली थी। पार्टी ने 10 नये प्रवक्ता नियुक्त किये, तो उसमें एक प्रो वल्लभ भी थे।

प्रो वल्लभ ने पिछले दिनों रांची में आयोजित एक मीडिया संस्थान के कॉन्क्लेव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फायर ब्रांड नेता संबित पात्रा को कड़ी चुनौती दी थी। उल्लेखनीय है कि झारखंड में 30 नवंबर से पांच चरणों में चुनाव होने हैं। जमशेदपुर में दूसरे चरण में 7 दिसंबर को वोटिंग है। जमशेदपुर समेत 7 जिलों की 20 विधानसभा सीटों के लिए 18 नवंबर तक ही प्रत्याशी नामांकन दाखिल कर पायेंगे।

नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख से ऐन पहले शनिवार देर रात कांग्रेस ने प्रो गौरव वल्लभ को अपना उम्मीदवार घोषित किया। संभवतः सोमवार को वह अपना नामांकन दाखिल करेंगे। दूसरे चरण की 20 सीटों में से कांग्रेस ने सिर्फ 4 उम्मीदवार उतारे हैं। प्रो वल्लभ के अलावा जमशेदपुर पश्चिम से बन्ना गुप्ता, सिमडेगा से भूषण बाड़ा और कोलेबीरा से नमन विक्सल कोंगाड़ी को कांग्रेस ने मैदान में उतारा है।

पूर्व सीएम मधु कोड़ा के छोटे भाई जगन्नाथपुर विस से लड़ेंगे चुनाव

किरीबुरु : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के छोटे भाई और गुआ खादान के सेलकर्मी व मजदूर नेता राजेश कोड़ा ने भी जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। जब से राजेश कोड़ा ने चुनाव लड़ने की घोषणा की है तब से चर्चाओं का बाजार बेहद गर्म है। राजेश कोड़ा ने कहा कि झारखंड व पश्चिम सिंहभूम में भाजपा की सरकार से जनता परेशान है एवं विकास नहीं हो रहा है जिसके खिलाफ हम चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि वह अपने बड़े भाई मधु कोड़ा को चुनाव लड़ने के बारे में बता दिया था। वह चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी से उन्हें टिकट मिले। अगर उन्हें कांग्रेस से टिकट नहीं मिलता है तो वह निर्दलीय हीं चुनावी मैदान में उतरेंगे। राजेश कोड़ा ने कहा कि मधु कोड़ा हमें अपने पास बातचीत के लिये बुलाये हैं एंव बातचीत के बाद आगे की रणनीति पर काम होगा। उन्होंने कहा कि पिछले बीस वर्षों के दौरान मेरे भैया, भाभी (कोड़ा दम्पत्ति) ने जो विकास कार्य को आगे बढ़ाया है उसे वो और आगे बढ़ायेंगे।

उल्लेखनीय है कि जगन्नाथपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी का अबतक ऐलान नहीं किया है एंव ऐसी चर्चा है कि कांग्रेस इस सीट से बस एजेंट सह मधु कोड़ा के करीबी सोना सिंकु अथवा मधु कोड़ा के भाई की पत्नी में से किसी एक को प्रत्याशी बना सकती है। ऐसी चर्चा के बाद राजेश कोड़ा द्वारा अपनी दावेदारी पेश कर चुनाव लड़ने का ऐलान करना कोड़ा दम्पत्ति के साथ-साथ कांग्रेसी खेमे में परेशानी बढ़ा दी है।

झारखंड के दो तिहाई विधायकों पर आपराधिक मुकदमे

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव 2014 में चुनकर विधायक बने 79 में से 62 फीसदी (49 विधायकों) पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। यह खुलासा झारखंड इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने शनिवार को जारी अपनी रिपोर्ट में किया है।

यह भी उजागर हुआ है कि 48 फीसदी यानि 79 में से 38 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स के झारखंड कोआर्डिनेटर सुधीर पाल के अनुसार झारखंड इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स ने झारखंड विधानसभा सचिवालय में विधायकों और विधानसभा के प्रदर्शन और कार्य से संबंधित जानकारी लेने के लिए आरटीआई दाखिल की थी। यह रिपोर्ट प्राप्त प्रतिक्रियाओं पर आधारित है। झारखंड विधानसभा में 82 सीटें हैं। इस रिपोर्ट में झारखंड विधानसभा के मनोनीत एंग्लो-इंडियन प्रतिनिधि साथ ही उन विधायकों का विश्लेषण भी किया गया है, जिन्होंने इस्तीफा दे दिया या उपचुनाव के माध्यम से विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए।

अधिक सवाल पूछने वाले पांच विधायक

विधायक	पार्टी	कुल सवाल
प्रदीप यादव	झाविमो	171
रामकुमार पाहन	भाजपा	168
आलमगीर आलम	कांग्रेस	164
विरंची नारायण	भाजपा	160
अरूप चटर्जी	मासस	159

इन विधायकों ने सदन में कम किए सवाल

विधायक	पार्टी	कुल सवाल
कमल किशोर भगत	आजसू	09
राजकिशोर महतो	आजसू	10
साइमन मरांडी	झामुमो	12
नमन बिक्सल कोंगारी	कांग्रेस	13
रघुनंदन मंडल	भाजपा	13

विधानसभा के 16 सत्र में कुल 6198 सवाल पूछे गए : झारखंड राज्य विधानसभा में प्रतिवर्ष 25 दिन की औसत बैठक हुई। विश्लेषित किए गए 82 में से 75 विधायकों (उप चुनावों के माध्यम से निर्वाचित और नामांकित विधायकों सहित) ने 4489 तारांकित प्रश्न और 1709 अतारांकित प्रश्न पूछे। इस प्रकार कुल 6198 सवाल आए। चौथी झारखंड विधानसभा में 130 बिल पेश किए गए। इनमें से 126 (97 प्रतिशत) बिल पास हुए।

कोई स्कूल परिसर तो कोई खेल के मैदान से पहुंचा विधानसभा

रांची : अविभाजित बिहार के समय छोटानागपुर और कोल्हान की धरती में ऐसे आदिवासी नेता हुए जिन्हें अपने जीवन के शुरुआती दौर में राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन अपने नेतृत्व करने के गुण व संघर्षरत जीवन की बदौलत वे विधानसभा तक पहुंचे।

1950 से लेकर 1990 के बीच आदिवासियों का आंदोलन चरम सीमा पर था। अलग राज्य की मांग हर आदिवासी की आवाज थी। इस आंदोलन ने कई ऐसे नेता पैदा किये जिनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत, खेल के मैदान, चर्च के स्कूल या रेलवे की नौकरी करते हुई। इसमें कोई शिक्षक था तो कोई हॉकी या फुटबाल खिलाड़ी या फिर रेलवे में कैबिन मैन। परंतु समाज को आगे ले जाने व जनजातीय समुदाय की आवाज बनने की उत्सकुता ने उन्हें एक सफल राजनीतिज्ञ के रूप में स्थापित किया।

1939-49 तक मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा आदिवासी महासभा के अध्यक्ष रहे। उन्होंने आदिवासियों की आवाज को राष्ट्रीय पटल पर लाने में अहम भूमिका निभाई थी। जयपाल सिंह मुंडा की पढ़ाई विदेश में हुई थी। परंतु वे एक अच्छे हॉकी खिलाड़ी थे। अपने खेल की बदौलत कई बार उन्होंने भारत को स्वर्ण पदक तक दिलाया। जयपाल सिंह के प्रयास से 1950 में झारखंड पार्टी की स्थापना हुई। जयपाल सिंह संविधान सभा और संसद तक गए।

दूसरी ओर झारखंड गोमके के रूप में चर्चित एनई होरो 70 के दशक में चुनाव मैदान में उतरे। वे भी झारखंड पार्टी के संस्थापकों में से एक थे। वे पहले शिक्षक थे और बाद में जीईएल चर्च के सचिव भी रहे। इसके बाद उन्होंने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। वे चुनाव जीते और बिहार सरकार में मंत्री तक बने। कोल्हान क्षेत्र में सारंडा टाइगर के रूप में पुकारे जाने वाले विधायक बहादुर उरांव पहले रेलवे में कैबिन मैन थे। इसी क्रम में उन्होंने आदिवासी रेलवे कर्मचारियों को सूदखोरों के जाल से बचाने के लिए आंदोलन शुरू किया। इसके बाद 1980 के दशक में वे राजनीति जीवन में आए और 1990-1995 तक झामुमो के टिकट पर चक्रधरपुर के विधायक रहे। इसी क्षेत्र से एक और विधायक उभरे- सुखदेव मांझी। वे एक फुटबाल खिलाड़ी थे और मैट्रिक पास थे।

उन्हें भी जयपाल सिंह मुंडा ने मैदान में खेलते हुए देखा और झापा से टिकट देकर चुनाव लड़वाया था। वे चक्रधरपुर और 1962 चाईबासा के विधायक भी रहे।

शरद यादव महागठबंधन के लिए करेंगे चुनाव प्रचार

रांची : पूर्व सांसद एवं जदयू नेता रहे शरद यादव झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो-कांग्रेस-राजद के महागठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। शनिवार को यहां रिम्स में भर्ती चारा घोटाला में सजा पा चुके और न्यायिक हिरासत में चल रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की।

लालू प्रसाद से मुलाकात के बाद शरद यादव ने कहा कि वह झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के लिए प्रचार करेंगे। शरद यादव ने यह नहीं बताया कि लालू से उनकी क्या बातचीत हुई, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि वह 22-23 नवंबर को यहां आयेंगे और उसी दौरान वह महागठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। उल्लेखनीय है कि झारखंड में 30 नवंबर से लेकर 20 दिसंबर तक पांच चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं। पहले चरण का नामांकन पूरा हो चुका है और दूसरे चरण के लिए नामांकन चल रहा है। 18 नवंबर को दूसरे चरण के लिए नामांकन खत्म हो जायेगा। इस बीच तीसरे चरण के चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है।

विधानसभा चुनाव में झामुमो उलगुलान उभर कर आए सामनेः बेनीलाल

झामुमो उलगुलान का बेरमो विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

बेरमो। झारखंड मुक्ति मोर्चा उलगुलान आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत दिखाएगी और झारखंड की राजनीति में उभर कर सामने आएगी। चुनाव में अपने अधिक से अधिक प्रत्याशियों को जिताने के लिए कार्यकर्ता कमर कस चुके हैं। झामुमो यू के कार्यकर्ता गांव गांव में जाकर जनता को अपने पक्ष में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेरमो ही नहीं पूरे झारखंड की जनता भाजपा कांग्रेस और आजसू से ऊब चुकी है। इस बार जनता झारखंड मुक्ति मोर्चा उलगुलान के साथ है। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस सिर्फ हाथी उड़ा रहे हैं जबकि सभी लोग जानते हैं कि हाथी नहीं उड़ता है।

श्री महतो ने कहा कि अब क्षेत्र के गरीब मतदाता किसी के हाथों बिकने वाले नहीं हैं। चुनाव में थोड़े से लालच देकर पांच साल यह लोग गरीबों पर शोषण करते हैं जिससे जनता त्रस्त है जनता जानती है कि अब उनके प्रलोभन में नहीं आना है।

उक्त बातें अवध सिनेमा हॉल में रविवार को आयोजित बेरमो विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि झामुमो उलगुलान के केंद्रीय महासचिव बेनीलाल महतो ने कही। श्री महतो ने कहा कि आज बेरमो कोयलांचल में सीसीएल की अंगवाली पिछड़ी डी आर एंड आर डी परियोजना बंद पड़ा हुआ है जिसके कारण यहां के लोग बेरोजगार हैं लोडिंग मजदूर भुखमरी के कगार पर है इसकी चिंता किसी को नहीं है।

सम्मेलन की अध्यक्षता बोकारो जिला अध्यक्ष रंजीत महतो व संचालन झामुमो यू के केंद्रीय संगठन मंत्री कृष्णा थापा ने किया।

झामुमो यूके केंद्रीय सचिव सह रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी पूर्व विधायक अर्जुन राम ने कहा कि बहुत सहलिए अवसोषण अब नहीं सहेंगे इसके लिए एक-एक कार्यकर्ता कमर कस लें आने वाले विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी को जीता कर रांची भेजें और अपना अधिकार हासिल करें।

समारोह में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव दिगंबर महतो ने कहा कि अब भाजपा कांग्रेस आजसू सहित किसी भी दलों के बांकावे में जनता को नहीं आना चाहिए। क्योंकि एक रुपए किलो चावल गैस दिखाकर वही लोग महंगाई बढ़ाकर राशि वसूल लेते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अपने मेहनत के बल पर आने वाले विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों को जिताने की बात कही। केंद्रीय सचिव नरेश महतो ने कहा कि अपने हक के लिए जनता को आगे आना होगा।

सम्मेलन में केंद्रीय कार्यालय सचिव शंभू नाथ महतो, केंद्रीय कोषाध्यक्ष विश्वनाथ तुरी, युवा मोर्चा के मधु पासवान, बोकारो जिला सचिव जयकुमार टूडू, छोटू खान, चंद्रपुरा प्रखंड के अध्यक्ष जगदीश महतो, फुसरो नगर अध्यक्ष विरल लोहार नगर सचिव गिरधारी महतो महिला नेत्री चौधरी देवी किरण देवी अलिया देवी, बसंती देवी, पेटरवार प्रखंड सचिव रामचंद्र टू डू, चंद्रपुरा के नंदलाल महतो सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

विभिन्न दलों को छोड़कर झामुमो यू में शामिल

झामुमो यू के सम्मेलन में चंचल कुमार शेखू कुमार मोनू कुमार अंशु कुमार अभिषेक कुमार सूरज कुमार रोशन कुमार आकाश कुमार सिद्धार्थ कुमार लाल सिंह लखविंदर लोहार ललन राम सहित दर्जनों लोग विभिन्न दलों को छोड़कर शामिल हुए।

झामुमो यू की दूसरी सूची जारी पांच प्रत्याशी घोषित

फुसरो। झामुमो यू के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में केंद्रीय सचिव दिगंबर महतो ने दूसरी सूची जारी की। जिसमें पांच प्रत्याशी घोषित किए गए। घोषित किए गए प्रत्याशियों में मंझगाव से विनोद कुमार सवयन, जगरनाथपुर से झामुमो यूके केंद्रीय अध्यक्ष कृष्णा मार दी महेशपुर से अविनाश को रहा चाईबासा से रेंटू हेरो और पोटका विधानसभा क्षेत्र से चंदाई महली प्रत्याशी घोषित किए गए।

राज्य की जलसहियाओं का जन पंचायत रघुवर सरकार पर भड़के कर्मचारी नेता

रघुवर सरकार को बताया जनविरोधी सरकार

गिरिडीह। जलसहिया कर्मचारी संघ गिरिडीह शाखा की ओर से रविवार को शहर के मोहलीचुंवा स्थित किरण पब्लिक स्कूल में जलसहिया प्रांतीय महाजन पंचायत का आयोजन किया गया। जलसहिया महाजन पंचायत में जलसहियाओं के निशाने पर सूबे की रघुवर दास सरकार ही रही। जन पंचायत में राज्य के कई जिलों की जलसहियाएं शामिल हुई। वहीं जन पंचायत को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता अशोक सिंह ने कहा कि जलसहियाओं की सात सूत्री मांग पूर तरह से उचित है। रघुवर सरकार लगातार जलसहियाओं की मांग को दरकिनार कर कभी उनके प्रदर्शन के दौरान लाठी चलाती है तो कभी भला-बुरा कहती है। कहा कि इस चुनाव में राज्य की जलसहिया अब सूबे के रघुवर दास के सरकार को सत्ता से उखाड़ फेकेंगी। इसी नारे के साथ जलसहिया आंदोलन कर रही है। रघुवर दास की सरकार को कर्मचारी विरोधी बताते हुए कहा कि सत्ता में आने से पहले रघुवर सरकार ने जलसहियाओं के नियमित करने का वादा किया था। जिसे पूरा करने में सरकार विफल रही। इस दौरान जन पंचायत को कर्मचारी नेता जलसहिया कर्मचारी संघ के राज्याध्यक्ष एतवारी महतो, राज्य महामंत्री गायत्री देवी के अलावे रघुनंदन विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया। जबकि जन पंचायत में रुपलाल महतो समेत काफी संख्या में राज्य के अलग-अलग जिलों से आई जलसहिया मौजूद थी।

इधर जिन सात सूत्री मांगो को लेकर वक्ताओं और जलसहियाओं ने रघुवर सरकार पर भड़स निकाला। उसमें जलसहियाओं को नियमित करना, न्यूनतम मजदूरी पर आधारित मानदेय का भुगतान, आयुष्मान भारत योजना से हर जलसहिया को जोड़ना के अलावे ईपीएफ से जलसहियाओं को लाभ दिलाना समेत कई मांग शामिल थी।

झारखंड विश्वकर्मा बढ़ई कल्याण समिति के जिला कार्यसमिति की बैठक में लखन लाल शर्मा बने अध्यक्ष

धनबाद। झारखंड विश्वकर्मा बढ़ई कल्याण समिति जिला कार्यसमिति की बैठक विश्वकर्मा मंदिर धनबाद में निवर्तमान जिला अध्यक्ष भगवानदास शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें उन्होंने नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष लखन लाल शर्मा को पदभार सौंपा साथ ही उन्होंने का कहा कि मैं आशा करता हूं कि हमारे नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष एकजुटता के साथ सभी को साथ लेकर समन्वय स्थापित करते हुए समाज को एक नई दिशा देंगे और समुचित विकास हेतु सेवा भाव से व निस्वार्थ होकर कार्य करेंगे उन्होंने उपस्थित सभी विश्वकर्मा बंधुओं से आग्रह किया कि आरोप-प्रत्यारोप से हटकर समाज के विकास में अपना सहयोग प्रदान करें और समाज को एक नई दिशा देने का कार्य करें बैठक में मुख्य रूप से पुनः महामंत्री के पद पर निर्वाचित हुए श्री गुसेश्वर शर्मा प्रदेश महासचिव श्री उमेश कुमार शर्मा वरिय उपाध्यक्ष श्री सुखदेव प्रसाद शर्मा जिला कोषाध्यक्ष श्री उमेश शर्मा बाघमारा प्रखंड उपाध्यक्ष श्री शिव नाथ शर्मा विश्वनाथ मिस्त्री बबलू शर्मा सुबोध शर्मा लक्ष्मी शर्मा प्रकाश शर्मा विनोद कुमार विश्वकर्मा धनबाद प्रखंड अध्यक्ष श्री मिथिलेश शर्मा रघुवीर शर्मा आदि दर्जनोंलोग उपस्थित थे

आजसु छोड़कर नेता हुए मासस में शामिल

धनबाद। मासस के सर्वमान्य नेता एवं निरसा के विधायक अरूप चटर्जी के समक्ष रूबी सर्कुलर रोड चेंबर अध्यक्ष सहमत के वरीय नेता सम्राट चौधरी के अनुरोध पर कोयलांचल के अन्य समर्थकों के साथ प्रदीप बनर्जी आज उसमें बुद्धिजीवी मंच के जिला प्रवक्ता सा नया जीवन पत्रिका के अध्यक्ष सह रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य आजसू छोड़कर मां सच में शामिल हो गए हैं निरसा विधायक ने कहा कि प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नया जीवन पत्रिका के अध्यक्ष महासचिव में शामिल हुए प्रदीप बनर्जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं मासस के केंद्रीय अध्यक्ष सचिव प्रत्याशी आनंद महतो ने कहा कि मास के वरीय नेता सम्राट चौधरी ने युवा नेता प्रदीप बनर्जी को मास में शामिल कराया है जिसके आने से पहले की तुलना में और मजबूत होगी बधाई देने वाले में रुस्तम अंसारी अब्दुल मन्नान हरिप्रसाद पप्पू एवं छत्र नेता नंद शामिल थे।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर चला मतदाता जागरूकता अभियान

बोकारो। मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत वरिय नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग -सह- उप विकास आयुक्त श्री रविरंजन मिश्रा की अध्यक्षता में चास प्रखंड अंतर्गत उकरीद पंचायत के पंचायत भवन में दिव्यांगता/वृद्धावस्था व्यक्तियों को मतदाता संदेश परक पंपलेट का वितरण किया गया। वितरण के दौरान उप विकास आयुक्त श्री मिश्रा ने उपस्थित सभी वृद्धजन तथा दिव्यांग मतदाताओं को आगामी 16 दिसंबर को वोट देने की अपील की। साथ ही साथ उपस्थित सभी लोगों से कहा कि अपने आस-पास रहने वाले सभी लोगों को मतदान कराने के लिए भी आग्रह किया।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नई पहल करते हुए दिव्यांगजन और 80 वर्ष के उपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को पोस्टल बैलेट की सुविधा का विकल्प दिया गया है। दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केन्द्र पर विशेष व्यवस्था की गई है जैसे- पेयजल, शौचालय, मतदान केन्द्र तक आवगमन के लिए वाहन की व्यवस्था, व्हीलचेयर की व्यवस्था, रैंप की व्यवस्था, ईवीएम पर ब्रेल स्टीक की व्यवस्था नेत्रहीन एवं अस्वस्थ मतदाताओं के साथ सहयोगी की व्यवस्था, सहारे के लिए मजबूत रेलिंग की व्यवस्था की गई है।

मतदाता जागरूकता के तहत आज कस्तुरबा आवासीय विद्यालय चास में मेंहदी प्रतियोगिता व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी सभी लोगों को मतदान करने की अपील की गई। वितरण के दौरान नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमति मनीषा वत्स, प्रखंड विकास पदाधिकारी चास संजय शांडिल्य, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चास शहरी श्रीमति रेणु कुमारी, जनसंपर्क के अरविन्द कुमार, आशुतोष कुमार सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

लखनऊ के टीम ने पलामू के आदिम जनजाति गांव का लिया जायजा गांव के लोगों ने खुलकर रखी समस्या, टीम ने लोगों को किया जागरूक

मेदिनीनगर। एसोसिएशन फॉर एडवोकेसी एंड लीगल इनिशिएटिव्स लखनऊ के टीम ने रविवार को पलामू जिले के रामगढ़ प्रखंड के आदिम जनजाति गांव पंहुच लोगों की समस्या जाना। टीम ने रामगढ़ प्रखंड के हिसरा प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में आदिम जनजाति बिरहोर के साथ बैठक की। बैठक में सुगियाही, बरवाही, गम्हरिया, आहर टोला के दर्जनों महिला पुरुष शामिल हुए। टीम के कनक लता, रेशमा, शुभी, दिव्य शिखा, जिला अधिवक्ता विकास दुबे ने लोगों को अपने अधिकार और कानून के जानकारी देते हुए बाल विवाह, घरेलू हिंसा से बचने के नियम और कानून बताए। बैठक में पंहुचे आहर टोला के लोगों ने बताया कि उनके टोला में एक भी चापाकल नहीं है। जिसे लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है। लोगों ने पेंशन, मातृ योजना, प्राइमर शिक्षा आदि की समस्या सुनाया। गांव के महिलाओं ने बताया कि अधिकतर पुरुष दूसरे प्रदेशों में बाहर मजदूरी करने जाते है। पैसा व गरीबी के अभाव में बच्चों को उच्च शिक्षा नहीं दिला पाते हैं। इन गांवों में मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। गांव में न शुद्ध पानी की व्यवस्था है और न शिक्षा की। आज भी लोग फटेहाल जिंदगी जीने को विवश हैं। संस्था के टीम ने लोगों को हक अधिकार के लिए, जागरूक किया। साथ ही उन्होंने बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। सभी को घरेलू हिंसा से बचने का उपाय बताया। इसके अलावा कानून के जानकारी दी गई। मौके सुगनी देवी, मनिया देवी, शहाबुदीन अंसारी, उपेंद्र नाथ पांडेय, इंदमानि कुंवर, प्रवंती देवी, तारो देवी, मुक्ति होरो, बिमला होरो आदि शामिल थे।

कोल लोक अदालत का 26 को किया जाएगा आयोजन

धनबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोयला कंपनियों से संबंधित विवादों के निपटारे के लिए पहली बार कोल लोक अदालत का आयोजन 26 नवंबर को सिविल कोर्ट धनबाद मे सुबह 11 बजे से करेगा। इसमें बीसीसीएल, सीसीएल व अन्य कोयला कंपनियों से संबंधित सभी विवादों का निपटारा किया जाएगा। विशेष कोयला लोक अदालत में बीसीसीएल व अन्य कंपनियों के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस बाबत प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश अरविंद कच्छप ने बताया कि कोयला कंपनियों से संबंधित सभी विवादों का निपटारा करने के लिए पहली बार धनबाद में कोल लोक अदालत लगाया जा रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह चेयरमैन डालसा के नेतृत्व में कोल कंपनियों के उच्चस्थ पदाधिकारियों के साथ कोल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए समीक्षा बैठक की जा रही है। न्यायाधीश कच्छप ने बताया कि कोयला व कोल कंपनी से संबंधित कोई भी पक्षकार जिनका कोई मामला हो अपने विवाद का विवरण डालसा ऑफिस में 20 नवंबर तक जमा करवा सकते हैं जिसका निपटारा 26 को होगा।

19 लोगों का शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की अनुशंसा

धनबाद। वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों का सत्यापन के बाद पता न चलने की स्थिति में शस्त्र लाइसेंस को निरस्त करने की अनुशंसा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अमित कुमार से की है। एसएसपी ने बताया कि ये शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी निर्धारित अवधि के दौरान न तो अपना पता सत्यापन करते तथा न ही अपने शस्त्र का सत्यापन कराने के लिए उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि इन 19 शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों का नाम व एड्रेस सत्यापन के बाद पता न चलने की स्थिति में जोगता, निरसा, बरवाअड्डा, सिंदरी, तोपचांची तथा लोयाबाद थानाक्षेत्र के 19 लोगों का लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त से की गई है।

भाजपा से बागी होकर निरसा से चुनाव लड़ेगी मुखिया अनीता गोराई

धनबाद/निरसा।भाजपा नेत्री सह मुखिया अनीता गोराई ने आज अपने आवास में बैठक कर कहा कि जिस पार्टी (भाजपा) में महिला की इज्जत न हो, महिला अपमानित होती हों, वैसे पार्टी के साथ जुड़े रहने का कोई औचित्य नहीं है।धनबाद जिला परिषद के अध्यक्ष रोबिन गोराई की पत्नी अनीता गोराई आहत भरे शब्दों में कही कि चुनाव तो हर हाल में लडूंगी लेकिन अब भाजपा के साथ नही रह सकती।साथ ही अनिता गोराई ने यह भी कहा कि भाजपा के ही नेताओं ने सोशल मीडिया पर हमारे लिए गन्दी और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया था। जिसकी शिकायत पार्टी के शीर्ष नेताओं से भी की लेकिन किसी ने भी महिला अपमान की बात नही सुनी।

अनुभवहीन चिकित्सकों को अस्पताल ड्यूटी से करें कार्यमुक्तः पत्रकार संगठन

वीपी के मरीज को भी रांची रेफर, स्वास्थ्य विभाग पर उठी सवाल

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के पलामू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में अनुभवहीन चिकित्सकों को अस्पताल से कार्यमुक्त करने की मांग झारखंड पत्रकार संगठन ने किया है। संगठन के प्रवक्ता अश्विनी घई ने शनिवार को जारी विज्ञप्ति में पलामू के सिविल सर्जन से मांग किया है कि अस्पताल में ड्यूटी के समय अनुभवहीन चिकित्सकों को कार्य पर नहीं लगाया जाए। उन्होंने कहा कि अनुभवहीन चिकित्सक मरीज को इलाज करने के बजाए भयभीत कर देते हैं ।श्री घई ने कहा कि इसका ताजा उदाहरण शनिवार की सुबह है। जहां ड्यूटी पर तैनात एक चिकित्सक ने झारखंड पत्रकार संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला के पिताजी को बिना ठीक ढंग से देखें रांची रेफर करने की सलाह दे दी बैठा। जबकि उन्हें मात्र ब्लड प्रेशर लो की शिकायत थी। बाद में स्थानीय दूसरे चिकित्सक के निजी क्लीनिक में उनका इलाज कराया गया। इलाज करने वाला डॉक्टर ने बताया कि भयभीत होने की आवश्यकता नहीं हैऔर, रांची ले जाने की आवश्यकता भी नहीं है। ज्ञातव्य हो कि कुछ दिन पूर्व भी वहीं चिकित्सक चैनपुर प्रखंड के एक महिला के बिच्छू काटने पर रांची रेफर कर दिया था। बाद में स्थानीय एक आयुर्वेदिक चिकित्सक ने दो घंटे में उस मरीज को ठीक कर दिया था। संगठन ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि जब पत्रकारों को ऐसी समस्या झेलनी पड़ती है तो आम नागरिकों को क्या हाल होगा। संगठन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसे चिकित्सकों को इमरजेंसी ड्यूटी में नहीं लगावें। संगठन इसकी शिकायत बहुत जल्द झारखंड के स्वास्थ्य सचिव से करेगा।

आरपी मोदी ने जैन स्कूल को 20 रनों से हराया

झुमरी तिलैया। केडीसीए के तत्वावधान में आयोजित प्रदीप छाबड़ा मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत रविवार को गुमो के झुमरिया टांड़ मैदान में दिगंबर जैन स्कूल और आरपी मोदी स्कूल के बीच मैच खेला गया। यह मैच 25-25 ओवर का था। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए आरपी मोदी स्कूल की टीम ने 128 रनों का लक्ष्य रखा। इसमें निलेश ने 32, आकाश ने 14 और मोनू ने 13 रन बनाए। दिगंबर जैन स्कूल की ओर से साहिल और रोनित ने दो-दो विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी दिगंबर जैन स्कूल की टीम 108 रनों पर आउट हो गई। इसमें हेमंत ने 34, रोहित ने 15 और साहिल ने 9 रन बनाए। आरपी मोदी की ओर से बॉलिंग करते हुए प्रेम ने 5 विकेट लिए। जबकि मोनू और नीलेश ने दो-दो विकेट चटकाए। आरपी मोदी के प्रेम कुमार को मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला जिसे केडीसीए के पदाधिकारियों ने एक बॉल देकर सम्मानित किया। अंपायर की भूमिका रहमत खान और धीरज पांडेय ने निभाई। जबकि स्कोरर के रूप में नीरज यादव थे। इसके पहले केडीसीए के सचिव दिनेश सिंह, भाजपा नेता त्रिवेणी पांडेय, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष दीनानाथ पांडेय, जैन स्कूल के प्राचार्य डीडी झा, रतनलाल पांडेय, प्रभाकर पांडेय और मनोज पांडेय ने खिलाड़ियों से हाथ मिला कर मैच का उद्घाटन किया। इस मौके पर डीडीसीए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, नागेश्वर राणा, सोनू खान, ओमप्रकाश, शेखर सुमन, अशोक दास गुप्ता, जैन स्कूल के प्रिंसिपल डीडी झा, अभिषेक जैन, केडीसीए के मनोज झा, कुंदन राणा, पवन सिंह, बिट्टू पांडेय, आलोक पांडेय, विवेक पांडेय, सूरज पांडेय, बबलू पांडेय धर्मेंद्र कौशिक, सौरभ सिन्हा, रवि कुमार, सूरज पांडेय के अलावा कई खेल प्रेमी मौजूद थे। अंत में आरपी मोदी स्कूल के खिलाड़ी प्रेम कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया जिसे केडीसीए के पदाधिकारियों ने 1 बॉल देकर सम्मानित किया। दूसरी ओर सीएचएस स्कूल के मैदान में विक्रमशिला विद्यापीठ और शिवतारा सरस्वती विद्या मंदिर के बीच खेले गए दूसरे मैच में शिव तारा सरस्वती विद्या मंदिर ने विक्रमशिला विद्यापीठ को 7 विकेट से पराजित किया। इसमें शिवतारा सरस्वती विद्या मंदिर के सागर कुमार को 6 विकेट लेने के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। यहां निर्णायक की भूमिका अजय राणा और हेमंत कुमार ने निभाई।

महागठबंधन प्रत्याशी डॉ. आरसी प्रसाद मेहता ने दर्जनो गाँव का किया दौरा

हर घर तक , विकास और बदलाव की आभा को पहुँचाना हमारा प्राथमिक लक्ष्यः डॉ. आरसी मेहता

हज़ारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी डॉ आरसी प्रसाद मेहता ने चुनावी क्षेत्र का दौरा किया । मेहता विधानसभा के सिंदूर, सियारी, कोलघट्टी, मंडईखुर्द, मंडईकलां, राणा मुहल्ला, सहित दर्जनों क्षेत्र में जाकर लोगों से मुलाकात किये । इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के मुखिया प्रतिनिधियों से मुलाक़ात कर विकास के मुद्दों पर विचार विमर्श किया । मेहता तूफानी दौरा करते हुए कांग्रेस, झामुमो और राजद के सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ झुरा, दारू बाजार, हरली कॉलेज मैदान आदि दर्जनो गाँव में जाकर लोगों को संबोधित किया । क्षेत्र में डॉ आरसी प्रसाद मेहता जहां भी गए लोगों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया और अपनी खुशी का इज़हार किया। लोगों ने मेहता को अपने समस्याओं से अवगत करवाया . मेहता के प्रति लोगों ने हर जगह से बदलाव की भावना को लेकर अपना अपार समर्थन दिखाया। जनसम्पर्क में डॉ आरसी मेहता ने कहा कि आपसे मिलने - जुलने का सफर जारी है। आपके प्यार से अभिभूत हूँ। हज़ारीबाग की माटी के प्यार ने मुझे ऊर्जा दी है । यह ऊर्जा आपकी सेवा और विकास में खर्च करूँगा । मेरे प्यारे साथियों, आप सबों के प्यार, समर्थन, विश्वास ने मुझे भावुक कर दिया है। सेवा, संकल्प के इस सफर में आप सबों के बीच पहुँचकर काफी कुछ समझ पा रहा हूँ । हजारीबाग को अब एक नई दिशा देने का वक्त आ गया है। यह दौर परिवर्तन का है । इतिहास लिखने का वक्त करीब है। हर घर तक , विकास और बदलाव की आभा को पहुँचाना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। आप सबों के प्यार का आकांक्षी हूँ। आपके प्यार से सुखद अनुभूति मिल रही है।इस दौरान कांग्रेस के विधानसभा प्रभारी रामलखन सिंह, प्रवक्ता साजिद अली, झामुमो के खलील अंसारी, जब्बार अंसारी, सुरेश पासवान, मो इलयास, मो वाशिम, रवि कुशवाहा, सुरेश पासवान, महेंद्र राम, गुंजन राणा, अशोक साव, मो मुमताज़, इकबाल अंसारी, मो साजिद, तालिब हुसैन, प्रखण्ड अध्यक्ष कैलाश पतिदेव, तुलसीदास कुशवाहा, अशोक प्रसाद, सती नारायण प्रसाद, सचिन कुमार, सहदेव यादव अनुतुल अंसारी, सुनील, लियाकत, उमेश आदि सैकड़ों लोग प्रत्याशी के साथ दौरा कर लोगों से जनसम्पर्क किया।

न्यूज गैलरी

जेवीएम से चुनाव लड़ने की अफवाहों का डॉ रविन्द्र राय ने किया खंडन

गिरिडीह। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ रविंद्र राय के जेबीएम से चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थी। इसको लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब बातें हो रही थी।लेकिन इस बात का खंडन करते हुवे डॉ राय ने कहा है कि राज्य का भविष्य बीजेपी में ही छिपा हुआ है। बीजेपी ही राज्य को सवांरने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि घर में कुछ कमियां हो जाए तो घर छोड़कर भागा नहीं जाता। बल्कि उसे संवारा जाता है। भारतीय जनता पार्टी राज्य का भविष्य हैं जिसके साथ हम खिलवाड़ नहीं कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि मैं बीजेपी में ही रहूंगा। पार्टी के हाइकमान से लगातार बातचीत जारी है और आगे जो भी करेंगे वह पार्टी के साथ बैठकर तय किया जाएगा। तत्काल वो विधानसभा का कोई चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं।

निर्दलीय प्रत्याशी मुमताज खान के साथ तेजी से जुड़ रहे हैं लोग

सगालीम (पलामू)। जिले के पांकी विधानसभा क्षेत्र में दिन प्रतिदिन राजनीति बदलती जा रही है। हर तरफ से पांकी विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी मुमताज अहमद खान को जनसमर्थन मिल रहा है। इसके साथ साथ कई पार्टी के कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर मुमताज खान के जनसंपर्क में जुट रहे हैं और जनता से मुमताज़ खान को कप प्लेट छाप पर वोट देने की अपील कर रहे है। वही पलामू जिला भाकपा माले के कार्यकर्ताओं ने आज पांकी विधानसभा में मुमताज खान को समर्थन कर दिया है। यह साफ़ दिख रहा है कि पांकी विधानसभा में राजनीति बदल रही है। मुमताज़ खान ने पांकी विधानसभा क्षेत्र के केकरगढ, बोरोदिरी हरतुआ, सीरम, लोहरसी, नौडीहा बहेरा, , डुमरी एवं मनातू के रहैया गांव समेत और कई गांवो का दौरा किया। इस दौरान जनसंपर्क में हर गांव से मुमताज खान को समर्थन प्राप्त हो रही है। जनसंपर्क में पांकी विधानसभा के युवाओं ने बाइक रैली निकाली। रैली में मुमताज खान जिंदाबाद, चुनाव चिन्ह कप प्लेट छाप जिंदाबाद एवं पांकी विधानसभा की जनता जिंदाबाद के नारे लगे। निर्दलीय प्रत्याशी मुमताज खान ने कहा है कि लोगों का मेरे प्रति जनसमर्थन देखकर ही विरोधियों का हालत खराब है. उन्होंने कहा कि पान्की की जनता बदलाव चाहती है, अगर बदलाव होगा, तभी विकास की गति पांकी में तेज होगी। उन्होंने कहा है कि भाजपा के राज में जनता बेरोजगार रह गए हैं. उन्होंने लोगों से वोट की अपील करते हुए कहा कि जीतने के बाद यहाँ के बेरोजगार युवाओ को रोजगार देंगे. उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा का तकदीर व तस्वीर बदलेंगे. उन्होंने कहा है कि पांकी में जो पहले नहीं हुआ है, वह हम करके दिखाएंगे। भाकपा माले के वरिष्ट नेता सरफ़राज़ आलम ने कहा है कि पांकी विधानसभा क्षेत्र से उठे भाजपा के प्रत्याशी ने भाकपा माले के प्रत्याशी का नामांकन रद्द करवाया है। उन्होंने कहा है कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में एक तरफ नागराज है तो दूसरी ओर सांप नाग खड़े हैं। सरफराज आलम निकाय की रघुवर सरकार से जनता त्राहिमाम है भाजपा पांकी में ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया है जो शिक्षा का धंधा करता है, वह शिक्षा का माफ़िया है. उन्होंने कहा है कि इसी कारण भाकपा माले ने निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन किए हैं. मुमताज खान क्षेत्र में रोजगार लाएंगे। उन्होंने कहा है कि पांकी के नौजवान पंजाब और हरियाणा जाकर काम करते हैं, इनके जीतने पर उन लोगों को रोजगार मिलेगा। जनसपंर्क अभीयान में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

पूर्व मुखिया ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी गिरीडीह विधानसभा के प्रधान चुनाव कार्यालय में भाजपा प्रत्याशी निर्भय कुमार शाहाबादी के समक्ष सिरसिया पंचायत के पूर्व मुखिया फूल देवी अपने दर्जनों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर मुखिया फूल देवी ने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी के नीति सिद्धांत और उनके कार्यों के प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की हूँ।कहा कि जिस तरह भाजपा सरकार ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए और घर घर शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, आवास, उज्वला के तहत गैस, जैसी योजनाओं को लाया वह काबिले तारीफ है। आज से मैं भारतीय जनता पार्टी की एक प्रमुख सदस्य के रूप में और सिपाही के रूप में कार्य करूंगी और मेरी सारी ताकत भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी निर्भय कुमार शाहाबादी को भारी बहुमत के साथ जलाकर विधानसभा में पहुंचाने का काम करूंगी।इस अवसर पर गिरीडीह विधानसभा के संयोजक देवराज , हरिदास,गोपाल विश्वकर्मा ,दीपक स्वर्णकार ,दीपक शर्मा, शिवपूजन ठाकुर,अनिल मिश्रा, करण सिंह, सतीश सिंह,अशोक राम ,शंकर साव ,मिंटू राम, रानी देवी, लक्ष्मी देवी,नूतन देवी, मानिक सिंह, सपन कुमार दुबे,सुरेश सोनकर सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जलसहिया प्रांतीय महाजन पंचायत का आयोजन किया गया

गिरिडीह। जलसहिया कर्मचारी संघ गिरिडीह शाखा की और से रविवार को शहर के मोहलीचुंवा स्थित किरण पब्लिक स्कूल में जलसहिया प्रांतीय महाजन पंचायत का आयोजन किया गया। इस पंचायत में जलसहियाओं के निशाने पर सूबे की रघुवर दास सरकार ही रही। जन पंचायत में राज्य के कई जिलों की जलसहियाएं शामिल हुई।मौके पर जन पंचायत को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता अशोक सिंह ने कहा कि जलसहियाओं की सात सूत्री मांग पूर तरह से उचित है। रघुवर सरकार लगातार जलसहियाओं की मांग को दरकिनार कर कभी उनके प्रदर्शन के दौरान लाठी चलाती है। तो कभी भला-बुरा कहती है। कहा कि इस चुनाव में राज्य की जलसहिया अब सूबे के रघुवर दास की सरकार को सत्ता से उखाड़ फेकेंगी। इसी नारे के साथ जलसहिया आंदोलन कर रही है। रघुवर दास की सरकार को कर्मचारी विरोधी बताते हुए कहा कि सत्ता में आने से पहले रघुवर सरकार ने जलसहियाओं के नियमित करने का वादा किया था। जिसे पूरा करने में सरकार विफल रही। इस दौरान जन पंचायत को कर्मचारी नेता जलसहिया कर्मचारी संघ के राज्याध्यक्ष एतवारी महतो, राज्य महामंत्री गायत्री देवी के अलावे रघुनंदन विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया। जबकि जन पंचायत में रुपलाल महतो समेत काफी संख्या में राज्य के अलग-अलग जिलों से आई जलसहिया मौजूद थी।

भाजपा सरकार के प्रयास से हर घर दिखने लगा है विकास: अन्नपूर्णा

बेरमो/फुसरो। भाजपा के कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने रविवार को करगली फुटबॉल ग्रांउण्ड मे बेरमो विधानसभा स्तरीय लाभर्थी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार के प्रयास से झारखंड सहित देश के सभी राज्यों के हर घर मे विकास दिखने लगा है। सरकार के द्वारा सभी विकास योजनाओं का लाभ सभी लाभर्थी तक पुरा का पुरा पहुँच रहा है।बेटी बचाओ बेटी पढाओ का नारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया।जिसके कारण आज देश के ही नही विदेशो मे विदेशो मे भी बेटियां भारत का नाम रौशन कर रही हैं।

16 वी लोकसभा के सांसद रविन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री के जनधन योजना के देश के शत प्रतिशत घर के मुखिया का खाता बैकों मे खुल गया है। पहले खाता खोलने के लिए काफी जदो जहद करनी पड़ती थी। जल्द गारन्टर नहीं मिलता था। भाजपा सरकार के द्वारा देश मे पहली बार आम लोगों के चिकित्सा के लिए आयुष्मान कार्ड जारी किया गया है। जिसमे 5 लाख तक का इलाज मुक्त होता है। बेरमो विधायक योगेश्वर महतो बाटुल ने सबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने घर घर शौचालय का निर्माण कराकर तथा गैस चूल्हा पहुँचा कर महिलाओं का सम्मान सुरक्षा और प्रतिष्ठा बढाया है। उन्होंने कहा बहुत काम हुआ है और बहुत काम करने है। सबका विकास करना है, सब को साथ लेकर चलना है। और सबका विश्वास प्राप्त करना है।कार्यक्रम की अध्यक्षता बिनोद महतो संचालन भाई प्रमोद ने किया।

मौके पर पर सह प्रभारी सत्येन्द्र सिंह, छोटेलाल यादव, डॉ प्रहलाद वर्णवाल, मधुसूदन प्रसाद सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष लीला देवी, प्रखंड प्रमुख गिरजा देवी, श्रवण सिंह, भरत यादव, विनय सिंह, संजय प्रसाद, चन्द्रशेखर महथा, अर्चना सिंह, धनेश्वर महतो, टीनू सिंह, जितेंद्र सिंह, रमेश स्वणकार, महेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

बोकारो। जिले के शहरी मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के प्रयासों के तहत् पुलिस अधीक्षक श्री पी.मुरूगन एवं वरीय नोडल पदाधिकारी -सह- उप विकास आयुक्त श्री रविरंजन मिश्रा ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मोटर साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिला प्रशासन के पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों सहित स्टेक होल्डरों द्वारा आयोजित यह रैली समाहरणालय परिसर से शुरू होकर सर्किट हाउस, सेक्टर-2/सी, गुरूद्वारा, मुख्य डाक घर, सेक्टर-3 हनुमान मंदिर, बोकारो मॉल, सिटी सेन्टर, लक्ष्मी मार्केट, सेक्टर 5 स्थित सब्जी बाजार, चिन्मया विद्यालय व बोकारो निवास से होते हुए पुस्तकालय मैंदान में आकर समाप्त हुआ। इस रैली के दौरान पथिकों को पहले मतदान फिर जलपान, सब काम छोड़ दुंगा, सबसे पहले मतदान करूंगा, जैसे नारे लगा कर वोट डालने की अपील की गई। रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के दौरान डीपीएलआर श्री पशुपति नाथ मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी चास श्री विजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री राहुल कुमार भारती, पुलिस उपाधीक्षक नगर श्री ज्ञानरंजन सहित अन्य उपस्थित थे।

आज करेंगे नामांकन राजेन्द्र प्रसाद सिंह

बेरमो। बेरमो विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र प्रसाद सिंह आगामी 18 नवंबर को अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। बेरमो अनुमंडल मुख्यालय तेनुघाट में सिंह अपने समर्थकों संग नामांकन करेंगे जायेंगे. राजेन्द्र सिंह को कांग्रेस ने आठवीं बार प्रत्याशी बनाया है। इनमें पांच बार जीत मिली है तो दो बार हार का मुंह देखना पड़ा है। श्री सिंह बिहार व झारखंड में भी मंत्री रह चुके हैं। बताते चलें की कांग्रेस के बेरमो विधानसभा प्रत्याशी के रूप में युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कुमार जयमंगल सिंह की चर्चा जोरों पर थी. लेकिन पार्टी आलाकमान ने अंततः राजेंद्र प्रसाद सिंह को ही टिकट दिया. तीसरे चरण में 12 दिसंबर को मतदान होगा। नामांकन संबंधी जानकारी सिंह के निजी सचिव मिथिलेश तिवारी ने दी।

पलामू प्रमंडल में भाजपा से बागी बिगाड़ सकते है खेल

चंद्रदेव प्रजापति

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव के वास्ते सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति के पटल पर जिस प्रकार की चुनावी बिसात बिछायी है, उससे उसे दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। एक तरफ भाजपा को जहां अपने राजनीतिक विरोधियों का सामना करना पड़ेगा, वहीं दूसरी ओर उसे अपनों से भी दो-दो हाथ करना 'पड़' सकता है। पलामू प्रमंडल की नौ सहित कुल 13 सीटों पर पहले चरण में 30 नवंबर को मतदान होना है। लेकिन प्रमंडल की पांच सीटों पर भाजपा के चार बागी चुनाव मैदान में हैं। कमल के लिए उसके बागी राह में कांटे अटका सकते हैं। छतरपुर विधानसभा के निवर्तमान भाजपा विधायक राधाकृष्ण किशोर को इस बार पार्टी उन्हें टिकट काट दिया। राधाकृष्ण किशोर के जगह भाजपा ने पुष्पा देवी पति मनोज भुइयां को टिकट देकर प्रत्याशी बनाया है। टिकट कटने के बाद छतरपुर विधायक राधाकृष्ण किशोर ने भाजपा से बागी होकर आजसू के टिकट से चुनाव लड़ रहे हैं। वे छतरपुर विधानसभा में छक्का लगाने के तैयारी में लगे हुए हैं। राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि टिकट उन्हें क्यों नहीं दिया गया यह सोचने वाली बात है। एक सवाल के जबाव में कहा कि पहले वे फूल में थे अब फल में आ गए हैं। सुदेश के नेतृत्व में छतरपुर विधानसभा का विकास करेंगे। डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के भाजपा का प्रबल दावेदार संजय सिंह को टिकट नहीं मिलने पर वे भाजपा से बागी होकर निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर आए हैं। संजय सिंह ने बताया कि भाजपा ने उनके साथ धोखा देने का काम किया है। जनता के विकास के लिए वे चुनाव मैदान में आए हैं। हुसैनाबाद विधानसभा में भाजपा ने आजसू के लिए छोड़ दिया था। मगर आजसू - भाजपा के गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने हुसैनाबाद के निर्दलीय प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह का समर्थन देने की घोषणा कर दिया है। विनोद कुमार सिंह के समर्थन के लिए प्रफुल्ल कुमार सिंह ने अपना नाम वापस ले लिया है। हुसैनाबाद विधानसभा से आजसू से निवर्तमान विधायक शिवपूजन मेहता चुनाव मैदान में है। वे आजसू से दुबारा चुनाव जीतने के लिए पूरे दमखम लगा रहे हैं। इसी तरह लातेहार में बीजेपी ने प्रकाश राम को उम्मीदवार घोषित कर चुनाव लड़ा रहा है। भाजपा के कद्दावर नेता बैजनाथ राम पार्टी से बागी होकर झामुमो के टिकट से चुनाव लड़ रहे हैं। बागी नेता बीजेपी के खेल बिगाड़ सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा।

ऑल इंडिया मजलिस -ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआइएमआइएम का हजारीबाग पगमिल मे कार्यलय उद्घघाटन

हजारीबाग। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआइएमआइएम का हजारीबाग पगमिल मे कार्यलय उद्घघाटन किया गया। इस मौके पर मजलिस से जुड़े सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यलय उद्घाटन के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर पार्टी से जुड़े सभी प्रखंडों के महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए 7आईएमआईएम के हज़ारीबाग सदर विधानसभा प्रत्याशी नदीम खान ने कहा कि हमें हजारीबाग में मजलिस को मजबूत कर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी साहब के हाथों को मजबूत करना है। और विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर अलग इतिहास रचना है इस अवसर पर सुल्ताना हरहद डामोडीह ढेंगुरा, कोलघट्टी, खुटरा आदि जगहों से लोग शामिल हुए। कार्यकर्ता सम्मेलन में खासतौर पर शबनम ताहिर असगरी अंजुम समरीन निशा निसार अहमद, अफ़ज़ल अंसारी, रेयाज़ अंसारी, मो अकील, मो शेखावत, मों कुतुबुद्दीन आदि सदस्य शामिल हुए।

भाजपा के कद्दावर नेता सह पूर्व प्रत्याशी मुकेश सिंह चंदेल ने कांग्रेस को दिया समर्थन

पांकी में राजनीतिक समीकरण तेज, जनता के लुभाने में जुटे प्रत्याशी

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सबसे हॉट सीट माने जाने वाले पांकी विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी इन दिनों तेज हो गई है। एक दल से दूसरे दल में आने - जाने वाले नेता का भी सिलसिला शुरू हो गया है। पांकी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के कद्दावर नेता सह पूर्व प्रत्याशी मुकेश सिंह चंदेल ने रविवार को कांग्रेस प्रत्याशी बिट्टू सिंह के समर्थन कर दिया। मुकेश सिंह चंदेल पांकी विधानसभा क्षेत्र के प्रबल भाजपा के उम्मीदवार थे। वे पिछले कई सालों से पार्टी की सेवा करते आ रहे हैं। लेकिन भाजपा उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया समझा। इस बार उन्हें भाजपा से प्रत्याशी नहीं मिलने से नाराज होकर कांग्रेस प्रत्याशी सह निवर्तमान विधायक बिट्टू सिंह के समर्थन देने का ऐलान कर दिया। विधायक सह कांग्रेस प्रत्याशी बिट्टू सिंह ने माला बनाकर भाजपा के कद्दावर नेता मुकेश सिंह चंदेल को स्वागत किया। वही मुकेश सिंह चंदेल ने भी कांग्रेस प्रत्याशी को माला पहनाकर सम्मानित किया। भाजपा के कद्दावर नेता माने जाने वाले मुकेश सिंह चंदेल को कांग्रेस में जाने के बाद भाजपा को एक बड़ा झटका लगा है। मुकेश सिंह चंदेल ने बताया कि वे पार्टी के लिए पिछले कई वर्षों से लगातार संघर्ष करते आ रहे हैं। लेकिन पार्टी उन्हें हमेशा उपेक्षा करती रही। कहां की पार्टी विरोधी नहीं है। लेकिन जिस तरह पांकी विधानसभा क्षेत्र में जनता का रुझान मिल रही है उन्हें साथ देने से कोई गलती नहीं है। वही विधायक सह कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ बिट्टू सिंह ने कहा कि जनता का अपार जन समर्थन उन्हें मिल रहा है। यही कारण है कि अन्य दलों टूट कर कांग्रेस के साथ देने के लिए उनके साथ आ रहे हैं। कहां की मुकेश सिंह चंदेल उनके पुराने नेता है। उन्हें आने के बाद जन समर्थन और बढ़ गया है।

सगालीम में खोला गया कांग्रेस का कार्यालय

पांकी विधानसभा क्षेत्र के सगालीम बस स्टैंड में रविवार को कांग्रेस का कार्यालय खोला गया। कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र कुमार सिंह ने फीता काटकर कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय खुलने से कार्यकर्ताओं को काफी सुविधा होगी। मौके पर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य युवा समाजसेवी परमेंद्र कुमार प्रजापति, सुधीर श्रीवास्तव, ननदेव बैठा समेत काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

पेड न्यूज़, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर रहेगी एमसीएमसी की नजर

प्रतिदिन की जाएगी पेड न्यूज़ की मॉनिटरिंग

मुद्रक, प्रकाशक को मुद्रण सामग्री में देना होगा नाम और पूरा पता

धनबाद। विधानसभा चुनाव 2019 के लिए गठित **मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी** (एमसीएमसी) की आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री अमित कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में प्रकाशित या प्रसारित विज्ञापन को उम्मीदवार के चुनावी खर्च में शामिल किया जाएगा। पेइड न्यूज़ पर उम्मीदवार को नोटिस जारी किया जाएगा और पूछा जाएगा कि क्यों नहीं इसे उनके चुनावी खर्च में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा विज्ञापनों के प्रकाशन और प्रसारण के लिए उम्मीदवार की सहमति अनिवार्य होगी। इसका उल्लंघन करने पर प्रकाशन या प्रसारण करने वाले मीडिया पर आईपीसी की धारा 171 **एच** के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसकी निगरानी भी एमसीएमसी करेंगी। समिति द्वारा चुनाव प्रचार के लिए मुद्रित पेंप्लेट, पोस्टर, हैंड बिल तथा अन्य सामग्री पर भी नजर रहेगी। इन सामग्रियों पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम एवं पूरा पता होना अनिवार्य रहेगा। साथ ही ऐसे विज्ञापन को अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सर्टिफाइड किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि फेसबुक, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इंस्टाग्राम इत्यादि सोशल मीडिया पर चलने वाले चुनाव अभियान पर कमिटी की विशेष नजर रहेगी। साथ ही समाचार पत्रों के ई-पेपर संस्करण पर प्रकाशित होने वाले चुनावी विज्ञापनों पर भी कमेटी नजर रखेगी। समीक्षा बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अमित कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राज महेश्वरम, उप निर्वाचन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार पाण्डेय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ईशा खंडेलवाल, सदस्य बीआईटी सिंदरी के प्रोफेसर सुभाष चन्द्र दत्ता, प्रसार भारती के ए.पी. सिंह, संजीव कुमार झा उपस्थित थे।

महिला थाना में मछली मुहल्ला के मो0 हसनैन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज

पीड़िता के आवेदन पर जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह। महिला थाना में रविवार को दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने महिला थाना को दिए गए आवेदन में मछली मुहल्ला के मो. हसनैन पर आरोप लगाते हुए कहा कि चार साल पहले हसनैन उसके घर में जबरन घुसकर दुष्कर्म किया। जिस वक्त आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। उस वक्त पीड़िता घर पर अकेली थी, घटना का विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता से शादी करने की बात कही। लिहाजा, शादी का प्रलोभन देकर ही आरोपी हसनैन ने पीड़िता का लगातार यौन शोषण करते रहे। इस दौरान पीड़िता ने जब हसनैन पर शादी का दबाव डाला, तो आरोपी हसनैन टालमटोल करता रहा।

योन शोषण की शिकार पीड़िता ने परिजनों के समझाने पर की थी शादी

इस बीच घटना की जानकारी पीड़िता के परिजनों को होने के बाद मां-पिता ने पीड़ित बेटी को समझाया कि हसनैन उससे शादी नहीं करेगा। पिता के समझाने पर पीड़िता कोलडीहा में शादी के लिए तैयार हो गई। ससुराल में रहते हुए पीड़िता ने बेटी को जन्म दिया। इसके बाद आरोपी हसनैन एक बार फिर उसके ससुराल तक पहुंच गया और शादी के बाद पीड़िता के साथ दुबारा दुष्कर्म का प्रयास किया। इस दौरान पीड़िता ने जब आरोपी का विरोध करने लगी, तो इसी बीच उसका पति भी आ गया। पति के आने से आरोपी तो किसी तरह फरार होने में सफल रहा। लेकिन पति उसे मायके छोड़कर उसे तलाक दे दिया। जिससे गुस्सा कर पीड़िता आरोपी हसनैन के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराने की बात कह रही है।

पंचायत में आरोपी के भाई ने शादी कराने से किया इंकार

हालांकि जानकारी मिलने के बाद हसनैन उससे दुबारा शादी करने की बात कही। लेकिन इस बार पीड़िता नहीं मानी। मामले को लेकर मुहल्ले में पंचायत हुई। जिसमें आरोपी के बड़े भाई ने हसनैन की शादी पीड़िता के साथ करने से इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रविवार को महिला थाना में केस दर्ज कराया। जिसमें महिला थाना पुलिस ने पीड़िता के आवेदन पर थाना कांड संख्या 25/19 दर्ज करते हुए मामले की जांच में जुट गई है। इधर केस दर्ज होने के बाद आरोपी हसनैन फरार बताया जा रहा है।

भाजपा में नहीं मिल रही है महिला को इज्जत होती है अपमानित वैसे पार्टी से जुड़े रहने का कोई औचित्य नही: अनीता गोराई

भाजपा से बागी होकर निरसा से चुनाव लड़ेगी मुखिया अनीता गोराई

धनबाद/निरसा। भाजपा नेत्री सह मुखिया अनीता गोराईं ने आज अपने आवास में बैठक कर कहा कि जिस पार्टी (भाजपा) में महिला की इज्जत न हो, महिला अपमानित होती हों, वैसे पार्टी के साथ जुड़े रहने का कोई औचित्य नहीं है।धनबाद जिला परिषद के अध्यक्ष रोबिन गोराईं की पत्नी अनीता गोराईं आहत भरे शब्दों में कही कि चुनाव तो हर हाल में लड़ूंगी लेकिन अब भाजपा के साथ नही रह सकती।साथ ही अनिता गोराईं ने यह भी कहा कि भाजपा के ही नेताओं ने सोशल मीडिया पर हमारे लिए गन्दी और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया था। जिसकी शिकायत पार्टी के शीर्ष नेताओं से भी की लेकिन किसी ने भी महिला अपमान की बात नही सुनी।उन्होंने कहा कि लोक सभा चुनाव में मैं ओर हमारे पति ने भाजपा प्रत्याशी के लिए दिन रात कड़ी मेहनत कि। सदस्यता अभियान में हम दोनो ने 21 हजार सदस्य बनाया। लेकिन पार्टी ने हमे क्या दिया।वही अनीता गिराई ने अपने समर्थकों के साथ बैठक में निर्णय लिया कि चुनाव तो हर हाल में लड़ूंगी ,लेकिन किस पार्टी से चुनाव लड़ूंगी ये निर्णय सोमवार को भजपा से इस्तीफा देने के बाद लुंगी।

संपादकीय

बच्चों को पालना, उन्हें अच्छे व्यवहार की शिक्षा देना भी सेवाकार्य है, क्योंकि यह उनका जीवन सुखी बनाता है।

कहां ले आई नोटबंदी

नोटबंदी की घोषणा को आज तीन साल पूरे हो रहे हैं। वर्ष 2016 में आज की ही रात से 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए गए थे। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल का यह सबसे विवादास्पद कदम माना जाता है, जिस पर आज भी बहस जारी है। कहा जा रहा है कि अर्थव्यवस्था की मौजूदा हालत काफी हद तक विमुद्रीकरण की ही देन है। सरकार का दावा था कि यह कदम उसने काला धन, जाली नोट, आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के लिए उठाया था, जिसमें उसे पूर्ण सफलता मिली। इससे इकॉनमी पारदर्शी हो गई। न सिर्फ देश में डिजिटल ट्रांजेक्शन को इससे बढ़ावा मिला, बल्कि बड़े पैमाने पर ब्लैक मनी को मार्केट से बाहर करने में भी मदद मिली। इसके कारण टैक्सपेयर्स की संख्या बढ़ी जिससे सरकार के राजस्व में इजाफा हुआ। दूसरी तरफ विपक्ष और कई स्थापित अर्थशास्त्रियों ने इसकी कड़ी आलोचना की। इनका कहना है कि नोटबंदी से छोटे कारोबारियों का धंधा चौपट हो गया और वे बेरोजगार हो गए। इस तरह एक बड़े तबके की क्रयशक्ति घटने से अर्थव्यवस्था में मांग गिरने का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह आज तक जारी है। पूरा रीयल्टी सेक्टर ही इसके चलते बैठ गया और अपने घर में रहने का लाखों लोगों का सपना टूट गया। बहरहाल, दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं और दोनों के कुछ-कुछ दावे प्रत्यक्ष अनुभव में भी झलकते हैं। लेकिन हाल में आई एक रिपोर्ट ने एक नई चिंता पैदा की है। नैशनल अकाउंट स्टैटिस्टिक्स (एनएएस) के ताजा आंकड़ों में सामने आया है कि लोगों ने बैंकों में पैसा जमा करने का रुझान छोड़कर नकदी घर में रखना शुरू कर दिया है। वर्ष 2011-12 से लेकर 2015-16 तक, यानी नोटबंदी के ठीक पहले घरों में जमा नकदी बाजार में चल रही कुल करेंसी का 9 से 12 फीसदी थी लेकिन वर्ष 2017-18 में ही यह 26 प्रतिशत तक पहुंच गई। अपने पैसे का लाभकारी निवेश करने या उसको किसी बैंक में जमा करने के बजाय घर में कैश रखना बहुत बुरा संकेत है और स्लोडाउन की यह एक बड़ी वजह है। अच्छी बात यह है कि सरकार अपने तरीके से आर्थिक सुस्ती भगाने के कुछ गंभीर उपाय भी कर रही है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई क्षेत्र और कई छोटे-मंझोले शहरों में अटकी पड़ी 1600 से अधिक आवासीय परियोजनाओं का काम पूरा करने के लिए 25 हजार करोड़ रुपये की आरंभिक राशि के साथ उसने एक वैकल्पिक निवेश कोष बनाने का फैसला किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार जो परियोजनाएं गैर-निष्पादित परिसंपत्ति घोषित हो चुकी हैं या राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण के पास लंबित हैं, लेकिन अभी दिवालिया घोषित नहीं हुई हैं, वे भी इससे लाभान्वित हो सकती हैं, बशर्ते परियोजना के अधूरे काम का नेटवर्थ धनात्मक हो। यानी उससे आने वाला रिटर्न उसे पूरा करने की लागत से अधिक हो।

छिपे हुए संकेत

छोटे से छोटे चुनाव भी अब देश की राजनीति के सूचकांक की तरह लिए जाने लगे हैं, इसलिए आज के सियासी परिदृश्य में महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव नतीजों के महत्व को अलग से रेखांकित करना जरूरी है। सबसे पहले तो इन नतीजों ने यह साबित किया है कि भारतीय जनतंत्र का मौजूदा दौर एकपक्षीय नहीं है। जनता की अपनी जमीनी कसौटियां हैं, जिन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज करके किसी विचार या व्यक्तित्व को ताड़ पर नहीं चढ़ाया जा सकता, भले ही वह कितना भी पवित्र और महान क्यों न हो। बीजेपी पिछले कुछ समय से देश भर में खुद को अपरिहार्य जैसा बताने की कोशिश कर रही थी। इन चुनावों में भी उसे मुंह की नहीं खानी पड़ी है, लेकिन कुछ झटका जरूर लगा है। उसकी सत्ता भले ही बची रह गई हो पर ताकत घट गई है। हरियाणा में वह बहुमत से दूर रही और महाराष्ट्र में अपनी सहयोगी शिवसेना पर काफी ज्यादा निर्भर हो गई है। इससे संदेश यही निकलता है कि रोजी-रोजगार, महंगाई और शोषण के मसलों को राष्ट्रीय मुद्दों से ढका नहीं जा सकता। बीजेपी को समझना होगा कि राष्ट्रीय स्तर पर उसकी नींव राज्यों में बेहतर प्रशासन से ही मजबूत रहेगी। महाराष्ट्र को लें तो उसके कुछ हिस्सों में पिछले कई सालों से लगातार फसलें खराब हो रही हैं और कर्ज माफी का लाभ किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा। विदर्भ क्षेत्र में कोशिशों के बावजूद किसानों की आत्महत्याएं नहीं रुकीं। सेंटर फॉर द मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकॉनमी की पिछले महीने की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हरियाणा में बेरोजगारी की दर पूरे देश से ज्यादा, 28.7 फीसद है। कृषि उपजों की कीमतें वहां पिछले दो साल से लगातार गिर रही हैं जिससे किसान परेशान हैं। गुड़गांव जैसे प्रमुख आर्थिक केंद्र में काफी लोग नौकरी से निकाले गए हैं। जाहिर है, जनता ने वोट करते समय इन मुद्दों को ध्यान में रखा। विपक्ष के बंटे होने, कमजोर होने के बाद भी लोगों ने उसे अपना समर्थन दिया तो यह बात का संकेत है कि अपनी बेहतरी के लिए वे कोई भी विकल्प आजमाने को तैयार हैं। भारतीय लोकतंत्र का वैविध्य भी इसी कारण बचा हुआ है। विभिन्न सामाजिक समूह और समुदाय अपने भीतर भी नए विकल्प तलाश रहे हैं। हरियाणा में देवीलाल के समर्थकों ने उनकी चौथी पीढ़ी पर भरोसा जताया, इसलिए उनके पड़पोते दुष्यंत चौटाला को अपेक्षा से ज्यादा सीटें मिलीं। इसी तरह मराठा समुदाय के समर्थन के बूते एनसीपी में नई जान पड़ी है। दरअसल शरद पवार के परिवार पर ईडी का प्रहार मराठा समाज को नागवार गुजरा। एक निष्कर्ष यह है कि क्षेत्रीय पार्टियां फिर मजबूत हो रही हैं और वे आगे अजेंडा तय कर सकती हैं। कांग्रेस नेतृत्व को समझना होगा कि छोटे-मोटे स्वार्थों से ऊपर उठकर उनकी पार्टी अगर जमीन पर जनता के मसलों के साथ खड़ी हो तो लोग अब भी उसके साथ चलने को तैयार हैं।

ये सब दूध पीने वाले मजनू हैं, लैला के लिए खून देने वाला कोई नहीं

"जो किसी मिशन के लिए पूर्णतः समर्पित होता है वह न तो किसी मौके का इंतजार करता है और न ही प्राणों की परवाह। पंजाबी सूबे के लिए दर्शन सिंह फेरुमन और तेलंगाना के लिए रामुलू ने भूख हड़ताल करके प्राण दे दिए। लेकिन आडवाणी जी और उनकी टीम वाले साफ-साफ जिम्मेदारी लेने से कतराते हैं क्योंकि उनकी आस्था सच्चे भक्त वाली नहीं है। ये सब दूध पीने वाले मजनू हैं। लैला के लिए खून देने वाला कोई नहीं है। हमने कहा- तो क्या इसी को तेरा स्टेटमेंट मान लें? बोला- मान ले। मुझे कौन-सा कहीं का राज्यपाल बनना है या विश्व हिंदी सम्मेलन में सरकारी खर्चे पर सैर-सपाटा करना है। जो झूठ बोलते हैं उन्हें जिक्र होनी चाहिए कि ऊपर जाकर रामजी को क्या जवाब देंगे?"

जब अयोध्या वाले मामले का फैसला आया तो भोपाल में थे, 04 नवंबर से 10 नवंबर 2019 तक आयोजित 'विश्व-रंग' कार्यक्रम में, और वॉट्सऐप के विद्वान निरंतर बिना पूछे ही रनिंग कॉमेंट्री सुना रहे थे। यह बात और है कि जहां कुछ लोग दुनिया को एक ही रंग में रंगना चाहते हैं वहां कुछ ऐसे लोग भी हैं जो सारी वर्जनाओं और कुंठाओं को लांघकर दुनिया के विविध रंगों को संजोना चाहते हैं। 'विश्व-रंग' ऐसा ही एक आयोजन था। हमें तो इस फैसले की तारीख का भी ध्यान नहीं था क्योंकि हम राम से तो जुड़े हैं लेकिन राम और राम-मंदिर की राजनीति से जुड़े हुए कभी नहीं रहे।

सुबह जल्दी उठ जाने की आदत है इसलिए अखबार वाले को भोपाल के पलाश रेसिडेंसी के गेट पर ही, जहां हमें ठहराया गया था, पकड़ लिया। वैसे फैसले का हमें पहले से ही पता था। सभी जानते हैं कि नेता का धर्म केवल कुर्सी होता है, कुछ भी करके बस, कुर्सी मिलनी चाहिए। किसी भी चतुर आदमी का राम से बिलकुल भी संबंध नहीं होता क्योंकि राम का धर्म बहुत कठिन और कष्टकारक होता है-

बहुत कठिन है धर्म राम का
बन-बन पड़े भटकना, भगतो।

अखबार देखा, पूरा फ्रंट पेज राममय। हमारा तो पेट फूलने लगा। क्या करें तोताराम सात सौ किलोमीटर दूर। सत्ता में होते तो मोदी जी की तरह टेलिकॉन्फ्रेंस के द्वारा तोताराम से आमने-सामने बात कर लेते। फोन में भी इतना बैलंस नहीं कि दिल खोलकर बात की जा सके।

जयपुर-सीकर वाली बस से उतरकर सीधे तोताराम के घर पहुंचे। तोताराम घर के सामने ही मिल गया, बोला- मैं तो तेरे यहां आ रहा था। खैर, कोई बात नहीं। तोताराम गुनगुना पानी ले आया। मुंह धोया तब तक तोताराम की पत्नी मैना चाय ले आई।

हमने कहा- तोताराम, हमने भोपाल में 'नवभारत' में सर्वोच्च न्यायलय के फैसले के बारे में कई लोगों के स्टेटमेंट पड़े लेकिन तेरा स्टेटमेंट कहीं नहीं दिखा। तेरा पिछले साठ वर्षों से रामचरित मानस का लगातार 'मास-पारायण' करना व्यर्थ गया। बोला- मैं तो राम को उनकी मानवता और मर्यादा के कारण चाहता हूं। मेरा मंदिर की राजनीति के क्या लेना-देना? वैसे भी मेरा स्टेटमेंट आदिकालीन है जबकि आजकल कई तरह के लच्छेदार, कलात्मक और दबावी स्टेटमेंट बाजार में आ रहे हैं। हम जैसों के स्टेटमेंट को कौन पूछता है? नोटबंदी के दौरान जो लोग मारे गए उनकी कौन सुनता है? मीडियावाले तो मोदी जी और जेटली जी से पूछते हैं कि उनके इस क्रांतिकारी कदम से कितने आतंकवादियों की कमर टूट गई।

हमने कहा- तो तेरे कहने का मतलब यह है कि तू ही राम का सच्चा भक्त है। मोदी जी, आडवाणी जी, मुरली मनोहर जोशी राम के आदर्शों के अनुयायी नहीं हैं? राम के भक्त नहीं हैं?

बोला- मुझे क्या पता। इस आडम्बरी समय में कौन सच बोलता है? अपने मन का पाप वे जानें। वैसे आडवाणी जी ने तो राम-रथ-यात्रा के समय स्पष्ट बता दिया था कि उनके लिए राम मंदिर कैसा मुद्दा है। तभी तो राम के नाम पर 2 से 282 और अब 333 हो गए। यदि राजीव गांधी हिन्दुओं की आस्था का सम्मान करते हुए अपने आप ही राम मंदिर का ताला न खुलवाते तो आडवाणी जी को राम कहां याद आ रहे थे?

जो किसी मिशन के लिए पूर्णतः समर्पित होता है वह न तो किसी मौके का इंतजार करता है और न ही प्राणों की परवाह। पंजाबी सूबे के लिए दर्शन सिंह फेरूमन और तेलंगाना के लिए रामुलू ने भूख हड़ताल करके प्राण दे दिए। लेकिन आडवाणी जी और उनकी टीम वाले साफ-साफ जिम्मेदारी लेने से कतराते हैं क्योंकि उनकी आस्था सच्चे भक्त वाली नहीं है। ये सब दूध पीने वाले मजनू हैं। लैला के लिए खून देने वाला कोई नहीं है।

हमने कहा- तो क्या इसी को तेरा स्टेटमेंट मान लें?

बोला- मान ले। मुझे कौन-सा कहीं का राज्यपाल बनना है या विश्व हिंदी सम्मेलन में सरकारी खर्चे पर सैर-सपाटा करना है। जो झूठ बोलते हैं उन्हें जिक्र होनी चाहिए कि ऊपर जाकर रामजी को क्या जवाब देंगे? जो राम मंदिर के नाम का चंदा और राजनीति करते हैं, जो मंदिर के आसपास दुकान आवंटित करवाना चाहते हैं उन्हें राम मंदिर से मतलब है। हमारा राम तो हमारे घट में है-

मोरे पिया मोरे घट में बसत है, ना कहुं आती जाती।

इसलिए कई गांव मिलकर चला रहे एक स्कूल

"सम्पन्न किसान बहुल डाभा करीब एक हजार की आबादी का गांव है। इस स्कूल की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी। दूसरी तरफ, ग्रामीण बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले डाभा गांव के बच्चे यहीं के ही स्कूल में पढ़ने नहीं जाते थे। वजह, स्कूल के पास भवन के नाम पर एक खंडहर रह गया था। यहां न बिजली की व्यवस्था थी, न पानी का इंतजाम था। न शौचालय था, न सुंदर बगीचा। पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षकों की कमी हमेशा खलती रहती थी। हालांकि, स्कूल की इस स्थिति को सुधारने के लिए यहां के शिक्षक कई वर्षों से सरपंच के साथ मिलकर कुछ प्रयास भी कर रहे थे।"

महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर से करीब 200 किलोमीटर दूर के दुर्गम क्षेत्र में एक ऐसा सरकारी स्कूल है, जो बच्चों को संवैधानिक मूल्य और गुणवत्ता के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित शिक्षा का नया तरीका ईजाद करने के कारण चर्चा में है। यह तरीका बच्चों को इतना अधिक रास आ रहा है कि वे 12 किलोमीटर दूर से इस स्कूल में पढ़ने के लिए आ रहे हैं। इसलिए कई गांव के लोग इसे अपना स्कूल मानते हैं और आपस में मिलकर इसे अच्छी तरह से चलाने में मदद कर रहे हैं। गांव यह स्कूल है- औरंगाबाद जिले के सोयगांव तहसील के अंतर्गत जिला परिषद डाभा का प्राथमिक स्कूल।

कुछ वर्ष पहले तक इस स्कूल की हकीकत यह थी कि डाभा गांव के ही बच्चे अच्छी शिक्षा पाने के लिए दूसरे गांव के प्राइवेट स्कूल जाते थे। तब यहां पढ़ने वाले बच्चों की संख्या सौ से भी कम थी। पर, आज यहां 171 बच्चे पढ़ने आ रहे हैं। मराठी माध्यम के इस स्कूल परिसर में जहां कभी सन्नाटा पसरा रहता था, आज पढ़ने वाले बच्चों की आवाजों से गूंजा करता है। इस स्कूल की लोकप्रियता का आलम यह है कि आसपास के कई गांवों के करीब सौ बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। वहीं, बुनियादी शिक्षा को लेकर बच्चे तो बच्चे पूरे क्षेत्र के लोगों में जागृति आई है। अहम बात है कि इस स्कूल ने यह दर्जा महज डेढ़ वर्ष की अवधि में हासिल किया है।

बता दें कि सम्पन्न किसान बहुल डाभा करीब एक हजार की आबादी का गांव है। इस स्कूल की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी। दूसरी तरफ, ग्रामीण बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले डाभा गांव के बच्चे यहीं के ही स्कूल में पढ़ने नहीं जाते थे। वजह, स्कूल के पास भवन के नाम पर एक खंडहर रह गया था। यहां न बिजली की व्यवस्था थी, न पानी का इंतजाम था। न शौचालय था, न सुंदर बगीचा। पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षकों की कमी हमेशा खलती रहती थी। हालांकि, स्कूल की इस स्थिति को सुधारने के लिए यहां के शिक्षक कई वर्षों से सरपंच के साथ मिलकर कुछ प्रयास भी कर रहे थे। पर, परिणाम अपेक्षा के अनुकूल नहीं आ रहे थे।

शिक्षक ज्ञानेश्वर मख के मुताबिक, फिर बीते दो वर्षों में स्थिति तेजी से बदलनी शुरु हुई। वजह, हमने बच्चों को सिखाने के नए तरीके ईजाद किए। इसके तहत हमने बच्चों को एक-दूसरे से सीखने की पद्धति अपनाई। इसे हम 'आपस में सीखो' तरीका कहते। इसमें बच्चों की जोड़ी और समूह बनाए जाते हैं और फिर आपस में चर्चा के माध्यम से सीखने का मौका दिया जाता है। कुछ महीने बाद जब दूसरी और तीसरी के बच्चे भी मराठी की कई कहानियां धाराप्रवाह पढ़ने लगे और हजार तक गिनती सीख गए तो उनमें कमाल का आत्मविश्वास आया।

कक्षा चौथी की श्रद्धा दांडगे बताती है कि पहले जब हम शिक्षक से कुछ पूछते थे तो डर लगता था। वह कहती है, ÷फिर हम किताबों में लिखे के प्रश्न दोस्तों से पूछने लगे तो डर की कोई बात नहीं रहीं। हम जब किसी को कुछ सही बताते हैं और वह सही सीखता है, या हम उससे कुछ सीखते हैं, तो खुद को अच्छा लगता है। ज्ञानेश्वर इन्हीं बातों को विस्तार से बताते हुए कहते हैं, इस तरीके में बच्चे एक-दूसरे से सीखने के कारण अपनी कमजोरियों को आपस में साझा करने लगे। कमजोर बच्चे जब उम्मीद से अच्छा करने लगे तो उनके परिजन उन्हें शाबाशी देने लगे। होशियार बच्चे भी उनका सम्मान करने लगे। इस तरह, पढ़ाई का एक नया माहौल तैयार हुआ। इससे बच्चों की उपस्थिति और परीक्षा परिणाम में सुधरा।

इस तरह, जब बच्चों के साथ शिक्षक और पालकों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध बनने लगे तो स्कूल ने 'आपस में सीखो' को मुहिम का रूप देते हुए इसे पूरे गांव से जोड़ने का निर्णय लिया। इस बारे में प्रधानाध्यापक जर्नादन साबले अपना अनुभव साझा करते हैं, हम स्कूल के सार्वजनकि कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को इस मुहिम के बारे में बताने लगे। उनसे इस बारे में लगातार चर्चा करने लगे। उनसे कहते कि हम आपके सहयोग इस स्कूल को बेहतरीन स्कूल बनाना चाहते हैं। हमने छुट्टी के दिनों में भी अतिरिक्त कक्षाएं लीं तो लोगों को लगा कि बच्चों की भलाई के लिए हम कुछ गंभीर प्रयास कर रहे हैं। इसके बाद ग्रामीणों ने चंदा जमा करके स्कूल के लिए धन और कई जरुरी सामान जुटाएं। कुछ लोग श्रमदान के लिए भी आगे आए। इस तरह, इस स्कूल को सुंदर, सुविधा सम्पन्न और डिजीटल बनाने में लोगों ने स्कूल के शिक्षकों की मदद की।

यह सच है कि आज यह बेहतरीन स्कूलों में गिना जाता है। पर, सवाल है कि सफलता के पीछे संघर्ष की इस कहानी में वे कौन-सी बाते थीं, जिसके कारण यह एक स्कूल बेहतरीन बना। इस बारे में शिक्षक संजय कुमार चव्हान बताते हैं, जब शिक्षकों की अगुवाई में ग्रामीणों ने सामूहिक पहल की तो जिला परिषद के सहयोग से स्कूल का नया भवन तैयार हुआ। इसके लिए पंचायत की ओर से जिला प्रशासन को प्रस्ताव दिया। इसके बाद, नए स्कूल भवन के लिए 25 लाख रुपए मंजूर हुए। लिहाजा, सरकारी खर्च पर बड़े कमरों वाला एक बड़ा भवन बनकर तैयार हुआ। साथ ही ग्रामीणों ने इन कमरों की साज-सज्जा के लिए दो लाख रुपए का चंदा जुटाया। ये कमरे अब खेल खेल में सीखने से जुड़ी गतिविधियों के लिए अनुकूल है। इसके अलावा लोगों ने मदद की तो पानी की एक बड़ी टंकी बनी और बिजली की व्यवस्था भी बहाल हुई। पहले स्कूल परिसर में एक भी पेड़ नहीं था। पर, ग्रामीणों की मेहनत से यहां गुलाब से लेकर नारियल और अशोक के सौ से ज्यादा पेड़-पौधे हैं।

पर, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इस स्कूल के लिए सबसे बड़ी जरुरत थी पर्याप्त शिक्षकों कीं, ताकि हर एक शिक्षक सभी बच्चों पर पूरा ध्यान दे सके। इस बारे में शिक्षकों ने बताया कि इसके लिए सरपंच ने ग्रामीणों के साथ एक बैठक आयोजित की। चर्चा में यह बात सामने आई कि अच्छी पढ़ाई के लिए योग्य शिक्षक ढूंढ़ने ही होंगे।

चिंतन-मनन

तसल्ली से हो व्यापार

आरसीईपी समिट में राष्ट्राध्यक्ष आरसीईपी यानी 10 आसियान देशों और चीन, भारत, जापान, साउथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया तथा न्यू जीलैंड के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड अग्रीमेंट पर हस्ताक्षर फिलहाल टल गया है। बैंकॉक में सभी देशों ने एक स्वर में घोषणा की कि बातचीत पटरी पर है और जो भी थोड़े-बहुत सवाल या संदेह रह गए हैं वे आगे साफ कर लिए जाएंगे। लेकिन जैसे आसार हैं, इस समझौते के लिए निकट भविष्य में इसी तरह का माहौल बनाना आसान नहीं होगा। न केवल एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 16 देशों, बल्कि पूरी दुनिया के लिए यह प्रस्तावित समझौता एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है। दुनिया की आधी आबादी और एक तिहाई से ज्यादा अर्थव्यवस्था को खुद में समेटने की क्षमता इसमें है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भारत और कई अन्य देशों में सस्ते चीनी सामानों की बाढ़ आ जाना है। यह जोखिम अभी के परिवेश में शायद ही कोई उठाना चाहेगा। खतरा सारे देश समझ रहे थे, लेकिन आगे बढ़कर इसे आवाज देने का दम भारत ने ही दिखाया। नवंबर 2012 में इस समझौते पर औपचारिक बातचीत शुरू हुई थी और पिछले सात वर्षों में सहमति बनाने की कोशिशें चलती रहीं। लेकिन पिछले कुछ महीनों में अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर गरमाने के बाद चीन को इस समझौते की जरूरत कुछ ज्यादा ही महसूस होने लगी। इतने बड़े ट्रेड ब्लॉक में शामिल होकर मुक्त व्यापार का फायदा कौन नहीं उठाना चाहेगा, मगर इससे पहले चीन के साथ भारत के विशाल व्यापार घाटे से जुड़ी चिंताओं का समाधान भी जरूरी है। वैसे भी, इन पड़ोसी देशों से बेरोकटोक माल भारत आने लगे तो हमारे अपने घरेलू उद्योग-धंधे ही नहीं, खेती-किसानी से जुड़ी देश की बहुसंख्यक आबादी का जीवन भी समस्याग्रस्त हो जाएगा। यही वजह है कि इधर कुछ दिनों से देश के अंदर इस समझौते के खिलाफ विभिन्न स्तरों पर विरोध देखा जा रहा है। कोई भी लोकतांत्रिक सरकार न तो जनभावना से अछूती रह सकती है, न ही अपने राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कर सकती है। स्वाभाविक रूप से भारत सरकार ने बैंकॉक बैठक के दौरान जल्दबाजी के लिए बनाए जा रहे दबाव की परवाह न करते हुए अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं और कहा कि आगे बढ़ने से पहले वह इन मसलों पर पूरी तरह आश्वस्त हो जाना चाहती है।

नवप्रदेश के घर डाकिया

प्रदूषण से ऐसे निपट रहे हैं दुनियाभर के देश

भारत में प्रदूषण का संकट बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर और उत्तर पूर्व भारत का हाल बुरा है। गंगा के मैदानी इलाकों में बढ़ते प्रदूषण ने हवा को जहरीला बना दिया है। दिल्ली एनसीआर में ऑड ईवन जैसे कुछ उपाय अपनाने के बाद भी प्रदूषण से राहत मिलती नहीं दिख रही है, हवा की क्वालिटी में सुधार होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में सवाल है कि फिर प्रदूषण से कैसे निपटा जाए? दुनिया के बाकी देश भी प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं, आखिर वो देश कौन से उपाय अपना रहे हैं? क्या दुनिया के उन देशों के फॉर्मूले पर चलकर हम प्रदूषण की समस्या से निपट सकते हैं? कभी बीजिंग को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर माना जाता था। आज उसने अपने प्रदूषण को काफी हद तक कंट्रोल कर लिया है। आखिर उसने कौन से उपाय अपनाकर पॉल्यूशन को कंट्रोल में किया?

शांति राम, धुर्वा, रांची

एक नजर

देवेंद्र कुमार उर्फ मंटू 21 नवम्बर को करायेंगे नॉमिनेशन

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की व्यवस्था को सुदृढ़ करने का वादा नहीं बल्कि इरादा लेके मैदान में आये हैं: मंटू

कोडरमा। विद्यार्थी परिषद के पूर्व छात्र नेता सह-झारखण्ड प्राइवेट स्कूल के जिला अध्यक्ष युवा ,कर्मठ नेता कोडरमा विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी देवेंद्र कुमार उर्फ मंटू भाई ने क्षेत्र में अपना प्रचार प्रसार तेज कर दिया है।क्षेत्र में युवाओं का अपार समर्थन उन्हे मिल रहा है।युवा शक्ति ने देवेंद्र कुमार पर भरोसा जताते हुए उन्हें क्षेत्र की जन समस्याओं जैसे क्षेत्र में निजी स्कूलों की पढ़ाई ,कॉलेज और स्कूल में छात्र के अनुपात में शिक्षक की कमी,ढिबरा और क्रेसर उद्योग की बंदी जैसी समस्याओं से रूबरू होते हुए लोगों से अपील किया कि हम जमीनी और युवाओं की सोच को पूरा करने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की व्यवस्था को सुदृढ़ करने का वादा नहीं बल्कि इरादा लेके मैदान में आये हैं।आज इन्होंने कोडरमा के बुच्चीटाँड ,ढेबुआदिह, झरितांड इंदरवा ,लोकाई आदि कई वार्ड और गांव का दौरा किया और बैठक किया।पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि 21 नवम्बर को अपने समर्थकों के साथ नॉमिनेशन करायेंगे।

पुरस्कार वितरण के साथ सिहोडीह में क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

सिहोडीह युवा संगठन द्वारा आयोजित चैंपियंस ट्रॉफी खिताब पर एक्जाम गाइडेंस गिरिडीह ने कब्जा जमा लिया। रविवार को सिहोडीह के आम बगान मैदान में चैपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला एक्जाम गाइडेंस व गोर्वधन लाल नर्सिंग होम गिरिडीह टीम के बीच खेला गया। जिसमे एक्जाम गाइडेंस ने 26 रनों से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एक्जाम गाइडेंस की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 151 रन बनाए। इनकी ओर से परवेज ने 55 व आशिफ ने 33 रन बनाए। जीत के लिए 152 रनों का लक्ष्य लेकर उतरी गोर्वधन लाल की टीम निर्धारित ओवर में 9 विकेट खोकर 125 रन ही बना सकी। इनकी ओर से अजीत ने 48 रन बनाए। विजेता व उपविजेता टीम को मुख्य अतिथि गिरिडीह विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी, समाजसेवी उपेंद्र शर्मा, भाजपा नेता सुरेंद्र बर्मन, भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के डॉ शैलेंद्र चौधरी, झाविमो नेता चुन्नूकांत, माले नेता राजेश सिन्हा, वार्ड पार्षद अशोक राम, अजय रजक, साउंड एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रामजी यादव आदि ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि सिहोडीह के आम बगान मैदान में लगातार 11 वर्षो से टूर्नामेंट का आयोजन करवाया जा रहा, जो सराहनीय है। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच प्रदान होता है। वहीं मैच के बाद आनंद डांस ग्रुप ने डांस की प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन किया। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में श्याम कुमार मनीष सिंह, चुनमुन राम, प्रमोद स्वर्णकार, राहुल, सुरेंद्र, मृत्युंजय, शुभम, पिंटू राम, संतोष वर्मा, दिनेश वर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

रामपाल एजेंसी ने सुरक्षा प्रशिक्षण का किया आयोजन

झुमरीतिलैया(कोडरमा)। रामपाल एजेंसीज झुमरीतिलैया के द्वारा बड़की धमराय पंचायत में उपभोगताओं को जागरूक करने के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

जिसमे उपभोगताओं को गैस लेने से पूर्व क्या करना चाहिए यह बतलाया गया। पीडीसी के तहत जब उपभोगताओं के घर पर गैस पहुँचाया जाता है, उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सिलेंडर का सील उपभोगताओं के सामने खोला जाये। उसके अलावा सिलेंडर का वजन चेक करना, लीक जाँच उपकरण से सिलेंडर लीक की जाँच करना, ओरिनग सही है या नही जाँच करना है, आवश्यकता के अनुसार सिलेंडर को इन्स्टॉल करवाना उपभोगताओं को सुरक्षा सम्बंधित जानकारी दी गयी। इस अवशर पर बड़की धमराय मुखिया शिला देवी, वार्ड पार्षद भोला राम, रज्जाक अंसारी, अनिल कुमार, पूनम देवी, समाजसेवी किशोर कुमार यादव, मोहमद सफीक और रामपाल एजेंसीज के दीपक शर्मा और विजय पासवान उपस्थित थे।

वीडियो कॉन्फेंसीग के माध्यम से उपयुक्त ने निर्वाचन के कार्यो की ली समीक्षा

सभी प्रखंडों के बीडीओ,सीओ हुए शामिल दिए गए आवश्यक निर्देश

सूचना भवन सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपयुक्त भुवनेश प्रताप सिंह ने विडियो कॉन्फेंसीग के माध्यम से सभी प्रखंड पदाधिकारियों एवं आँचल अधिकारियों को विधान सभा चुनाव 2019 कि तैयारियो को लेकर जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को हथियार से संबंधित जानकारियां दी गयी। उन्होंने व्यय कोषांग के अधिकारियों को स्टैटिक टीम के साथ समन्वा स्थापित कर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया।स्वीप के तहत सभी अंचल अधिकारियों को ऐप्प के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने तथा अपने बुथ से संबंधित जानकारी लेने के लिए लोगों को प्रेरित करने का निर्देश दिया।

भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में उतरे भाजयुमो के सदस्य गण

हजारीबाग। भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष सर्वेन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में आज सदर विधायक सह भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के पक्ष में हजारीबाग के नगर निगम क्षेत्र के ओकनी,न्यू एरिया में जनसंपर्क चलाया गया आम लोगों से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील की गई युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री सर्वेन्द्र मिश्रा ने कहा कि भाजयुमो अपनी पूरी एड़ी चोटी लगा देगी सदर विधायक सह भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल को जिताने में हम हजारीबाग के पूरे नगर निगम क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाएंगे.....

मौके पर भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष सोनी, करण जयसवाल,नवीन दुबे,रितेश खंडेलवाल,शैलेश चंद्रवंशी,कुमुद गुप्ता,शिवपाल यादव,राजकारण पांडेय, मणिकांत,सुशील,सचिन खण्डेलवाल वैद,सागर पांडेय,आशीष कुमार, मुकेश सोनी

जैन तीर्थ यात्री की ट्रेन के चपेट में आने से मौत, पत्नी और बेटा भी जख्मी

मधुबन के भगवान पार्श्वनाथ दर्शन के लिए पारसनाथ स्टेशन में शिप्रा एक्सप्रेस से पहुंचा था जैन दंपति

घटना सुबह आठ बजे का

गिरिडीह: पारसनाथ स्टेशन में रविवार की सुबह सुपरफास्ट ट्रेन दुरंतो एक्सप्रेस के चपेट में आने से जहां 45 वर्षीय जैन तीर्थ यात्री देवेन्द्र कुमार जैन की मौत मौके पर हो गई। वहीं उसकी पत्नी सुरुचि जैन और बेटा सुरेन्द्र कुमार गंभीर रुप से जख्मी हो गया। जानकारी मिलने के बाद पारसनाथ रेलवे स्टेशन के पदाधिकारी पहुंचे, और जख्मी पत्नी सुरुचि जैन व बेटे सुरेन्द्र कुमार का प्राथमिक इलाज कराया।

देवेन्द्र की मौत से पत्नी व बेटे बार-बार मृतक को याद कर बेहोश हो रहे है। हालांकि मृतक की पत्नी और बेटे को स्टेशन में मौजूद यात्री हिम्मत बंधा थे। इधर घटना की जानकारी पारसनाथ रेलवे स्टेशन के पदाधिकारियों ने गोमो जीआरपी को दे दिया है। मृतक तीर्थ यात्री मध्य प्रदेश के छत्तरपुर जिला के रहने वाले है। घटना सुबह आठ बजे का पारसनाथ स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन के पहले रेलवे ट्रेक का है।

जानकारी के अनुसार छत्तरपुर निवासी देवेन्द्र जैन अपनी पत्नी सुरुचि जैन और बेटे सुरेन्द्र कुमार के साथ मध्यप्रदेश के छत्तरपुर से मधुबन पारसनाथ दर्शन के लिए शिप्रा एक्सप्रेस से पारसनाथ स्टेशन उतरने वाले थे। शिप्रा एक्सप्रेस का ठहराव पारसनाथ स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो में था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शिप्रा एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंचने के साथ जब धीमी गति हुई, तो देवेन्द्र कुमार का संतुलन बिगड़ गया। जिसे देवेन्द्र शिप्रा एक्सप्रेस से दुसरी और प्लेटफार्म नंबर तीन के पहले दुसरे रेलवे ट्रेक पर गिर पड़े। जिस वक्त देवेन्द्र कुमार तीन नंबर से पहले के रेलवे ट्रेक पर गिरे, उसी वक्त विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही दुरंतो एक्सप्रेस पारसनाथ स्टेशन से गुजर रही थी।

दुरंतो एक्सप्रेस के चपेट में आने से देवेन्द्र के मौत की कही जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो देवेन्द्र कुमार को बचाने के क्रम में उनकी पत्नी सुरुचि जैन और और सुरेन्द्र कुमार को भी गंभीर चोट आई है। घटना के दौरान मृतक का मोबाइल टूट कर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं जिस ट्रेक पर देवेन्द्र की मौत हुई, वह भी खून से लाल हो गया। जबकि घटना के बाद पारसनाथ स्टेशन में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। जानकारी मिलने के बाद स्टेशन के पदाधिकारी भी घटनास्थल पहुंचे, और गोमो रेल जीआरपी को घटना की जानकारी दिया।

मनीष जायसवाल ने चलाया जन संपर्क अभियान

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के दारू प्रखंड का जिनगा पंचायत कभी जनप्रतिनिधियों के अदूरदर्शिता के कारण विकास से अछूता रहा था। लेकिन सदर विधायक सह भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने अपने विगत पांच वर्षो के कार्यकाल में विभिन्न सरकारी माध्यमों के अलावे अपने विधायक निधि की राशि 27 लाख की लागत से इस पंचायत में विकास के कई कार्य किए हैं। इसी का परिणाम है कि आज जब विधायक सह भाजपा प्रत्याशी श्री जायसवाल अपने चुनाव प्रचार के क्रम में इस पंचायत में पंहुचे तो जिनगा, महेशरा, जोन्हिया और कोय गांव के ग्रामीण उनके स्वागत को उमड़ पड़े और अपने समर्थन का विश्वास जताया। युवाओं ने गर्मजोशी से दर्जनों मोटरसाइकिल के साथ गाजे-बाजे संग नारा- जयकारा लगाते हुए जोरदार स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशी ने लोगों से कहा कि विगत पांच वर्षो से मैं बतौर विधायक आपके सेवा में तत्पर रहा हूं और भविष्य में भी इसी रफ्तार से विकास कार्यो को बरकरार रखने के लिए और अपने विधानसभा, प्रखंड, पंचायत और गांवों को सुदृढ़, विकसित और विकासशील बनाने के लिए एक बार पुनः मुझे मौका दें और भाजपा को जिताएं।

डोमचांच मंडल स्तरीय बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन की बैठक संपन्न, साथ ही चुनाव पे चर्चा

डोमचांच। कोडरमा विधानसभा चुनाव को लेकर डोमचांच मंडल स्तरीय भाजपा कोर कमेटी की बैठक दिन रविवार को डोमचांच इंटर कॉलेज में संपन्न हुई। बैठक में विधानसभा भाजपा प्रत्याशी डॉ नीरा यादव भाजपा नेता एवम कार्यकर्ताओं संग जीत को लेकर चुनाव प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा हुई। इस सम्मेलन में कोडरमा विधानसभा की लोकप्रिय प्रत्याशी डॉ नीरा यादव , डोमचांच नगर ग्रामीण एवम नवलशाही मंडल के अध्यक्ष महामंत्री, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष महामंत्री सभी मंडलों के अध्यक्ष महामंत्री सभी शक्ति केंद्रों के संयोजक सहसंयोजक बूथ अध्यक्ष, भाजपा के वरीय नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डोमचांच मंडल अध्यक्ष विनय मोदी, प्रभाकर रावत एवं नवलसाही मंडल के अध्यक्ष शिवलाल सिंह ने संयुक्त रूप से की। जबकि स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष प्रभाकर रावत ने दिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी नेताओं ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से पार्टी के सिद्धांतों, स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव के द्वारा पिछले 5 वर्षों मैं विधानसभा क्षेत्र की उपलब्धियां,क्षेत्र को दी गई। सौगातें एवं जन कल्याण के हित में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को पहुंचाने की बात कही। भाजपा प्रत्याशी नीरा यादव को रिकॉर्ड मतों से जिताने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए भाजपा प्रत्याशी डॉ नीरा यादव ने कहा पिछले 5 वर्षों के कार्यकाल में जनता ने उन्हें जिन उम्मीदों और विश्वास के साथ कोडरमा विधानसभा का नेतृत्व सौंपा था। लोगों के सहयोग और उनके अथक प्रयासों से कोडरमा तेजी से बदलाव की ओर अग्रसर है। मौके पर कोडरमा विधानसभा प्रभारी विशेश्वर सिंह, महेंद्र वर्मा, वीरेंद्र सिंह, वासुदेव शर्मा, अनूप जोशी, राजेश सिंह, कुलदीप राम, सुनील सिन्हा, मुकेश राम, राजकुमार यादव अंबिका सिंह, रामलाल यादव भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष संगीता सिन्हा, कामिनी देवी, विधानसभा मीडिया प्रभारी अजय पांडेय, महेंद्र यादव, शिशिर सिंह, शक्ति सिंह, सुरेंद्र यादव, संजय मेहता, रामकिशन सुंडी, राम कुमार वर्णवाल, शीबु मोदी, संजय साव, संतोष यादव, सुरेश विश्वकर्मा, सुजीत कुमार, प्रवीण मित्तल, रोशन कुमार, श्याम सुंदर यादव, समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

खेत में मिला नवजात शिशु का शव

बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र के पटेलनगर -ढोरी बस्ती के मुख्य मार्ग के सड़क किनारे खेत में रविवार को स्थानीय लोगों ने एक नवजात शिशू का शव बरामद किया. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए केंद्रीय अस्पताल ढोरी के शव गृह में रखवा दिया है. स्थानीय लोगों ने बताया कि शव को खेत के नीचे देखने के बाद लोगों ने 100 नंबर डॉयल कर मामले की जानकारी दी. जिसके बाद बेरमो थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। सुचना मिलते ही दर्जनों की संख्या में महिला-पुरूष की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने घटना को लेकर काफी निंदा किया। क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा होने लगा है. लोगों ने कहा कि किसी कलयुगी मां ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया। बच्ची के जन्म के तुरंत बाद ही कपड़े में लपेटकर झाडियो में फेंक दिया। बेरमो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन में जुटी है।

पलामू के छतरपुर विधानसभा से छक्का मारने की तैयारी में आजसू

भाजपा से टिकट कटने के बाद आजसू से लड़ रहे है चुनाव

मेदिनीनगर। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रहा है, सभी दलों के प्रत्याशी अपना दमखम लगाने से चूक नहीं रहे हैं। इसी कड़ी में छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के एक चर्चित और काबिल प्रत्याशी हैं राधाकृष्ण किशोर। इस बार श्री किशोर आजसू पार्टी से प्रत्याशी के रूप में मैदान में खड़े हैं। श्री किशोर छतरपुर विधानसभा का पांच जंग जीतकर छक्का मारने की कोशिश में है। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में मुख्य रूप से पुराने चेहरे ही मैदान में हैं, बीच महासंग्राम होगा। इस विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा पांच बार प्रतिनिधित्व करते आ रहे राधाकृष्ण किशोर इस बार छक्का मारने के लिए पूरी तरह से चुनावी मैदान में डटे हुए हैं। वहीं 2005 में किशोर से मात खा चुकी पुष्पा देवी इस बार फिर मैदान में है। पुष्पा देवी के पति मनोज कुमार पूर्व सांसद हैं। जिनकी सांसदी रिश्वत लेने के आरोप में चली गई थी। छतरपुर विधानसभा में 2005 के चुनाव में पुष्पा देवी राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर और राधा कृष्ण किशोर जनता दल यूनाइटेड के टिकट पर चुनाव मैदान में थे। इस चुनाव में श्री किशोर ने पुष्पा देवी को करीब 18000 मतों से पराजित किया था। इस बार फिर से दोनों के बीच चुनावी मुकाबला है। पुष्पा देवी यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़ रही है। पिछला चुनाव भाजपा के टिकट पर राधा कृष्ण किशोर लड़े थे और पुष्पा देवी के पति पूर्व सांसद मनोज कुमार को पराजित किया था। इस प्रकार अगर कहा जाए तो किशोर - पुष्पा - मनोज के बीच छतरपुर विधानसभा में रस्साकशी का खेल विगत 15 वर्षो से हो रहा है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगा। इस चुनाव में भाजपा ने किशोर को टिकट नहीं दिया तो वह आजसू के टिकट पर चुनाव मैदान में है। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में राधा कृष्ण किशोर पांच बार से प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। इसलिए वे किसी नाम के मोहताज नहीं हैं। इधर मनोज कुमार भी इस विधानसभा से अपना लगाव बनाए हुए है। इनके जितने भी पुराने कार्यकर्ता है सब ही समर्पित भाव से कार्य करने वाले हैं। इस चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि किशोर और मनोज के कार्यकर्ताओं में कौन और कितना समर्पण की भावना से काम करता है। इस विधानसभा क्षेत्र से सुधा चौधरी का भी जुड़ाव है। सुधा चौधरी विधानसभा चुनाव 2009 में जीत दर्ज की थी। इस समय कुछ दिनों के लिए मंत्री भी बनी थी। उन्होंने 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा भी किया। इसके बाद 2014 के चुनाव में राधाकृष्ण किशोर ने सुधा चौधरी को धूल चटा दिया। इस बार फिर पूरे दमखम से सुधा मैदान में है। छतरपुर विधानसभा के चुनाव में देखना दिलचस्प होगा कि इस बार राधाकृष्ण किशोर छक्का मारने में कितना कामयाब हो पाते हैं।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से पहली बार शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता आयोजित

टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में कुल 28 फिल्मों का हुआ प्रदर्शन

किसी फिल्म में एक वोट का महत्व तो किसी में लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का दिया गया संदेश

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त डॉ शांतनु कुमार अग्रहरि के निर्देश पर शनिवार शाम न्यू टाउन हॉल में शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कुल 28 फिल्मों का प्रदर्शन हॉल में लगे बड़े एलईडी स्क्रीन पर किया गया।फिल्मों के प्रदर्शन के दौरान पूरा टाउन हॉल को स्वीप के मतदाता जागरूकता से संबंधित बैनर एवं बैलून से सजाया गया था। संपूर्ण टाउन हाल दर्शकों की भीड़ से भरा हुआ था एवं उनका उत्साह चरम पर नजर आया। सर्वप्रथम इस चुनावी गीत से फिल्मों के प्रदर्शन का सिलसिला शुरू हुआ जो लगभग 2 घंटे तक चला। इस दौरान एक से बढ़कर एक फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। मतदाता जागरूकता थीम पर प्रदर्शित फिल्मों के द्वारा मतदान करने हेतु एक से बढ़कर एक संदेश दिए गए। किसी फिल्म में एक वोट के महत्व का उल्लेख किया गया तो किसी में मतदान करना क्यों आवश्यक है इस विषय को रेखांकित किया गया। कामाख्या प्रसाद सिन्हा द्वारा बनाई गई यह फिल्म दर्शकों के लिए चर्चा का विषय बनी रही वजह इनकी उम्र 75 वर्ष से ऊपर थी। उम्र के इस पड़ाव में लोग इनके फिल्म बनाने एवं मतदाता जागरूकता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सलाम कर रहे थे। टाउन हॉल में मौजूद दर्शकों ने खड़े होकर इनका अभिनंदन किया।

विजयी प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

प्रतियोगिता में रंजीत कुमार द्वारा बनाई गई फिल्म एक का दम को प्रथम पुरस्कार दिया गया वहीं द्वितीय पुरस्कार के लिए संजीव गिरिवर के निर्देशन में बनी फिल्म पछताव को चुना गया।वहीं अब्दुल हमीद कि फिल्म विदाई से पहले को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया।इन सभी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कामाख्या प्रसाद सिन्हा की कर्म ही पूजा एवं मनोज गुप्ता की फिल्म डर के आगे जीत है को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए मुंबई में कई फिल्मों में काम कर चुके कौशल शराफ को जज बनाया गया था। इस प्रतियोगिता में कौन बनेगा करोड़पति की फेम पलामू की बेटी दीप ज्योति का वीडियो को भी दिखाया गया। जिसमें वो 30 नवंबर को मतदान करने की अपील करती नजर आई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डिस्ट्रिक्ट आइकन सह कार्यक्रम के संयोजक सैकत चटर्जी की अहम भूमिका रही। इस कार्यक्रम में स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह डीडीसी बिंदु माधव प्रसाद सिंह, स्वीप कोषांग के सह प्रभारी शत्रुंजय कुमार,केबीसी फेम दीप ज्योति, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अजीत तिवारी, एसएमपो भास्कर कुमार, कार्यक्रम के संयोजक सैकत चटर्जी सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

भाजपा प्रत्याशी शशि भूषण मेहता को हर समुदाय का रहा है समर्थन: प्रमोद

लेस्लीगंज (मेदिनीनगर)। पलामू जिले के पांकी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कुशवाहा डॉ शशि भूषण मेहता को हर समुदाय का समर्थन मिल रहा है। भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता इन दिनों लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क के तहत लोगों से जुड़ रहे हैं। रविवार को लेस्लीगंज प्रखंड के जामूनडीह पंचायत के फुलांग गांव में भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान जामुनडीह पंचायत मुखिया पति प्रमोद कुमार सिंह ने भाजपा प्रत्याशी शशि भूषण मेहता का समर्थन करने की बात कही। वहीं डॉ शशि भूषण मेहता में इस बार पांकी विधानसभा क्षेत्र के परिवर्तन के लिए में लोगों से जात पात से ऊपर उठकर निस्वार्थ भाव से भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील किया। कहां की भाजपा किसी जाति की पार्टी नहीं है यह सभी जाति धर्म की पार्टी है। कहां की जनता के लिए यह एक बेहतर मौका है कि भाजपा के पक्ष में वोट कर यहां की वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति खत्म करें। भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता ने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र से वंशवाद और परिवार वाद की खात्मा करने के लिए भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार बनाकर चुनाव मैदान में उतारा है। जनता का भी आशीर्वाद भाजपा की ओर बढ़ा है। पांकी विधानसभा क्षेत्र इस बार भाजपा भारी मतों से जीत दर्ज करेगी। बता दें कि इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता को सभी समुदाय धर्म का भरपूर समर्थन देखने को मिल रहा है। खासकर मुस्लिम समुदाय, ब्राह्मण समाज, भूमिहार समाज के अलावे धानुक समेत सभी जाति धर्म के लोगों का भरपूर समर्थन देखी जा रही है। फुलांग में जनसपर्क अभियान के दौरान विधायक समर्थन कई लोगों ने मेहता के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का संकल्प लिया। वही मेहता ने सभी को माला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर मुख्य पति प्रमोद कुमार सिंह छोटू सिंह, चंदन कुमार, विकास कुमार, अरविंद कुमार, राजू सिंह, अमरेश साव, वीरेंद्र राम, अरुण साव समेत काफी संख्या में लोग शामिल थे।

होटल में रात बिताने का किराया 86 रुपए, शर्त-यूट्यूब पर रातभर कमरे की लाइव स्ट्रीमिंग होगी

यूट्यूब पर कॉपीराइट उल्लंघन से बचने के लिए कैमरे में नहीं लगाए माइक्रोफोन ऑफर का फायदा उठाने के लिए अपनी प्राइवेसी से समझौता कर रहे हैं लोग

जापान के फुकुओका शहर में एक होटल में रातभर का किराया मात्र 86 रुपए है। होटल की शर्त है कि कमरे की रातभर यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। यानी आपकी हर हरकत को दुनिया देख सकेगी। होटल का नाम बिजनेस रियोकन असाही है और ऑफर का फायदा उठाने के लिए कस्टमर को अपनी प्राइवेसी से समझौता करना होगा।

कस्टमर की हर हरकत देख सकती है दुनिया

होटल ऐसे लोगों के लिए बेहतर जगह है, जो इंफ्लुएंजर या ब्लॉगर हैं और अपने फैंस से रूबरू होने के लिए लाइव स्ट्रीमिंग का इस्तेमाल करते हैं। होटल के ऑफर का फायदा उठाने के लिए लोग अपनी प्राइवेसी से समझौता कर रहे हैं।

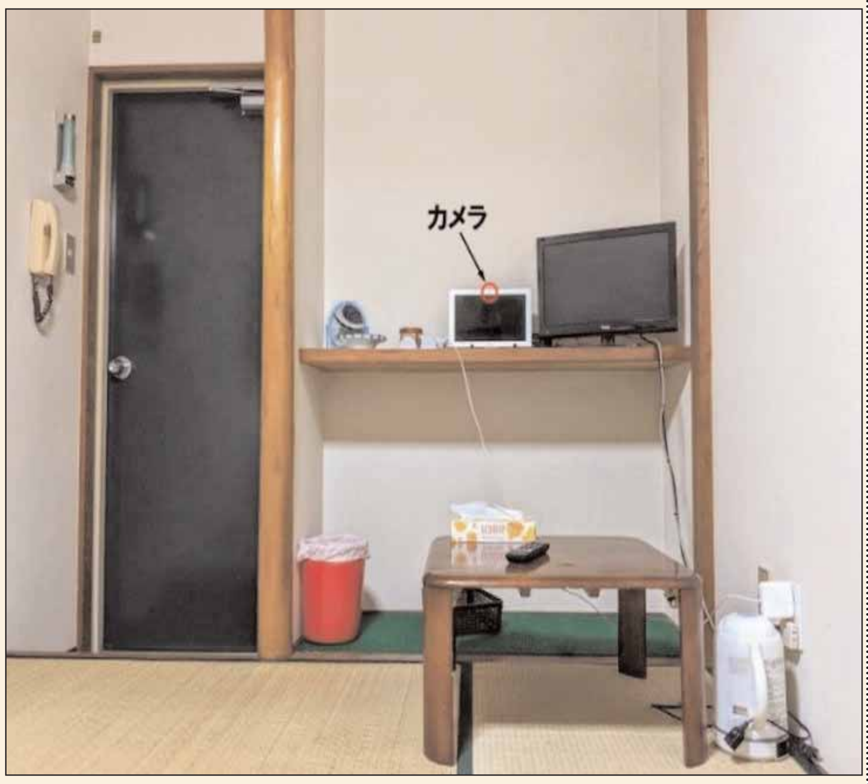

होटल के कमरों में कैमरा ऐसी जगह लगाया गया है जो हर कोने पर नजर रखता है। लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान कस्टमर कोई गाना बजाता है, उसका यूट्यूब पर कॉपीराइट उल्लंघन का मामला न बने, इसके लिए कैमरे में किसी तरह का माइक्रोफोन नहीं लगाया गया है।

बिजनेस रियोकन असाही को बेहद सस्ती दरों पर कमरे के लिए जाना जाता है। हाल ही में एक ही व्यक्ति ने होटल के एक रूम बुक कराया था। यह काफी समय से खाली पड़ा था, जिसके लिए ऑफर दिया गया। होटल ऐसे ऑफर को आगे भी जारी रखने की तैयारी कर रहा है।

आधार को लॉक करके डाटा को करें सुरक्षित, आसान है तरीका

आधार की आधिकारिक वेबसाइट पर जाने के बाद ये पेज खुलेगा जहां आपको a a d h a a r lock/unlock पर क्लिक करना है।

इसके बाद ये पेज खुलेगा यहां आपको मांगी गई जानकारियां भर कर स्थ्रह्रष्ठ ह्र्रक्क पर क्लिक करना है। इसके बाद ह्र्रक्क भेजा जाएगा जिसे भरने के बाद आपको सबमिट पर क्लिक करना है। आपका आधार लॉक हो जाएगा।

इसके बाद ये पेज खुलेगा यहां आपको मांगी गई जानकारियां भर कर SEND OTP पर क्लिक करना है। इसके बाद OTP भेजा जाएगा जिसे भरने के बाद आपको सबमिट पर क्लिक करना है। आपका आधार लॉक हो जाएगा।

डिलिटलाइजेशन से अगर कई फायदे हुए हैं तो इससे व्यक्ति के पर्सनल जानकारी (डाटा) चोरी होने का डर भी बढ़ गया है। इस समस्या से निपटने के लिए और आधार डेटा को सुरक्षित रखने के लिए UIDAI ने आधार को लॉक/अनलॉक करने की सुविधा देता है। इसकी मदद से आप अपने आधार की जानकारी को और अधिक सुरक्षित रख सकेंगे। आधार की जानकारी को दो तरह से लॉक किया जा सकता है। अगर आप इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो IDAI की वेबसाइट uidai.gov.in पर जाकर आधार लॉक कर सकते हैं। इसके अलावा अपने मोबाइल नंबर (जो नंबर आधार में रजिस्टर्ड हो) से 1947 पर मैसेज कर भी आधार को लॉक किया जा सकता है।

ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से कर सकते हैं लॉक और अनलॉक

मैसेज के जरिए ऑफलाइन आधार लॉक और अनलॉक करें

आधार नंबर को ऐसे करें लॉक

अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी के लिए 1947 पर एसएमएस भेजें।

मैसेज में GETOTP<SPACE>आधार नंबर के अंतिम चार डिजिट लिखकर भेजें।

एसएमएस भेजे जाने के बाद ढ्ढष्ठ्ठढ्ढ से एसएमएस के जरिये 6 अंकों का ओटीपी मिलेगा।

इसके बाद एक और एसएमएस 1947 पर ही भेजना होगा। जो ऐसा होगा 'LOCKUID<SPACE>आधार नंबर के अंतिम चार अंक<SPACE>{ अंकों का ओटीपी नंबर'।

एक बार एसएमएस भेजे जाने के बाद ढ्ढष्ठ्ठढ्ढ आपका आधार नंबर लॉक कर देगा।

आधार नंबर को ऐसे करें अनलॉक

अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी के लिए 1947 पर एसएमएस भेजें। यह इस फॉर्मेट में होना चाहिए GETOTP<SPACE> आधार नंबर के अंतिम चार डिजिट।

एसएमएस भेजे जाने के बाद UIDAI से एसएमएस के जरिए, 6 अंकों का ओटीपी मिलेगा।

आपको एक और एसएमएस इस तरह भेजना होगा। NLOCKUID<SPACE>वर्चुअल आईडी के अंतिम छह अंक<SPACE>6 अंकों का ओटीपी नंबर।

एक बार एसएमएस भेजे जाने के बाद UIDAI आपका आधार नंबर अनलॉक कर देगा।

ऐसे करें ऑनलाइन लॉक और अनलॉक

पहले आधार की आधिकारिक वेबसाइट uidai.gov.in पर जाएं।

यहां बाएं टॉप पर माय आधार का ऑप्शन दिखेगा।

माय आधार पर कर्सर रखने पर आपके सामने कई ऑप्शन खुलेंगे।

आधार सर्विस वाले ऑप्शन के आखिरी में आधार लॉक/अनलॉक का ऑप्शन दिखेगा। इस पर क्लिक करें।

लॉक करने के लिए ढ्ढष्ठ नंबर, फुल नेम, पिनकोड डालना होगा। मोबाइल पर वन टाइम पासवर्ड (OTP) आएगा जिसे सबमिट करते ही आधार लॉक होगा।

वहीं अनलॉक करने के लिए वर्चुअल आईडी और सिक्योरिटी कोड डालने की जरूरत होगी। ह्र्रक्क डालने के बाद यह अनलॉक हो जाएगा।

11 शिप कंटेनरों से तैयार किया तीन मंजिला घर, 3डी सॉफ्टवेयर से नक्शा तैयार किया

2017 में तैयार किया गया था घर, पैसे की तंगी के कारण इंटीरियर का काम पूरा नहीं हो पाया

खास तरह का घर होने के कारण यह राह चलते लोगों के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है

लाइफस्टाइल डेस्क. अमेरिकी डिजाइनर विल ब्रेक्स ने 11 शिपिंग कंटेनरों से तीन मंजिला घर तैयार किया है। घर का लुक और इंटीरियर बेहद खूबसूरत है। विल ने इसे तैयार करने के लिए 3डी सॉफ्टवेयर से योजना तैयारी की और क्रेन की मदद से कंटेनरों को जमाया गया।

कंटेनरों की मदद से मकान को 2017 में तैयार किया गया था जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर हाल ही में वायरल हुई हैं। हालांकि, तब घर का इंटीरियर पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाया था।

लोगों के निगेटिव कमेंट का विल ने दिया जवाब

विल के मुताबिक, पैसों की तंगी के कारण वे इसे पूरा नहीं कर सके। अभी भी मकान के एक बड़े हिस्से को तैयार किया जाना बाकी है। जब भी विल के पास पर्याप्त रकम इकट्ठा हो जाती है, घर के इंटीरियर पर वापस काम करना शुरू कर देते हैं।

विल कहते हैं कि मैं इसे जल्दबाजी में नहीं, इत्मीनान से खूबसूरत बनाना चाहता हूं। खास तरह का घर होने के कारण यह राह चलते लोगों के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। कई बार सोशल मीडिया पर लोगों ने घर के बारे में खराब कमेंट लिखे, जिसके बाद विल ने घर की छोटी-छोटी जानकारी अपने ब्लॉग में लिखना शुरू की।

कुछ लोगों का कहना है, यह एक आदर्श घर के मानकों पर खरा नहीं उतरता, लेकिन विल का दावा है, इसकी तीसरी मंजिल भी आग और तूफान का सामना करने में सक्षम है। नींव इतनी मजबूत है दूसरी जगह शिफ्ट करना मुश्किल है।

विल कहते हैं, सभी दीवारों को अच्छी तरह से सील किया है। मैंने अपने ब्लॉग में सुरक्षा से जुड़ी सभी बातों का जिक्र किया है लेकिन लोग पढ़ने की बजाय सिर्फ इसे देखकर अपनी धारणा बना लेते हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं।

वॉल माउंट, स्टैंड माउंट तरीके से टीवी रखने के होते हैं अलग-अलग फायदे और नुकसान

लाइफस्टाइल डेस्क. एलईडी टीवी के चलन के बाद से ही कई लोगों को इस दिक्कत का सामना करना पड़ता है कि टीवी रखना कैसे हैं। इसे दिवार पर लगाए या स्टैंड पर रखें, अक्सर तय करने में उलझन होती है। इस समस्या का हल बता रही हैं एक्सपर्ट तनु एस...

स्टैंड माउंट

टीवी को पोजिशन करने का ये सबसे सरल तरीका है। एक समतल सतह पर टीवी को रखना होता है। आमतौर पर टीवी स्टैंड या किसी टेबल पर टीवी को रखा जाता है, जिसकी एक आदर्श हाइट होती है। ज्यादातर फ्लैट स्क्रीन्स के साथ बेस स्टैंड दिया जाता है, जो टीवी को सीधा और स्थिर रखता है।

टीवी के पोर्ट तक पहुंच बेहद आसान होती है।

स्टैंड में अक्सर अतिरिक्त स्टोरेज दिया जाता है, जिसमें सेट-टॉप बॉक्स, ब्लू रे प्लेअर, गेमिंग कंसोल रखे जा सकते हैं।

आसानी से टीवी को मूव कर सकते हैं, फिर वजह साफ-सफाई हो या टीवी को दूसरे कमरे में ले जाना हो।

सर्दियों में घर को गर्म रखने के लिए पोर्टेबल और सेफ्टी ग्रिल जैसे फीचर्स वाले हीटर्स ही खरीदें

लाइफस्टाइल डेस्क. रूम हीटर्स ना केवल रूम को गर्म रखते हैं, दिनभर कोजी भी बनाए रखते हैं। शुरू हो चुकी ठंड के मद्देनजर अगर आप भी रूम हीटर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो एक्सपर्ट रवि शर्मा जानिए हीटर्स के विकल्पों के बारे में...

कन्वेक्शन हीटर

कन्वेक्शन टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए रूम को गर्म रखते हैं। इसमें एक कॉइल या पैनल होती है जो गर्माहट के लिए उपयोग में लाई जाती है। ऑइल गर्म होता है और धीरे-धीरे इसकी गर्माहट कमरे में फैलती है। फैन या ब्लोअर भी इस पैनल की गर्माहट को हवा के माध्यम से पूरे कमरे में फैला देता है। ये उपयोग के दौरान काफी गर्म हो जाते हैं।

इन्फ्रारेड या रेडियंट हीटर

इन्फ्रारेड किरणों की मदद से तुरंत गर्माहट लाते हैं। ये डायरेक्ट हीट ऑफर करते हैं इसलिए तेजी से गर्माहट चाहने वाले इसे ज्यादा पसंद कर सकते हैं। ये कारगर तो हैं, आवाज भी नहीं करते। कुछ तो वुडन कैबिनेट की तरह दिखते हैं, जो फर्निचर में छिप-से जाते हैं। डाइनिंग और लिविंग एरिया के लिए परफेक्ट हैं।

सिरेमिक फैन फोर्स्ड हीटर

इनके साथ झंझट बेहद कम हैं। ये रिमोट के साथ भी मिल जाते हैं, डिजिटल थर्मोस्टेट और मल्टिपल फैन सेटिंग्स के साथ आते हैं। बेडरूम और ऑफिस के लिए आदर्श होते हैं। उन घरों में भी रखे जा सकते हैं जिनमें बच्चे और पालतू जानवर रहते हैं।

परवरिश

बच्चों में विकसित करें कृतज्ञता, ये विनम्रता लाती है और अहंकार से दूर रखती है

लाइफस्टाइल डेस्क. अहं-भरा अधिकार, हर वस्तु, हर रिश्ते पर मेरा हक वाली भावना को दूर रखने के लिए विनम्रता मददगार होती है। हम हवा, पानी, धरती, आसमान सबके लिए प्रकृति का आभार मानते हैं, वैसे ही हमें मिली हर सुविधा के लिए माता-पिता के आभारी होते हैं। इस भाव को बच्चों में विकसित और पोषित करें। बच्चों में कुछ आदतें छुटपन से ही डालना जरूरी हैं। बच्चों में धैर्य और संतुष्टि की भावना लाने के लिए कुछ बातें हैं, जो बच्चों को सिखाना जरूरी है। इसमें प्रधानता आपके व्यवहार की ही है। इसलिए इन बातों पर

पहले ध्यान दें

अपमान नहीं, समझाइश दें

बच्चे यदि किसी तरह का अप्रिय व्यवहार करें तो उन्हें उसी वक्त रोकना जरूरी है। पर एक बात का ख्याल रखें कि यहां बच्चे को रोकने से मतलब उसका अपमान करना नहीं है, बल्कि समझाना है। यदि बच्चा ये कहता है कि आपने उसके लिए उसका पसंदीदा खिलौना नहीं लिया या उसे जो खाना था वो नहीं दिलाया तो ऐसे में खिसियाने के बजाय उसे समझाएं कि आपने उसके लिए और भी खिलौने तो लिए हैं या आप हमेशा तो उसे पसंद की चीजें खिलाते ही हैं। ऐसे में एक बार उसकी मर्जी का न करने पर इस तरह का व्यवहार करना गलत है।

सही व्यवहार करना सिखाएं

बच्चों को ये जानना भी जरूरी है कि उनके द्वारा किए गए व्यवहार का असर अन्य लोगों पर होता है। इसके लिए उनसे बात करें और बताएं कि उनके द्वारा कहे गए शब्द सामने वाले व्यक्ति को दुख दे सकते हैं। बच्चों को समझाने के लिए उन्हें उनकी तरह के उदाहरण दे सकते हैं, जैसे वे फलां बच्चे को खेलने नहीं ले जाएंगे, तो उसे बुरा लगेगा या अगर कोई खेल कोई बच्चा ढंग से नहीं खेलता, तो उसे छोड़ देना बच्चे का दिल दुखा सकता है, इस तरह के उदाहरण बच्चों को दूसरों के प्रति ठीक तरह से व्यवहार करने व सहानुभूति का पाठ भी पढ़ाते हैं।

बहाने न बनाएं

बच्चों को कभी इस बात का अहसास नहीं होता कि उनके पास क्या कुछ है। वे हमेशा इस बात से दुखी रहते हैं कि उनके दोस्त के पास उनसे ज्यादा खिलौने हैं या उसने नई साइकिल ली है। यदि बच्चा आपसे महंगे खिलौने या किसी अन्य चीज के लिए जिद करता है तो उसे साफ शब्दों में न कहने की आदत डालें न कि बहाने बनाएं कि उसे जन्मदिन पर उसकी पसंदीदा चीज लाकर देंगे। इसके अलावा आप उसे कुछ नया खरीदने के लिए उसकी पॉकेट मनी से पैसे बचाने की सलाह भी दे सकते हैं।

आभार जताना सिखाएं

माता-पिता बच्चे के लिए प्रेरणास्रोत बनकर इन बातों को सिखा सकते हैं। जैसे उनके पास जो भी है चाहे भोजन हो या सुकून भरा जीवन इसे लेकर वे एक-दूसरे से बात करें। इसके अलावा जो चीजें सामान्य लगती हैं पर बेहद जरूरी हैं जैसे एक-दूसरे को समय देना, साथ घूमने जाना या साथ मिलकर भोजन करने जैसी चीजों को लेकर जब आप कृतज्ञ होंगे तो बच्चा भी ये सब चीजें समझेगा व सीखेगा।

परवरिश करना सिखाएं

बच्चे को किसी पालतू का ध्यान रखने की ज़िम्मेदारी दें। साथ ही हर बच्चे को प्रकृति का आभार व्यक्त करना सिखाना ही चाहिए। उसे पौधों में पानी देने, उसके आसपास से सूखे पत्ते हटाने और पौधे को स्वस्थ रखने की ज़िम्मेदारी दें। उसे समझाएं कि पालना-पोसना आसान काम नहीं होता, साथ ही कुदरत हमें क्या कुछ नेमतें देती है, इसकी भी समय-समय पर जानकारी देते रहें।

रोजगार

सीआईएसएफ अिसस्टेंट इंस्पेक्टर के 1,314 पदों पर भर्ती, फरवरी 2020 में परीक्षा

आवेदन कीआखिरी तारीख 9 दिसंबर 2019 है

एजुकेशन डेस्क. सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ), लिमिटेड डिपार्टमेंटल कंपीटिटिव एग्जाम (स्रूष्ठश्व) का आयोजन करने जा रहा है। परीक्षा के जरिए असिस्टेंट इंस्पेक्टर के 1314 पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार ष्ठढ्ढस्स्न की ऑफिशियल वेबसाइट ष्द्बह्यद्क.द्दश1.द्बठ्ठ. पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन कीआखिरी तारीख 9 दिसंबर 2019 है। परीक्षा का आयोजन 16 फरवरी 2020 को किया जाएगा।

आवेदक की आयु 35 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

जिन उम्मीदवारों के पास ग्रेजुएशन की डिग्री है, वे इन पदों पर आवेदन कर सकते हैं।

उम्मीदवार के पास कांस्टेबल या हेड कांस्टेबल के पद पर कम से कम 5 साल का एक्सपीरियंस होना चाहिए।

उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा, फिजिकल स्टैण्डर्ड टेस्ट (पीएसटी), फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट (पीइटी) और मेडिकल टेस्ट के आधार पर किया जाएगा।

परीक्षा पैटर्न

लिखित परीक्षा में 200 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे जिसके लिए उम्मीदवारों को 3.5 घंटे का समय दिया जाएगा। उम्मीदवार को परीक्षा पास करने के लिए कम से कम 45 प्रतिशत मार्क्स लाना अनिवार्य है।

ऐसे करें अप्लाय

सीआईएसएफ की ऑफिशियल वेबसाइट cisf.gov.in. पर जाएं।

होमपेज पर recruitment टैब पर क्लिक करें।

फॉर्म में मांगी गई जानकारी को ध्यान से पढ़कर भरें।

डॉक्यूमेंट्स और फोटो अप्लोड करें और सबमिट कर दें।

टेस्ट में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले मयंक ने वनडे टीम के लिए पेश किया दावा

नयी दिल्ली। मयंक अग्रवाल की टेस्ट मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी से उनके लिये सीमित ओवरों की टीम में चयन के दरवाजे खुल सकते हैं और यह सलामी बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली श्रृंखला के लिये टीम में जगह बना सकता है। क्रिकेट पंडितों का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में अगर उप कप्तान रोहित शर्मा को अगले साल के शुरू में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे से पहले विश्राम दिया जाता है तो फिर अग्रवाल अच्छे विकल्प हो सकते हैं। रोहित पिछले कुछ समय से लगातार खेल रहे हैं और उन्हें वेस्टइंडीज में खेले गये दो टेस्ट मैचों में मौका नहीं मिला था लेकिन वह टीम में शामिल थे।

भारतीय उप कप्तान न्यूजीलैंड दौरे के लिये तीनों प्रारूपों में टीम का अहम हिस्सा होगा। इस दौरे में भारत को पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों के मैचों में अग्रवाल एक विकल्प हो सकता है जिन्होंने लिस्ट ए में अब तक 50 से अधिक औसत और 100 से ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं तथा 13 शतक ठोके हैं। शिखर धवन की लंबे समय से चली आ रही खराब फार्म तथा केएल राहुल के अलावा एक अन्य विकल्प तैयार रखने की जरूरत से भी अग्रवाल के पक्ष में मामला बन सकता है।

अग्रवाल को विश्व कप के दौरान आखिरी मैचों के लिये चोटिल विजय शंकर की जगह टीम में लिया गया था। उन्हें टूर्नामेंट में खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन इससे यह संकेत मिले कि कर्नाटक का यह बल्लेबाज अपने आक्रामक खेल के कारण सीमित ओवरों की योजना में शामिल है। कई का मानना है कि भारत में 2023 में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अग्रवाल लंबी अवधि का विकल्प हो सकता है क्योंकि हो सकता है कि लगातार खराब फार्म से जूझ रहे धवन तब टीम में न हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और क्रिकेट विश्लेषक दीप दासगुप्ता को अग्रवाल को छोटे प्रारूप में आजमाने में कुछ गलत नजर नहीं आता और वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला इसके लिये उचित मंच हो सकता है। दासगुप्ता ने कहा कि यह अच्छा होगा अगर भारतीय टीम प्रबंधन के दिमाग में सलामी बल्लेबाज के विकल्प के तौर पर मयंक का नाम है। असल में वह सफेद गेंद का नैसर्गिक खिलाड़ी है जिसने बहुत अच्छी तरह से अपने खेल को लाल गेंद की क्रिकेट के अनुकूल ढाला है। उन्होंने कहा कि अगर आप मयंक पर गौर करें तो उनकी प्रतिभा पर कभी सवाल नहीं उठा। उनके पास तमाम तरह के शाट हैं। पूर्व में वह शुरू में तेजी से रन बनाने के बाद विकेट गंवा देता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। अग्रवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की है तथा केवल आठ टेस्ट मैचों में उनके नाम पर दो दोहरे शतक दर्ज हो चुके हैं।

मेरा ध्यान सिर्फ रन बनाने पर, बाकी सब चयनकर्ताओं पर निर्भर : पृथ्वी साव

मुंबई। निलंबन की सजा पूरी कर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में शानदार पारी के साथ वापसी करने वाले मुंबई के युवा खिलाड़ी पृथ्वी साव ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान बल्लेबाजी पर है जिससे कि वह भारतीय टीम में वापसी कर सकें। डोपिंग परीक्षण में नाकाम रहने के बाद बीसीसीआई ने जुलाई में साव पर आठ महीने का प्रतिबंध लगाया था जो 16 मार्च 2019 से 15 नवंबर 2019 तक प्रभावी रहा। वापसी के बाद पहले मुकाबले में 39 गेंद में 63 रन बनाने वाले साव ने कहा कि अब मेरा पूरा ध्यान अधिक से रन बनाने और टीम के लिए, मैच जीतने पर रहेगा। साव ने आदित्य तारे (48 गेंद में 82 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 13.4 ओवर में 138 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी जिससे मुंबई ने असम को 83 रन से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम में वापसी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सिर्फ रन बनाने पर रहेगा। इस बारे में सोचना चयनकर्ताओं का काम है। मेरा काम रन बनाना और टीम को जीत दिलाना है।

पदार्पण टेस्ट में शतकीय पारी खेलने वाले साव के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी करना काफी मुश्किल होगा क्योंकि सालामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल और रोहित शर्मा शानदार लय में हैं। निलंबन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ होगा। जाहिर है मैं निराश था। प्रतिबंध के पहले 20-25 दिन में काफी परेशान था, मैं यह नहीं समझ पा रहा था कि ये कैसे हुआ। मेरे अभ्यास करने पर 15 सितंबर तक रोक लगी थी इसलिए मैं लंदन गया और खुद को मानसिक तौर पर मजबूत करने के लिए काम करना शुरू किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उनकी काफी मदद की। उन्होंने कहा कि मेरे दिमाग में कुछ भी नहीं था। प्रतिबंध के कारण कुछ नहीं कर सकता था। वहां मैंने कई फिटनेस टेस्ट दिये।

उम्मीद है मेरे त्यागपत्र से डीडीसीए का भ्रष्टाचार उजागर होगा : रजत शर्मा

नयी दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने शनिवार को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) को भ्रष्टाचार का अड्डा करार देते हुए अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देने के बाद उम्मीद जतायी कि इस कदम से संघ के हितधारकों को चेतावनी मिलेगी।

शर्मा पिछले साल जुलाई में डीडीसीए के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस विवादित संघ को पारदर्शी तरीके से चलाने की पूरी कोशिश की। शर्मा ने कहा, '' मैं इस इस्तीफे से डीडीसीए के असली चेहरे को उजागर करना चाहता था। आज भी डीडीसीए में ऐसे लोग जुड़े हैं जिनकी दिलचस्पी अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले अनुबंध और निविदाओं को हासिल करने में रहती है। वे खिलाड़ियों के चयन में भी दखलअंदाजी करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसे (इस्तीफे को) खतरे की घंटी की तरह देखा जाना चाहिए ताकि उच्चतम न्यायालय, क्रिकेटरों और बीसीसीआई सहित सभी हितधारकों को पता चले कि इस तरह के निहित स्वार्थ से जुड़े लोग डीडीसीए में हैं। अब उन्हें (उच्चतम न्यायालय, क्रिकेटरों और बीसीसीआई) भविष्य की कार्रवाई तय करनी चाहिए।'' इस वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, ''मैं आराम से अपने कार्यकाल के बचे हुए अगले दो साल तक पद पर बना रह सकता था। लेकिन मुझे लगा कि लोगों को इससे अवगत करना चाहिए। मैं अगर आज इस्तीफा नहीं देता तो यह सदस्यों के लिए अनुचित होता।''

शर्मा ने बयान में कहा, ''यहां क्रिकेट प्रशासन हर समय खींचतान और दबावों से भरा होता है। मुझे लगता है कि यहां निहित स्वार्थ हमेशा क्रिकेट के हितों के खिलाफ सक्रिय रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि डीडीसीए में निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के सिद्धांतों के साथ चलना संभव नहीं है जिनसे कि मैं किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करूंगा।'' शर्मा के त्यागपत्र के कुछ घंटों बाद ही सीईओ रवि चोपड़ा ने भी इस्तीफा दे दिया। क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) के दो सदस्यों सुनील वाल्सन और यशपाल शर्मा ने भी अपना पद छोड़ दिया। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अतुल वासन की अगुवाई वाली चयनसमिति और कोच केपी भास्कर रणजी ट्रॉफी टीम के लिये बने रहते हैं या नहीं। शर्मा पूर्व वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली का समर्थन मिलने पर क्रिकेट प्रशासन से जुड़े थे। डीडीसीए के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि जेटली के निधन के बाद शर्मा कमजोर पड़ गये थे क्योंकि पूर्व वित्त मंत्री संस्था के विभिन्न गुटों को एकजुट रखने में अहम भूमिका निभाते थे। उन्होंने कहा, ''मुझे अपने प्रयास में कई तरह की बाधाओं, विरोध और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बस मुझे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीकों से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकना था।

अफगानिस्तान ने विंडीज को हराया

लखनऊ। 'मैन ऑफ द मैच' करीम जनात (11 रन पर 5 विकेट) के रिकॉर्ड सनसनीखेज स्पेल और साथी गेंदबाजों की जबर्दस्त बॉलिंग की बदौलत अफगानिस्तान ने दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 41 रन से हराकर तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 147 रन का साधारण सा स्कोर बनाया मगर जनात की अगुवाई में अफगान गेंदबाजों ने इसे वेस्टइंडीज के लिये पहाड़ सरीखा बना दिया। कैरेबियाई टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 106 रन ही बना सकी। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

अफगान गेंदबाज अपने 'घरेलू'मैदान पर पहली बार रंग में दिखे। जवाब में वेस्टइंडीज ने सधी हुई शुरुआत की। चौथे ओवर में मध्यम गति के गेंदबाज नवीन उल हक की सीधी गेंद पर किंग के रूप में पहला झटका लगा।

नीदरलैंड, जर्मनी और क्रोएशिया ने यूरो 2020 के लिए किया क्वालीफाई

पेरिस। नीदरलैंड, जर्मनी और विश्व कप के फाइनलिस्ट क्रोएशिया ने शनिवार को यहां यूरो 2020 फुटबाल टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई किया। ऑस्ट्रिया ने भी कई देशों की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लिया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से रोम में शुरू होगा जिसमें अब तक 16 टीमों ने जगह बना ली है।विश्व चैंपियन फ्रांस, स्पेन, इटली और इंग्लैंड पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं जबकि यूरोपियन चैंपियन पुर्तगाल क्वालीफिकेशन से केवल एक जीत दूर है।

नीदरलैंड को विश्व कप 2014 के बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में अपना स्थान पक्का करने के लिये केवल एक अंक की जरूरत थी और उसने बेलफास्ट में उत्तरी आयरलैंड के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेलकर यह अंक हासिल किया। इससे जर्मनी इस ग्रुप में शीर्ष पर भी रहा। जर्मन टीम ने मोनचेंगलाबाच में बेलारूस को 4-0 से करारी शिकस्त दी और लगातार 13वीं बार यूरो के लिये क्वालीफाई किया। क्रोएशिया ने रिजेका में खेले गये मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके स्लोवाकिया को 3-1 से पराजित किया जबकि आस्ट्रिया ने उत्तरी मैसेडोनिया पर 2-1 से जीत दर्ज करके यूरो 2020 में अपनी जगह सुरक्षित की। इससे स्लोवानिया को नुकसान हुआ जो लातविया पर 1-0 से जीत के बावजूद बाहर होने की स्थिति में पहुंच गया है। बेल्जियम ने रूस को 4-1 से हराकर ग्रुप आई में शीर्ष स्थान हासिल किया। वेल्स ने एक अन्य मैच में अजरबेजान को 2-0 से हराया।

सिटसिपास ने फेडरर को हराकर उलटफेर किया, एटीपी फाइनल्स के फाइनल में पहुंचे

लंदन। स्टेफानोस सिटसिपास ने शनिवार को छह बार के चैम्पियन रोजर फेडरर को 6-3 6-4 से हराकर उलटफेर करते हुए एटीपी फाइनल्स के फाइनल में प्रवेश किया।

यूनान का छठा वरीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहा है। 21 साल के खिलाड़ी ने 38 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी को ऑस्ट्रेलियन ओपन में हराया था लेकिन उसके बाद वह दो बार फेडरर से हार चुके हैं। ऑस्ट्रिया के पांचवें वरीय डोमिनिक थिएम शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के गत चैम्पियन एलेक्जैंडर ज्वेरेव से भिड़ेंगे।

जेम्स पैटिनसन पर लगा एक मैच का बैन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेम्स पैटिनसन को एक खिलाड़ी के लिये अपशब्दों का उपयोग करने पर एक मैच के लिये निलंबित कर दिया गया है जिसके कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ इस सप्ताह शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में नहीं खेल पाएंगे। इस तेज गेंदबाज को पिछले सप्ताह विक्टोरिया के क्वीन्सलैंड के खिलाफ शैफील्ड शील्ड मैच के दौरान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि पैटिनसन ने क्या कहा लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसे 'क्षेत्ररक्षण के दौरान एक खिलाड़ी के लिये अपशब्दों का उपयोग करना' बताया। पिछले 18 महीनों में यह तीसरा अवसर है जबकि पैटिनसन ने आचार संहिता का उल्लंघन किया जिसके कारण उन्हें एक मैच के लिये निलंबित किया गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष अधिकारी सीन कैरोल ने बयान में कहा कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम व्यवहार के उच्च मानकों को बनाये रखें और इस मामले में की गयी कार्रवाई से यह पता चलता है। पैटिनसन पर प्रतिबंध लगने से मिशेल स्टार्क का ब्रिस्बेन में गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच खेलने का रास्ता भी साफ हो गया है।

भारत के सात मुक्केबाज एशियाई युवा चैंपियनशिप के फाइनल्स में पहुंचे

उलानबटोर (मंगोलिया)। भारत के सात मुक्केबाजों - दो पुरुष और पांच महिलाओं - ने शनिवार को यहां एशियाई युवा चैम्पियनशिप के फाइनल्स में प्रवेश किया। पुरुषों में सेलाय सॉय (49 किग्रा) और अंकित नरवाल (60 किग्रा) जीत के साथ खिताबी भिड़ंत में पहुंचे जबकि महिलाओं में नाओरेम चानू (51 किग्रा), विंका (64 किग्रा), सनामाचा चानू (75 किग्रा), पूनम (54 किग्रा) और सुषमा (81 किग्रा) ने फाइनल में जगह सुनिश्चित की।

अरुंधति चौधरी (69 किग्रा), कोमलप्रीत कौर (81 किग्रा से अधिक) और जैसमीन (57 किग्रा) ने महिला ड्रा में कांस्य पदक से संतोष किये। पुरुष वर्ग में सतेंदर

सिंह (91 किग्रा) और अमन (91 किग्रा से अधिक) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सेलाय सॉय ने जापान के कुसुके तकामी को जबकि अंकित ने थाईलैंड के ताखुई नोफार्ट को शिकस्त दी। नाओरेम चानू ने चीन की जुआन झाओ, सनामाचा चानू ने चीनी मुक्केबाज को पराजित किया। विंका ने कजाखस्तान की अस्कर बालजान का सफर समाप्त किया जबकि सुषमा ने स्थानीय प्रबल दावेदार बेसेबाएवा माएवा को हराया। पूनम ने भी घरेलू मुक्केबाज जोलजारगल बातूर को मात दी।

शरीर पर विराट के नाम का टैटू, माथे पर वीके

इंदौर। भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच के दौरान यहां शनिवार को सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए होलकर स्टेडियम के मैदान में घुसे 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। वह भारतीय कप्तान विराट कोहली का बड़ा प्रशंसक है और उन्हीं से मिलने की ख्वाहिश पूरी करने के लिये उसने यह हरकत की थी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान मैदान में घुसे युवक पर नजर पड़ते ही उसे पकड़कर हिरासत में ले लिया गया। बाद में मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) की शिकायत पर उसे भारतीय दंड विधान की धारा 448 (किसी स्थान पर अनधिकृत प्रवेश) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

हार के बाद बोले कप्तान मोमिनुल सुधार के लिए अधिक मैच खेलने की जरूरत

इंदौर। भारत से पहले टेस्ट में महज तीन दिन में हार का सामना करने वाले बांग्लादेश के कप्तान मोमिनुल हक ने कहा कि टीम की स्थिति में सुधार के लिए अधिक मैच खेलने की जरूरत है। मोमिनुल ने कहा कि हमें काफी टेस्ट मैच खेलने की जरूरत है। अगर आप देखेंगे तो पिछले सात महीने में हमने सिर्फ दो टेस्ट खेले हैं। हम दूसरी टीमों की तरह टेस्ट मैच नहीं खेलते हैं। मुझे लगता है यही बड़ा अंतर है।

दो मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को बांग्लादेश की दूसरी पारी को 213 रन पर समेट कर भारत ने पारी और 130 रन की जीत दर्ज की। कप्तान ने इस मौके पर कोच डोमिंगो के बयान का समर्थन किया जिसमें उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश को इस प्रारूप में बेहतर नजीता हासिल करने के लिए भारतीय टीम की तरह सांस्कृतिक बदलाव की जरूरत है । डोमिंगो ने गुरुवार को कहा था कि भारतीय टीम अब टेस्ट मैचों में घरेलू मैदान पर जीत के लिये अपने तेज गेंदबाजों पर भी निर्भर कर सकती है। मोमिनुल ने कहा कि मुझे लगता है कोच ने जो कहा वह सही होगा। हम इस बारे में श्रृंखला खत्म होने के बाद चर्चा कर सकते हैं। हमें शायद तुरंत नतीजे नहीं मिले। टीम को दो-तीन साल में इसका फायदा होगा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दो गोल्ड सहित जीते 9 पदक

दुबई। भारत ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अब तक के सबसे अधिक नौ पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया जिससे देश नौ दिन तक चली प्रतियोगिता की पदक तालिका में 24वें स्थान पर रहा। चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल नौ पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके साथ ही तोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों के लिए 13 कोटे भी हासिल किये।

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लंदन 2017 में था जहां देश के पैरा खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण सहित पांच पदक हासिल किये थे और टीम तालिका में संयुक्त 34वें स्थान पर रही थी। चीन 25 स्वर्ण सहित 59 पदक लेकर शीर्ष पर रहा। उसके बाद ब्राजील (39) और ग्रेट ब्रिटेन (28) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय पैरालंपिक समिति के अंतरिम अध्यक्ष गुरशरण सिंह ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने तोक्यो में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा कि मुझे आशा है कि सभी खिलाड़ी तोक्यो 2020 में और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने भारत में पैरालंपिक आंदोलन का समर्थन और योगदान दिया है।

सौरव गांगुली को राहत, आचरण अधिकारी ने हितों के टकराव की शिकायत खारिज की

नयी दिल्ली। बीसीसीआई के आचरण अधिकारी डी के जैन ने बोर्ड अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली के खिलाफ हितों के टकराव की शिकायत खारिज कर दी। मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता ने चार अक्टूबर को यह शिकायत दर्ज की थी जब गांगुली बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के अध्यक्ष थे। इसमें उन्होंने दावा किया था कि वह कैब अध्यक्ष और बीसीसीआई एजीएम में इसके प्रतिनिधि के रूप में कई पद पर काबिज हैं।

जैन ने कहा कि भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के मौजूदा संविधान के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक ही समय में कई क्रिकेट भूमिकायें अदा नहीं कर सकता है। उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि गांगुली ने 23 अक्टूबर को बीसीसीआई अध्यक्ष पद का भार संभालते हुए कैब अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया जिससे उनका कोई भी हितों का टकराव नहीं है।

संबद्ध डिग्री कॉलेजों में नामांकन घोटाला, 10 विश्वविद्यालय भी जांच के घेरे में

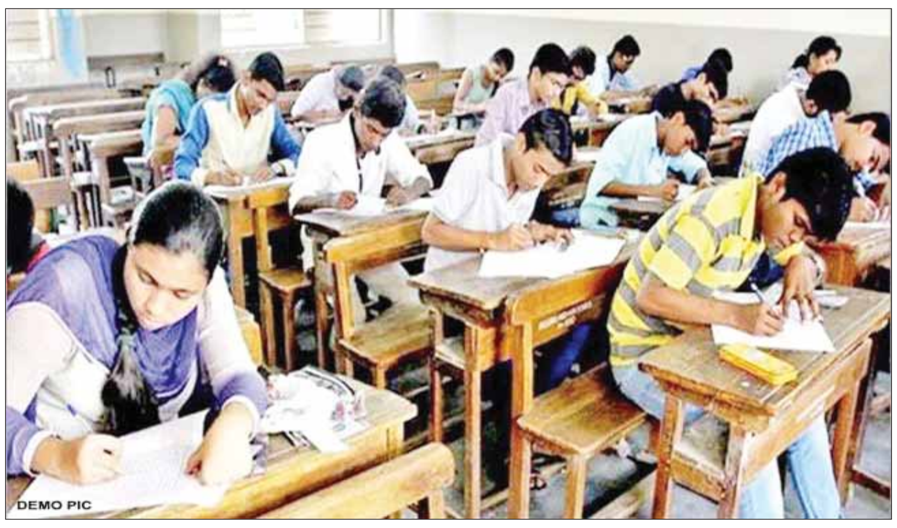

पटना। बिहार में अनुदान पाने हेतु संबद्ध डिग्री कॉलेज तरह-तरह के खेल कर रहे हैं। हर साल करोड़ों का अनुदान पाने की होड़ में तमाम सरकारी नियम-परिनियम की धज्जियां उड़ायी जा रही हैं। स्वीकृत सीटों से दो गुना छात्रों का दाखिला लेने और फिर तीन गुना छात्रों का परीक्षा में शामिल कराने जैसे फर्जीवाड़े सामने आते ही शिक्षा विभाग ने जांच करने का आदेश दिया है। शक के दायरे में वो 10 विश्वविद्यालय भी आ गए हैं, जिन्होंने 222 संबद्ध डिग्री कॉलेजों की गड़बड़ी करने में साथ दिया है। जांच की आंच अब प्रति कुलपतियों, कुलसचिवों, परीक्षा नियंत्रकों और कॉलेज निरीक्षकों तक पहुंच चुकी है।

कमोवेश सभी संबद्ध डिग्री कॉलेजों में अनियमितता

शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ऐसा एक भी डिग्री कॉलेज नहीं पाया गया है, जिसे क्लीन चिट दिया जा सके। कमोवेश सभी संबद्ध डिग्री कॉलेजों में अनियमितता पकड़ी गई हैं। बड़ी संख्या में ऐसे कॉलेज हैं, जहां अस्थायी संबधन या बिना संबधन के हजारों की संख्या छात्रों का नामांकन किया गया और परीक्षा पास कराकर अनुदान का दावा सरकार से किया है। अनुदान प्रस्ताव की जांच में कई अनियमितताएं पकड़ी गई हैं। संबंधित विश्वविद्यालयों से शिक्षा विभाग के प्रपत्र में दिए गए बिदुओं के आधार पर जांच रिपोर्ट 15 दिनों में मांगी गई है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि संबद्ध डिग्री कॉलेजों को अनुदान नहीं रोका जाएगा। लेकिन अनुदान नियम-परिनियम के आलोक में निर्धारित मानदंड की जांच पर खरा उतरने वाले कॉलेजों को ही दिया जाएगा। संबंधन प्राप्त कॉलेजों को जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा। उतनी ही अनुदान राशि मिलेगी, जितनी सीटों पर नामांकन सरकार द्वारा स्वीकृत शैक्षणिक सत्रों, संकायों, विषयों एवं सीटों पर नियम-परिनियम के तहत लिया गया होगा।

बीआरए बिहार विवि (मुजफ्फरपुर) में ऐसे दर्जन से ज्यादा कॉलेज के नाम सामने आए हैं, जहां जिन विषयों की मान्यता नहीं थी, उनमें भी 3786 छात्रों को परीक्षा दिलाकर पास कराया गया। यहां सर्वाधिक गड़बड़ी यह मिली कि एक कॉलेज में 1700 सीटों स्वीकृति थी, लेकिन वहां 3456 छात्रों का नामांकन लिया गया। मगर दिलचस्प यह कि इसी कॉलेज ने नामांकन के विरुद्ध 5340 छात्रों का परीक्षा फार्म भरवाकर उन्हें पास कराया।

इसी तरह मगध विवि (बोधगया), वीर कुंवर सिंह विवि (आरा), जय प्रकाश विवि (छपरा), बीएन मंडल विवि (मधेपुरा), तिलका मांझी भागलपुर विवि, मुंगेर विवि, पाटलीपुत्र विवि, एलएल मिश्र मिथिला विवि एवं कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विवि से 47 संबद्ध डिग्री कॉलेजों में पास कोर्स की स्वीकृति के विरुद्ध आनर्स कोर्स में छात्र-छात्राओं का दाखिला लिया और परीक्षा में उत्तीर्ण भी कराया।

लंबे अरसे चल आ रही थी गड़बड़ी

वर्ष 2008 में बिहार सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसले में सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों को रिजल्ट के आधार पर अनुदान राशि देना आरंभ किया था। तभी अनुदान पाने की होड़ में ऐसे कॉलेजों ने गड़बड़ी शुरू कर दी। शैक्षणिक सत्र 2009-12 में रिजल्ट के नाम पर 288 करोड़ 37 लाख 19 हजार रुपये अनुदान दिया गया, लेकिन 78.45 करोड़ रुपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र शिक्षा विभाग को नहीं दिया। तब सीएजी ने आपत्ति की थी, लेकिन यह मामला जस का तस बना रहा। विभाग के एक आला अफसर ने स्वीकार किया कि शिक्षा माफिया के इस कारनामे से सरकार के भरोसे को धक्का पहुंचा है। सरकार ने सत्र 2009-12 में कॉलेजों को उनके उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के संख्या बल के दावे पर भरोसा कर अनुदान राशि दी थी। मगर इस भरोसे पर खरे नहीं उतरे। इस बार विवि और कॉलेज से संकाय और विषयवार, संबद्धन प्रमाण पत्र, स्वीकृत सीटों, नामांकन, रजिस्ट्रेशन एवं परीक्षा में शामिल छात्रों की संख्या आदि की जांच करायी जा रही है।

छत से गिरकर राजमिस्त्री की मौत

छपरा। भगवानबाजार थाना क्षेत्र के श्यामचक में जगलाल चौधरी कॉलेज के पास भवन निर्माण कार्य में लगे एक राजमिस्त्री की मौत छत से गिरने से हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक जलालपुर थाना क्षेत्र के मखनपुरा गांव निवासी 52 वर्षीय बलराम प्रसाद थे। इस मामले में पुत्र निक्कू कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें कहा गया कि गृह निर्माण कार्य के दौरान छत से गिरकर उसके पिता घायल हो गए, उन्हें रात में इलाज के लिए अस्पताल लाया गया। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

नदी किनारे मिली संरचना है कुषाण कालीन

डोरीगंज। सदर प्रखंड के दफ्दरपुर गांव में गुरुवार को नदी किनारे खुदाई के दौरान सामने आई ईट की दीवार कुषाणकालीन है। ये बात आर्कियोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ अतुल कुमार वर्मा ने कही है। उन्होंने इसका फोटो देखने के बाद यह बातें कही हैं।

उन्होंने बताया कि पहली शताब्दी कुषाण काल मानी जाती है। चिरांद के आस-पास लगातार इस तरह की संरचना का मिलना यह दर्शाता है कि यहां एक बहुत बड़ा शहर तथा व्यापार केंद्र रहा होगा। उन्होंने कहा कि चिरांद में पूर्व की खुदाई में भी आवासीय संरचना प्राप्त हुई थी। संभवतः यह पहली बार था कि उस आवासीय परिसर के अन्दर ही अटैच लैट्रिन-बाथरूम की संरचना थी। इससे यह पता चलता है कि उस समय के लोग स्वच्छता के प्रति काफी जागरूक थे। डॉ वर्मा ने कहा कि भविष्य में चिरांद के आसपास वृहद् रूप से खनन कराने की आवश्यकता है ताकि वहां से और भी चीजें सामने आएं। उन्होंने कहा कि जल्दी एक टीम दफ्फदरपुर पहुंचेगी। गौरतलब है की चिरांद पुरातत्व की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण स्थल है यहां खुदाई में कई सभ्यता व संस्कृति के अवशेष मिले हैं। यहां उत्खनन का कार्य 1962-63 में ही आरम्भ हो गया था।

पुलिस अधिकारी को महंगी पड़ी रंगीनमिजाजी; लोगों ने उतारा आशिकी का भूत, गिरफ्तार

मधेपुरा। बिहार में एक पुलिस अधिकारी की करतूत से फिर खाकी वर्दी शर्मसार हुई है। मामला मधेपुरा के चौसा थाना क्षेत्र के अंतर्गत फुलौत ओपी में पदस्थापित सहायक दारोगा (एएसआइ) के एक घर में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ जाने का है। ग्रामीणों ने उसकी पिटाई कर इश्क का भूत उतार दिया। फिर, रात भर कमरे में बंधक बनाए रखा। शनिवार की सुबह में एसडीपीओ व डीएसपी ने लोगों को समझाकर दारोगा को छुड़ाया। अब प्रथमदृष्टया उसे दोषी मानते हुए उसे निलंबित करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है।

देर रात युवती के घर में घुस गया एएसआइ

बताया जाता है कि एएसआइ प्रभाकर राय रात में 11.15 बजे एक विधवा युवती के घर में घुस गया था। घर में युवती अपनी बेटी के साथ थी। जब काफी देर तक वह घर से नहीं निकला तो ग्रामीणों को शक हुआ। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फुलौत ओपी प्रभारी को दी।

आपत्तिजनक स्थिति में देख ग्रामीणों ने की पिटाई

इसके बाद भी जब एएसआइ काफी देर तक बाहर नहीं आया तो ग्रामीण वहां पहुंच गए। ग्रामीणों के अनुसार उन्होंने एएसआइ को युवती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखकर उसकी पिटाई कर दी। साथ ही उसे बंधक बना लिया। घटना की जानकारी मिलने पर रात में पांच थानों की पुलिस के साथ डीएसपी सीपी यादव फुलौत पहुंचे। सुबह एसडीओ एसजेड हसन व डीएसपी सीपी यादव ने ग्रामीणों को समझाकर एएसआइ को छुड़ाया।

घटना को लेकर बड़ी संख्या मे ग्रामीणों ने फुलौत ओपी प्रभारी को लिखित सूचना भी दी है। उधर, आरोपित एएसआइ का कहना है कि वह महिला के घर बुलावे पर खाना खाने गया था। उसने आपत्तिजनक हालत में होने की बात से इनकार किया है।

आरोपित निलंबित, गिरफ्तार

इस बाबत उदाकिशुनगंज के एसडीएम एसजेड हसन ग्रामीणों ने एक महिला के घर में एएसआइ प्रभाकर राय को पकड़ा। आरोपित दारोगा के खिलाफ ग्रामीणों की सूचना की जांच के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल उसको निलंबित कर दिया गया है। लोगों की शिकायत पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एसडीपीओ सीपी यादव ने कहा कि कानून सभी के लिए बराबर है।

छपरा-बलिया रेलखंड पर फरवरी से दौड़ेगी ट्रेनें : डीआरएम

छपरा। पूर्वोत्तर रेलवे के छपरा-बलिया रेलखंड पर छपरा- गौतम स्थान के बीच दोहरीकरण का कार्य फरवरी माह में पूर्ण करा लिया जाएगा और उस पर ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जायेगा। उक्त बातें मंडल रेल प्रबंधक विजय कुमार पंजियार ने छपरा जंक्शन का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि फरवरी माह में ही छपरा जंक्शन यार्ड के रिमॉडलिग का काम जनवरी में कराया जाएगा तथा छपरा जंक्शन-छपरा कचहरी के बीच तीसरी लाइन को चालू कर दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि रेल प्रशासन यात्रियों को उच्च गुणवत्ता युक्त अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति संकल्पित है। उन्होंने कहा कि दोहरीकरण तथा विद्युतीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। ट्रेनों की परिचालन ससमय सुनिश्चित करने और गति को बढ़ाने की दिशा में भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गये हैं। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2020 में छपरा जंक्शन के सेकेंड इंट्री गेट को चालू कर दिया जायेगा। डीआरएम ने कहा कि छपरा जंक्शन स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विकास तथा विस्तार की व्यापक योजना बनाई गई है। इसको लेकर आज निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, प्रकाश की व्यवस्था, यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, बाहरी परिसर को सुंदर व आकर्षक बनाने के अलावा अन्य आधुनिक सुविधा बहाल करने की दिशा में भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि बाहरी परिसर में वाहन पार्किंग की व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिया गया है। यात्री प्रतीक्षालय, अनारक्षित टिकट बुकिंग काउंटर परिसर समेत कई स्थानों पर विद्युत वायरिंग को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम चल रहा है। पहले से खराब पड़े सीसीटीवी कैमरा भी बदले जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्लेटफार्म पर किसी भी हालत में मोटरसाइकिल तथा साइकिल नहीं खड़ी होनी चाहिये। इसके लिए आवश्यक निर्देश दिया गया है। उन्होंने पार्सल घर का भी निरीक्षण किया और वहां प्रदर्शित डाटा की जांच की। उन्होंने कहा कि पार्सल से संबंधित डाटा को हमेशा अपडेट रखें। पार्सल में उतार कर रखे गए सामानों को व्यवस्थित तरीके से रखे जाने का निर्देश दिया। इस दौरान डीआरएम ने सीडीओ ऑफिस, जनरल टिकट बुकिंग, कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र, पे एंड यूज शौचालय, रनिग रूम, डीजल लॉबी समेत अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया। स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का भी उन्होंने में जायजा लिया। खानपान स्टाल, जन आहर केंद्र, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफार्म, बाहरी परिसर का भी जायजा लिया। उन्होंने सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया। इस मौके पर उनके साथ मंडल के सभी अधिकारी मौजूद थे। वह दिन में लखनऊ छपरा एक्सप्रेस ट्रेन से पहुंचे और करीब 3 घंटे तक छपरा जंक्शन का निरीक्षण किया। इसके पश्चात विशेष ट्रेन से छपरा बलिया खंड का निरीक्षण करते हुए वाराणसी के लिए प्रस्थान कर गए।

बिछुड़े लोगों को पार्टी से जोड़ेगा राजद

पटना। संगठन चुनाव के शुरू होने से पहले 10 अक्टूबर तक राज्य भर में चलाए गए सदस्यता अभियान के लिए राजद ने प्रत्येक बूथ पर कम से कम चार सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा था। चार सक्रिय सदस्य का मतलब कम से कम 100 प्राथमिक सदस्य। राजद में कोई भी सक्रिय सदस्य तभी बन सकता है, जब वह कम से कम 25 लोगों को सदस्य बना लेगा। अभियान के बाद समीक्षा के क्रम में यह बात सामने आ रही कि कई बूथ लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंचे हैं। कहीं एक-दो तो कहीं एक भी सदस्य नहीं है। अब कमजोर बूथों पर विशेष अभियान चलाकर राजद लोगों को जोडने की कोशिश करेगा। यह अभियान संगठन चुनाव की प्रक्रिया के संपन्न हो जाने पर 10 दिसंबर के बाद चलाया जाएगा। इतना ही नहीं, अपने बिछुड़े लोगों को भी राजद पार्टी से जोड़ेगा। इसकी भी रणनीति बनाई जा रही है।

राजद में संगठन चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान देखा गया कि तेजस्वी यादव की जनसभाओं में भीड़ तो काफी आ रही थी, लेकिन वह वोट में तब्दील नहीं हो सकी। इसकी प्रमुख वजह यह थी कि सभी बूथों पर राजद सदस्यों और समर्थकों की दमदार मौजूदगी नहीं थी। किसी बूथ पर ज्यादा तो किसी बूथ पर कम। कुछ बूथ तो बिल्कुल साफ थे।

लोकसभा चुनाव की हार से सबक लेते हुए अब सभी बूथों पर सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए सभी बूथों पर सक्रिय सदस्यों की संख्या कम से कम चार तक पहुंचानी है। हालांकि कुछ ऐसे भी बूथ हैं, जहां सक्रिय सदस्यों की संख्या सात-आठ के पार पहुंच गई है। दोबारा चलाए जाने वाले अभियान में सिर्फ उन्हीं बूथों पर फोकस किया जाएगा, जो तुलनात्मक रूप से कमजोर हैं या जहां सदस्य बनाने में सामाजिक समीकरण का ध्यान नहीं रखा जा सका है।

संगठन के विभिन्न पदों पर आरक्षण की व्यवस्था करके राजद के शीर्ष नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि वह अब सबको साथ लेकर चलना चाहता है। विशेष अभियान में वैसे सदस्यों को जोड़ा जाएगा जो कभी राजद के प्रबल समर्थक थे। किंतु बाद की परिस्थितियों में किसी वजह से अन्य दल में चले गए हैं। ऐसे सदस्यों की वापसी के लिए मुख्यालय स्तर से प्रयास किया जाएगा।

विलुप्त हो रहे सफेद गिद्ध के मिले चार बच्चे

15 वर्षों के बाद आया नजर; विशेषज्ञ मान रहे शुभ संकेत

बेगूसराय। सफेद गिद्ध विलुप्त होते जा रहे हैं। लेकिन लोगों में खुशी का ठिकाना तब नहीं रहा, जब विलुप्त हो रहे सफेद गिद्ध के आधा दर्जन बच्चों को एक साथ देखा गया। हालांकि दो बच्चों को गिद्ध अपने साथ लेते गए, लेकिन बाकी के चार बच्चे जमीन पर ही रह गए। मामला बिहार के बेगूसराय का है। तब स्थानीय लोगों ने बच्चों को सुरक्षित रखा और फिर वन विभाग के हवाले कर दिया।

विशेषज्ञ मान रहे हैं शुभ संकेत

वन विभाग सफेद गिद्ध के बच्चों को सुरक्षित रखनेवाले लोगों को पुरस्कृत करेगा। पक्षी और पर्यावरण विशेषज्ञ गिद्ध के प्रजनन को लेकर अच्छा संकेत मान रहे हैं। इसके परिवार के खोज खबर एवं अनुकूल वातावरण तैयार कर यहां इसके प्रजनन केंद्र बनाने की बात कह रहे हैं।

अचानक सामने आ गए

गिद्ध के छह बच्चे

बेगूसराय के छौड़ाही प्रखंड के अमारी गांव के बहियार में विलुप्तप्राय सफेद गिद्ध के छह नवजात बच्चे अचानक शनिवार को सामने आ गए। अमारी बहियार में छौड़ाही निवासी कैलाश चौधरी ने ताड़ के पेड़ पर छह गिद्ध के नवजात बच्चों को देखा। इसी बीच दो बच्चे को लेकर बड़ा गिद्ध उड़ गया। चार बच्चे जमीन पर आ गए, जिसे कैलाश चौधरी संभालकर अपने घर ले आये एवं बिछुड़े लोगों को पार्टी से जोड़ेगा राजद, बनाई जा रही रणनीति; फिर चलाएगा सदस्यता अभियान

आलोक वर्णवाल ने दैनिक जागरण को इसकी जानकारी देते हुए वन विभाग से संपर्क करने की मांग की। सूचना पर वन विभाग के रेंजर डी सिंह ने पटना मुख्यालय के वन विभाग के वरीय पदाधिकारी को तस्वीर भेजकर इसकी पहचान करने का अनुरोध किया और पक्षी को सुरक्षित रखने संबंध में मार्गदर्शन मांगा।

कांवर के पशु- पक्षियों पर शोध कर रहे वन व पर्यावरण कार्यकर्ता राजेश कुमार सुमन व अनीस कुमार बताते हैं कि सफ़ेद गिद्ध पौराणिक समय का गिद्ध है जो पहले पश्चिमी अफ्रीका से लेकर उत्तर भारत, पाकिस्तान और नेपाल में पाया जाता था, लेकिन अब सीमित संख्या में पाए जाते हैं। 15 वर्ष से एक भी सफेद गिद्ध इलाके में नजर नहीं आया है। इसे अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने संकटग्रस्त घोषित कर दिया है। भारत में इसकी जो उप प्रजाति पाई जाती है, उसका वैज्ञानिक नाम नियोफार्म परस्नोप्ट्रस है।

वन विभाग के मंझौल रेंज के रेंजर डी सिंह ने बताया कि सूचना पर तुरंत कार्रवाई की गई है। पटना से विशेषज्ञ की टीम पहुंची है। उन्हें गिद्ध के नवजातों को सौंप दिया गया है।

जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष का नागरिक अभिनंदन

तरैया। तरैया बाजार स्थित श्रीरामजानकी ठाकुरबाड़ी परिसर में रविवार को जदयू अतिपिछड़ा के प्रदेश अध्यक्ष संतोष महतो का स्वागत किया गया। विधानसभा क्षेत्र के तरैया, इसुआपुर व पानापुर प्रखंडों के जदयू कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का गाजे-बाजे, के साथ अभिनंदन किया।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने भी कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह मेरा नहीं तरैया क्षेत्र के जदयू कार्यकर्ताओं का अभिनंदन है। समारोह की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार सिंह कुशवाहा ने की। मौके पर धर्मेन्द्र साह, वीरेन्द्र सिंह, मुखिया प्रतिनिधि विनोद मांझी, रत्नेश भास्कर, मो असलम,अर्जुन युवराज, शोएब आलम, चंदेश्वर राम, अनिल सिंह कुशवाहा, शामशाद हुसैन, सुरेन्द्र चौहान, हरेंद्र महतो, रामू चौधरी, छठी लाल प्रसाद, मुन्ना महतो, रामधनी राम, ज्ञानती नट समेत दर्जनों प्रदेश व जिले के नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुशवाहा का बा ऐलान, 26 नवंबर से करेंगे आमरण-अनशन

पटना। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री उपेंद्र कुशवाहा 26 नवंबर से आमरण अनशन करेंगे। शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे मरने का शौक नहीं है, लेकिन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता देख यह निर्णय लिया है।

कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। मैं पिछले दो साल से इसके खिलाफ लगातार आंदोलन कर रहा हूं। राज्य सरकार को मैंने 15 नवंबर तक का समय दिया था कि वह शिक्षा में सुधार के लिए उचित कदम उठाए। अब यह अवधि शुक्रवार को समाप्त हो गई।

उन्होंने कहा कि सात जिलों में अब तक केंद्रीय विद्यालय की स्थापना नहीं हो सकी है। मैंने मंत्री रहते औरंगाबाद और नवादा सहित देश के 13 स्थानों पर केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति दी थी, मगर राज्य सरकार ने अब तक इसके लिए औपचारिकता तक पूरी नहीं की है।

रालोसपा प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 19 सितंबर, 2019 को एक बार फिर केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने राज्य सरकार को इन दो स्कूलों के लिए पत्र लिखा। लेकिन दो माह बीतने को है, अब तक राज्य सरकार ने कोई पहल नहीं की है।

स्वतंत्रता संग्राम में अहम रही है बिहार की भूमिका

अमनौर। होती लाल रामनाथ महाविद्यालय, अमनौर मे शनिवार को इतिहास विभाग की ओर से परिचर्चा का आयोजन किया गया। देश के स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के योगदान विषय पर आयोजित परिचर्चा की अध्यक्षता प्राचार्य डा सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में बिहार की चर्चा नहीं करना, बेमानी होगी। चंपारण सत्याग्रह स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिक्षक डॉ सूर्यदेव राम ने स्वतंत्रता के कई आयाम पर चच्रा की। डॉ उमेश मल्लिक ने पलासी के युद्ध से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक की चर्चा की। डॉ कमलेश कुमार ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में विदेशी वस्त्र त्याग, किसान आंदोलन की भूमिका पर प्रकाश डाला। मौके पर प्रो कपिलदेव नारायण सिंह, डॉ पप्पू कुमार, प्रो मनीष कुमार, डॉ रणजीत कुमार, रोजी कुमारी, सिद्धि कुमारी, शबाब हुसैन, नीरज कुमार, वंदना कुमारी, सूरज कुमार, राकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

ब्रेकअप के बाद न देखें अक्षय कुमार का फिलहाल गाना, आंसू रुक नहीं पाएंगे

नयी दिल्ली। कुछ जज्बात ऐसे होते है जिनको शब्दों में नहीं बांधा जाता ब्लकि महसूस किया जाता है, तभी उस एहसास की सच्चाई को पहचाना जा सकता है। कुछ ऐसे ही एहसास वाला अक्षय कुमार अपना पहला पहला म्यूजिक वीडियो फिलहाल लेकर आये है जो इस समय धूम मचा रहा है। हर तरह अक्षय कुमार के म्यूजिक वीडियो फिलहाल की स्टोरी लाइन की चर्चा हो रही है। बॉलीवुड में कुछ ऐसे सिंगर है जिनके गाने सुनकर आप इमोशनल हो जाते हो, इस लिस्ट में अरजीत सिंह का नाम सबसे ऊपर आता है लेकिन पंजाबी सिंगर बी प्राक ऐसे सिंगर है जिनके गाने सुनकर आंखों में आंसू आ जाते है। फिलहाल को

भी सिंगर बी प्राक ने ही गाया है। हर गाने की तरह इस गाने को भी लेखक और गीतकार जानी ने लिखा है। म्यूजिक वीडियो का निर्देशन अरविन्द्र खैरा ने किया है। इस गाने में एक्टिंग से एहसास डाले है अक्षय कुमार और कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने, जिनकी लव स्टोरी सच्ची है लेकिन अधूरी है।

फिलहाल की कहानी

गाने की स्टोरी लाइन है अधूरे प्यार की कहानी है। जैसा की मैंने आपको पहले ही बताया था कि कुछ एहसासों को शब्दों में बयां करना मुश्किल है वेसे ही इस कहानी को भी शब्दों में बताना थोड़ा मुश्किल हैं लेकिन कोशिश करती है- गाने की शुरूआत में नूपुर सेनन का एक्सीडेंट हो जाता है उसे अस्पताल लेकर एंबुलेंस लेकर आती है। वहीं अस्पताल में अक्षय कुमार डॉक्टर होते है अक्षय कुमार ऐसी जिंदगी जी रहे है जिसमें उनके पास सब कुछ है बस वो नहीं जो वो चाहते थे। अपनी सच्चे प्यार को अस्पताल के बेड पर खून से लथपथ देख कर वह हैरान हो जाते हैं और कहानी फ्लैश बैक में चले जाते हैं कि कैसे उनकी लव स्टोरी अधूरी रह गई। इस अधूरी प्यार की कहानी को जानने के लिए आपको गाना देखना पड़ेगा।

रिव्यू

म्यूजिक वीडियो के हिसाब से वीडियो एक दम परफेक्ट है। अक्षय कुमार ने एक बार फिर साबित कर दिया की वह रोमांस के मामले में किसी से कम नहीं है। 52 साल के अक्षय कुमार ने गाने में अपने रोमांटिक अंदाज से जान डाल दी है। फिल्म में इमोशनल सीन से आप खुद को जोड़ कर देख सकते है। गाने में नूपुर सेनन बेहद प्यारी लग रही हैं। हॉस्पिटल में जब उन्हें लेकर आया जाता है तो उनके चेहरे की मासूमियत लोगों को आकर्षित करती है। गाने को बी प्राक ने गाया है। उनकी आजाव और जानी के बोल ने गाने को अलग लेवल पर पहुंचा दिया है। गाना यूट्यूब पर धमाल मचा दिया है।

विषय केंद्रित फिल्में भी तय फॉर्मूले के तहत बनती है : नवाजुद्दीन सिद्दीकी

मुंबई। हिंदी सिनेमा में इन दिनों भले ही विषय केंद्रित फिल्मों का बोलबाला हो लेकिन अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी का मानना है कि ये फिल्में भी तय फॉर्मूले पर बनती हैं, जैसा कि बॉलीवुड की मुख्य धारा की फिल्मों के साथ है। उन्होंने सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्मों को 'प्रोपगैंडा यानी प्रचार' बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की फिल्में मुख्य रूप से एक विषय के आस-पास घूमती हैं लेकिन वह मुख्यधारा वाली फिल्मों के ट्रेंड्स के अनुसार बनाई जाती हैं।

सिद्दीकी ने एक साक्षात्कार में बताया, ''ये प्रोपगैंडा फिल्म हैं, जिसमें आप एक मुद्दे को राष्ट्रीय संकट की तरह उठाते हैं। यह सिनेमा नहीं है। मैं नहीं मानता कि यह सिनेमा है। मैं इसमें विश्वास रखता हूं या नहीं, यह अलग चीज है।'' अभिनेता ने कहा, ''लोग इसे विषय वस्तु वाली फिल्म बताते हैं लेकिन इसे बनाने का तरीका बॉलीवुड की सफल कारोबारी फिल्मों की तरह है, जिसमें पांच गाने होते हैं, नृत्य होता है और आइटम नंबर होता है। इसलिए, हम कैसे उसे अच्छी विषय वस्तु वाली फिल्म बता सकते हैं।''

हालांकि, अभिनेता इस तरह की फिल्मों में काम करने के विरुद्ध नहीं हैं। उनका कहना है कि अभी ऐसी ही फिल्में चल रही हैं। उन्होंने कहा, '' जैसा कि आप एक मुद्दा उठाते हैं, इसमें पांच गाने जोड़ते हैं और इसे विषय वस्तु वाली फिल्म बताते हैं। यहां तक कि मैंने भी ऐसा करना शुरू कर दिया है।''

अभिनेता की फिल्म 'मोतीचूर चकनाचूर' हाल ही में रिलीज हुई है। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है।

अस्पताल में नजर आए ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार, किसकी है तबीयत खराब?

मुंबई। अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की मां बेट्टी कपाड़िया को मुंबई के उपनगरीय खार इलाके में स्थित हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अस्पताल के सूत्रों ने बिना किसी विस्तृत जानकारी दिए हुए बताया कि उन्हें 14 नवंबर को अस्पताल में भर्ती किया गया था। वह आईसीयू में हैं। इससे पहले ऐसी अफवाह थी कि डिंपल कपाड़िया खुद अस्पताल में भर्ती हैं। दरअसल उनकी बेटी ट्विंकल खन्ना और दामाद अक्षय कुमार अस्पताल के बाहर नजर आए थे जिसके बाद इन खबरों को बल मिल रहा था। डिंपल कपाड़िया हॉलीवुड निर्देशक क्रिस्टोफर नॉलन की फिल्म 'टेनेट' में नजर आने वाली हैं।

केआईएफएफ समारोह में द वीपिंग वुमन को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फिल्म का पुरस्कार मिला

कोलकाता। स्पेनिश फिल्म द वीपिंग वुमन ने 25वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (केआईएफएफ) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा श्रेणी में गोल्डन रॉयल बंगाल टाइगर पुरस्कार जीता है। इसी साल आई इस फिल्म का निर्देशन जेयरो बुस्तामांते ने किया है।

फिल्म अभिनेत्री शबाना आजमी द्वारा फिल्मोत्सव के दौरान इस फिल्म के लिये 51 लाख रुपये नकद और 'गोल्डन रॉयल बंगाल टाइगर ट्रॉफी' प्रदान की गयी। वेकलाव मारहोल द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म द पेंटेड बर्ड को

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार से नवाजा गया। इस फिल्म को 21 लाख रुपये नकद और 'गोल्डन रॉयल बंगाल क्राउन' प्रदान किया गया। इस फिल्मोत्सव का समापन शुक्रवार को हो गया।

टीवी की एक एक्ट्रेस ने जूनियर एक्टर पर लगाया रेप का आरोप

चंडीगढ़। टीवी की एक अदाकारा से शादी का झांसा देकर कथित तौर पर दुष्कर्म करने वाले एक जूनियर कलाकार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। यमुनानगर पुलिस ने शनिवार को इस बारे में बताया। यमुनानगर में महिला थाने की प्रभारी सीमा देवी ने बताया कि आरोपी विनीत वर्मा (24) फरार है और उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। शिकायत करने वाली अदाकारा को एक महीने का गर्भ है। उसने पुलिस को बताया कि वह अपना जन्मदिन मनाने के लिए पिछ्ले महीने यमुनानगर आयी थी और जगधारी निवासी आरोपी के साथ एक होटल में रही थी। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे शादी का वादा किया था, लेकिन बाद में वह मुकर गया। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत 12 नवंबर को की गयी थी और उसी दिन प्राथमिकी दर्ज की गयी।

लता मंगेशकर के जबरा फैन ने सहेजे उनके गीतों के 7,600 दुर्लभ ग्रामोफोन रिकॉर्ड

इंदौर। डिजिटल तकनीक की मेहरबानी के चलते आज इंटरनेट पर चंद पलों में मौसिकी का बड़ा खजाना आसानी से खोला जा सकता है। लेकिन एक दौर वह भी था, जब संगीत के संग्रह ग्रामोफोन रिकॉर्ड के जरिये लोगों के कानों तक पहुंचते थे। गुजरे दौर की इसी सुरीली विरासत को सहेजने के लिये, मशहूर गायिका लता मंगेशकर के एक प्रशंसक ने उनके गाये गीतों के दुर्लभ ग्रामोफोन रिकॉर्ड जमा किये हैं।

इस इंदौर स्थित संग्रह के मालिक सुमन चौरसिया (69) ने रविवार को बताया कि मैं बचपन से लताजी का प्रशंसक हूं। मैंने उनके गाये गानों के ग्रामोफोन रिकॉर्ड वर्ष 1965 से सहेजने शुरू किये थे। फिलहाल मेरे पास ऐसे करीब 7,600 ग्रामोफोन रिकॉर्ड का संग्रह है। इनमें वे दुर्लभ गीत हैं जो

लताजी ने देशी-विदेशी भाषाओं और बोलियों में गाये हैं।

चौरसिया ने बताया कि वर्ष 2008 में उन्होंने इस संग्रह को व्यवस्थित करने के लिये संग्रहालय का रूप दे दिया था। इसे नाम दिया गया- लता दीनानाथ मंगेशकर ग्रामोफोन रिकॉर्ड संग्रहालय। उन्होंने याद किया कि मुझे एक दिन महसूस हुआ कि लताजी की जन्मस्थली इंदौर में उनके नाम पर एक संग्रहालय होना चाहिये, ताकि संगीतप्रेमी एक ही छत के नीचे उनकी सुरीली विरासत का आनंद उठा सकें। तब से मैं उनके गाये गीतों के ग्रामोफोन रिकॉर्ड खोजने में जुट गया।

चौरसिया फख्र से बताते हैं कि साढ़े पांच दशक के जतन से तैयार इस संग्रहालय में मौसिकी की महारानी की आवाज वाले फिल्मी गीतों से लेकर रेडियो के लिये गाये उनके गाने भी मौजूद हैं। शहर के पिगडंबर इलाके में 1,600 वर्गफुट पर बने संग्रहालय में लता मंगेशकर के गीतों के अलावा उनके जीवन से जुड़ी तस्वीरें और उन पर लिखी किताबें भी सहेजी गयी हैं। सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद 11 नवंबर को लता मंगेशकर (90) को मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी जनसम्पर्क (पीआर) टीम के हालिया बयान के मुताबिक, सुरों की मलिका की सेहत में सुधार हो रहा है।

रणबीर कपूर से शादी नहीं करेंगी आलिया भट्ट! हॉलीवुड में जाने की कर ली तैयारी

काफी समय से खबरें आ रही थी कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर शादी के बंधन में बंधने वाले हैं लेकिन उनकी शादी की डेट का अभी तक खुलासा नहीं हुआ लेकिन दूसरी तरफ जो खबरें आ रही हैं वो यह है कि आलिया भट्ट भी जल्द ही हॉलीवुड में डेब्यू करने वाली है। शायद अभी आलिया को शादी न करने अपने करियर पर ध्यान देना है।

हॉलीवुड में भारत की एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, ऐश्वर्या राय बच्चन और दीपिका पादुकोण सहित कई अभिनेत्रियां नाम कमा चुकी है। प्रियंका चोपड़ा ने तो भारत को हॉलीवुड के साथ साथ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित करवाया है और भारत का नाम रोशन किया है। प्रियंका चोपड़ा की राह आलिया भट्ट भी चलना चाहती है इसी लिए वह आजकल लगातार लॉस एंजेलिस के चक्कर काल रही हैं।

एक एंटरटेनमेंट पोर्टल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार खबरें है रि बॉलीवुड में नाम कमाने के बाद आलिया भट्ट हॉलीवुड की राह तलाश रही हैं। अलिया हाल ही में लॉस एंजेलिस में नजर आई। इससे पहले भी आलिया कई बार लॉस एंजेलिस आ चुकी है। कहा जा रहा हैं कि आलिया भट्ट लॉस एंजेलिस में एक सेलेब्रिटी मैनेजर की तलाश कर रही हैं ताकि हॉलीवुड में जाने का रास्ता बना सके। ऐश्वर्या राय बच्चन, बिपाशा बसु, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण के भी हॉलीवुड में मैनेजर्स हैं, जो उन्हें अच्छा काम लाकर देते हैं। सेलेब्रिटी मैनेजर होने का फायदा ये भी होता है कि आप भारत में रहो तो भी आपको काम का ऑफर आएगा। आलिया चाहती है कि वह बॉलीवुड में काम करती रहे साथ ही हॉलीवुड से उनके सेलेब्रिटी मैनेजर उनके लिए नये प्रोजेक्ट्स लेकर आते रहें।अगर आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्मों की बात की जाए तो वो जल्द ही संजय लीला भंसाली की गंगूबाई कठियावाड़ी और रणबीर कपूर की ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगी।

द स्काई इज पिंक देख कर लगता है

प्रियंका चोपड़ा की बॉलीवुड को अभी बहुत जरूरत है

नयी दिल्ली। जो जिंदगी हम लोगों से नाराज होकर, लड़- झगड़ कर, टेंशन में रह कर गुजारे जा रहे हैं, क्या आप जानते हैं इस जिंदगी की क्या वैल्यू है? अगर आप अपनी जिंदगी की वैल्यू भूल गये हैं तो प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द स्काई इज पिंक देख कर आपको फिर याद आ जाएगा कि हमारी जिंदगी हमारे साथ-साथ परिवार और दोस्तों के लिए भी कितना महत्व रखती है। प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द स्काई इज पिंक की

कहानी एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है। शोनाली बोस की फिल्म द स्काई इज पिंक में एक ऐसी लड़की की कहानी को दिखाया गया है जिसे बचपन से ही एससीआईडी जैसी गंभीर बीमारी है। इस बीमारी में बच्चे के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता जीरो होती है जिसके कारण शरीर में इंफेक्शन होने का खतरा हर समय बना रहता है और बच्चे की किसी समय भी मौत हो सकती है। इस तरह की बीमारी दस लाख बच्चों में किसी एक बच्चे हो सकती है। आयशा चौधरी इस बीमारी की शिकार हुई।

फिल्म की कहानी

फिल्म में निरेन चौधरी (फरहान अख्तर) और अदिति चौधरी (प्रियंका चोप?ा) एक बेहद प्यारे और रोमांटिक कपल हैं। इन दोनों के लिए इनका प्यार हमेशा ऊपर रहता है। जहां प्रियंका जिद्दी और इमोशनल करके अपनी हर बात मनवानें में माहिर है वहीं निरेन अदिति की हर बात इमोशन होकर मान लेते है। दोनों की शादी होती है और उनका एक बेटा होता है। बेटा ईशान (रोहित सराफ) एकदम सही होता हैं लेकिन पहली बेटी तान्या में स्ष्टढ्ढष्ठ की बीमारी होती है जिसकी वजह से तान्या की मौत हो जाती है। दोनों इस ट्रामा से बहुत मुश्किल से निकते हैं और जिंदगी में आगे बढ़ जाते हैं। कुछ सालों बाद अदिति फिर मां बनती है और एक लड़की आयशा चौधरी (जायरा वसीम) होती है। आयशा को भी स्ष्टढ्ढष्ठ की बीमारी होती है लेकिन इस बार अदिति और निरेन हार नहीं मानते और आइशा की जान बचाने के लिए लंदन तक पहुंच जाते हैं। सोचिए जिस कपल के पास नेपाल जानें के पैसे नहीं थे वह लोग किस तरह के संघर्ष करके लंदन पहुंचे होंगे? खैर आयशा की जान बचाने के लिए एक सर्जरी का होना बहुत जरूरी होता है जिसके आगे चलकर साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं लेकिन उस समय आयशा की जान बच जाएगी। मां- पापा के कड़े एफर्ट्स के बाद आयशा ठीक हो जाती है लेकिन 15 साल की उम्र में सर्जरी के साइड इफेक्ट्स होने लगते हैं और आयशा चौधरी के फेफड़ों के संक्रमण हो जाता हैं। इस संक्रमण के बाद अब आयशा केवल 2 से 3 साल तक ही जिंदा रह सकती हैं... अब आयशा को यह पता हैं कि उसकी जिंदगी के केवल कुछ दिन ही है इन दिनों को वह कैसे जीती हैं? इसी की कहानी है फिल्म द स्काई इज पिंक।

विहिप ने कहा- केंद्र व्यवस्था बनाए तो हिंदू समाज तुरंत राम मंदिर का निर्माण शुरू कर सकता है

सोमनाथ मंदिर की तर्ज पर ट्रस्ट बनाने की योजना, इसमें सदस्यों की संख्या 14 से 17 के बीच हो सकती है- सूत्र

सूत्र ने कहा- राम जन्मभूमि न्यास में बदलाव और नए सदस्यों को शामिल कर ट्रस्ट बनाने पर भी विचार संभव

राम मंदिर के ट्रस्ट में सदस्य कौन होंगे, इस पर आखिरी फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता मिलिंद परांडे ने रविवार को कहा कि राम मंदिर के लिए 60त्न निर्माण सामग्री और नक्शा तैयार है। विवादित जमीन रामलला को सौंप दी गई है और दूसरी बुनयादी चीजों का हम ख्याल रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र अगर व्यवस्था बनाए तो हिंदू समाज तुरंत राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कर सकता है। इस बीच, न्यूज एजेंसी एएनआई को सूत्रों ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण 2020 में शुरू हो सकता है। निर्माण शुरू होने के दो साल के भीतर यानी 2022 तक यह पूरा हो जाएगा। राम मंदिर के लिए केंद्र सोमनाथ मंदिर की तर्ज पर ट्रस्ट के निर्माण पर विचार कर रहा है, जो निर्माण कार्य की देखरेख करेगा।

सूत्र ने कहा कि सोमनाथ ट्रस्ट में 6 सदस्य हैं, जबकि राम मंदिर ट्रस्ट में सदस्यों की संख्या 14 से 17 के बीच हो सकती है। 9 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या की विवादित 2.77 एकड़ जमीन रामलला विराजमान को सौंपे जाने और मंदिर निर्माण के लिए केंद्र को ट्रस्ट बनाने का निर्देश दिया था।

ट्रस्ट में विहिप और बजरंग दल शामिल हो सकते हैं

सूत्र ने यह भी बताया कि केंद्र इस बात पर भी विचार कर रहा है कि नया ट्रस्ट बनाने की जगह राम जन्मभूमि न्यास में ही बदलाव करके और नए सदस्यों को शामिल किया जाए और उसे राम मंदिर निर्माण का जिम्मा सौंप दिया जाए। ट्रस्ट के सदस्यों में विहिप और बजरंग दल के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जा सकता है। सदस्य कौन होंगे, इसका फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

33 एकड़ अतिरिक्त जमीन की आवश्यकता- सूत्र

सूत्र के मुताबिक, नया ट्रस्ट संस्कृति मंत्रालय के तहत रजिस्टर्ड होगा। मंत्रालय ही अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के कामकाज की देखरेख करेगा। इस बीच विहिप ने कहा कि सरकार मंदिर निर्माण के लिए रकम न दे, इसकी व्यवस्था जनता के दान द्वारा की जाए। कहा जा रहा है कि मंदिर निर्माण के लिए 100 एकड़ जमीन की आवश्यकता है और अभी इसके लिए 67 एकड़ जमीन है। ऐसे में 33 एकड़ अतिरिक्त जमीन की आवश्यकता जाहिर की जा रही है। मस्जिद के लिए परिसर में ही 5 एकड़ जमीन देना संभव नहीं है, क्योंकि मंदिर के लिए ही अतिरिक्त जमीन की आवश्यकता है। राज्य सरकार किसी और इलाके में मस्जिद के लिए जमीन दे।

अयोध्या के पुनर्गठन की योजना पर भी विचार

सूत्र ने कहा कि केंद्र सरकार मस्जिद के लिए जमीन के अलॉटमेंट में हस्तक्षेप नहीं करेगा। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मस्जिद के लिए 5 एकड़ जमीन आवंटित करने की व्यवस्था करे। इसके साथ ही सरकार इस बात पर भी विचार कर रही है कि अयोध्या का पुनर्निर्माण किया जाए और हनुमानगढ़ी को केंद्र में रखा जाए। 388 किलोमीटर स्क्वायर के इलाके में स्मार्ट सिटी, आउटर रिंग रोड, पार्क ट्रीटमेंट प्लांट, बस स्टैंड, रेलवे, एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।

नक्सलियों ने बस्तर में सीआरपीएफ कैंप के ऊपर उड़ाया ड्रोन, देखते ही गोली मारने का आदेश

नयी दिल्ली। माओवादियों द्वारा ड्रोन कब्जाने और उसके संचालन की घटना के हाल में सामने आने के बाद वामपंथी चरमपंथ प्रभावित राज्यों में तैनात सुरक्षा बलों को इन्हें देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किये गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह नया निर्देश केंद्र में स्थित सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों की केंद्रीय कमान द्वारा दिया गया है। हाल में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल हिंसा से सबसे बुरी तरह प्रभावित सुकमा जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) शिविर पर ड्रोन या मानव रहित यान (यूएवी) मंडराने के मामले सामने आने के बाद यह निर्देश दिया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मौके पर तैनात बलों से साझा किए गए आधिकारिक संदेश के मुताबिक, लाल और सफेद रोशनी उत्सर्जित करने वाले ड्रोन पिछले महीने तीन दिनों में कम से कम चार बार किस्ताराम और पालोडी में केरिपुब शिविर के पास उड़ते देखे गए।ड्रोन द्वारा होने वाली हल्की आवाज ने शिविर में तैनात जवानों का ध्यान खींचा जिसके बाद जवानों ने मोर्चा संभाला और नक्सलियों द्वारा गड़बड़ी फैलाने की आशंका को देखते हुए आसपास के शिविरों को सतर्क किया गया।

सूत्रों ने कहा हालांकि सुरक्षा बल जब तक इन ड्रोनों पर लक्ष्य साधकर उन्हें मार गिराते ये छोटे मानवरहित यान आसमान में गायब हो गए। इस घटनाक्रम के सामने आने के बाद सुरक्षा प्रतिष्ठानों ने मामले की जांच शुरू की जिसके बाद खुफिया एजेंसियां मुंबई के एक दुकानदार के पास पहुंची जिसके बारे में संदेह है कि उसने अज्ञात लोगों को ड्रोन बेचे। ये लोग संभवतः नक्सली थे।

सूत्रों ने कहा कि इस संबंध में जांच जारी है। खुफिया एजेंसियां खास तौर पर दो शिविरों को लेकर चिंतित हैं जहां ड्रोन देखे गए। यह दोनों शिविर नक्सल प्रभाव वाले इलाके में हैं जहां समुचित सड़क संपर्क नहीं है और नियमित रूप से इसके आसपास सशस्त्र माओवादियों की आवाजाही देखी गई है क्योंकि इस इलाके की सीमा ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के जंगल से सटे इलाकों से लगती है।

इस गतिविधि से जुड़ी जानकारी रखने वाले एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने कहा, यह घटनाक्रम गंभीर चिंता का विषय है। माओवादियों द्वारा ड्रोन रखना और उसका इस्तेमाल करना एक नयी चुनौती है और सुरक्षा बलों को लंबे समय से इसकी आशंका थी। यह अब सामने आया है।

उन्होंने कहा, वामपंथी चरमपंथ प्रभावित सभी राज्यों में सुरक्षा बलों को नक्सलियों द्वारा संचालित ऐसे ड्रोनों या मानवरहित यान को देखते ही मार गिराने का आदेश दिया गया है। शुरुआती विश्लेषण में सामने आया कि जो ड्रोन देखे गए वो ऐसे थे जिनका इस्तेमाल शादी या सार्वजनिक सभाओं जैसे सामाजिक कार्यक्रमों में किया जाता है।

एजेंसियों को शक है कि नक्सलियों ने हाल में ये छोटे ड्रोन हासिल किये हैं जिनका उद्देश्य सुरक्षा बलों के शिविरों से जुड़ी जानकारियां हासिल करना, उनकी गतिविधियों पर नजर रखना आदि है।

गौतम गंभीर के लापता होने के पोस्टर लगे, लिखा - आखिरी बार इंदौर में जलेबी खाते दिखे थे

दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर और भाजपा सांसद गौतम गंभीर दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होने के बाद से लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। रविवार को दिल्ली में गौतम गंभीर के लापता होने के पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों पर लिखा था क्या आपने इन्हें कहीं देखा है? आखिरी बार इंदौर में जलेबी खाते ही देखा गया था। पूरी दिल्ली इन्हें ढूंढ रही है।

गंभीर बीते हफ्ते इंदौर में चल रहे टेस्ट मैच की कमेंट्री के लिए आए थे। शुक्रवार को वीवीएस लक्ष्मण ने जतिन सप्रू और गंभीर के साथ पोहा और जलेबी का नाश्ता करते हुए तस्वीर ट्वीट की थी। इसके बाद गंभीर को यूजर्स ने ट्रोल किया था। आप समेत अन्य विपक्षी पार्टियों ने गंभीर की आलोचना की थी।

विवाद बढ़ने के बाद गंभीर ने ट्वीट किया कि अगर मुझे गाली देने से दिल्ली का प्रदूषण कम होगा तो आप मुझे जी भरकर गाली दिजिए। मेरे संसदीय क्षेत्र और शहर के प्रति प्रतिबद्धताओं को वहां हो रहे काम से आंका जाना चाहिए। मैंने पिछले 6 महीने में मेरे मतदाताओ को सर्वश्रेष्ठ देने में कोई कोर-कसर नहीं छो?ी। गंभीर ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए विभिन्न कार्यों का ब्यौरा भी ट्विटर पर साझा किया था।

प्रदूषण पर होने वाली बैठक टाली गई

दिल्ली में दिवाली के बाद से ही प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को इसका समाधान करने का निर्देश दिया है। प्रदूषण के मुद्दे पर सरकार, कई प्राधिकरणों और जनप्रतिनिधियों की बैठक 15 नवम्बर को होनी थी। बैठक के पैनल में गंभीर समेत 29 सदस्यों को नामित किया गया था, जबकि केवल 4 सदस्य ही बैठक में पहुंचे। दिल्ली के तीन नगर निगमों के आयुक्त भी नहीं पहुंचे।

बोलीविया प्रदर्शन में अब तक 23 लोगों की मौत

सैंटियागो। बोलीविया में चुनाव में हुई गड़बड़ी के बाद जारी हिंसा में अब तक 23 लोग मारे जा चुके हैं। जबकि 715 लोग जख्मी हुए हैं। अमेरिकी के मानवाधिकार इंटर-अमेरिकन कमीशन ने शनिवार को यह जानकारी दी। शनिवार को कोचाबांबा में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई थी। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय के प्रमुख मिशेल बाशेलेट ने शनिवार को बोलीविया संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी इस संकट को संवेदनशील तरीके से और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार नहीं सुलझाते हैं तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। विपक्ष ने चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं का हवाला देते हुए परिणामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स (ओएस) के मुताबिक, चुनाव में भारी ग?ब?ियां हुई थी। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस ने इस्तीफा दे दिया था और मैक्सिको की शरण ले ली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने खुद को अंतरिम राष्ट्रपति घोषित करने वाली जीनिन अनेज के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर आंसू गैस के गोले दागे। उन्हें हिरासत में ले लिया।

'पैजिना 7' अखबार ने शुक्रवार को बताया था कि प्रदर्शनकारियों की मौत गोली लगने के कारण हुई। हालांकि, पुलिस ने कहा कि उसने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां नहीं चलाई, बल्कि उन्हें खदेड़ने के लिए केवल रसायनों पदार्थों का इस्तेमाल किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने के लिए सेना को जिम्मेदार ठहराया है।

इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति मोरालेस ने मैक्सिको में शरण ली

बोलीविया में चल रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच मोरालेस और उपराष्ट्रपति अलवारो गार्सिया लिनेरा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वे मैक्सिको में शरण लिए हुए हैं।

पूर्व रक्षा मंत्री गौतबाया राजपक्षे राष्ट्रपति चुने गए, सोमवार को शपथ लेंगे; मोदी ने दी बधाई

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व रक्षा मंत्री गौतबाया राजपक्षे ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया है। वे सोमवार को देश के सातवें राष्ट्रपति के रुप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को मतदान हुआ था और परिणाम रविवार को घोषित हुआ। चुनाव आयोग के प्रमुख महिंदा देशप्रिया ने कहा कि राजपक्षे ने 60 लाख से ज्यादा वोट हासिल किए। यह कुल वोटों का 52त्न है। राजपक्षे ने जीत के बाद ट्वीट किया, ÷श्रीलंका ने एक नई यात्रा शुरू की है और सभी श्रीलंकाई नागरिक इस यात्रा का हिस्सा हैं। राष्ट्रपति बनने का अवसर देने के लिए आप सभी का आभारी हूं। मैं न केवल उन लोगों का, जिन्होंने मुझे वोट दिया, बल्कि सभी नागरिकों का राष्ट्रपति के रूप में आभारी हूं। आपने मुझ पर जो भरोसा किया है, उस पर मैं आगे बढ़ रहा हूं। आपका राष्ट्रपति होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान होगा।÷

चुनाव में राजपक्षे ने प्रेमदासा को 13 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया। चुनाव आयोग के आधिकारिक ऐलान से पहले ही सरकार की तरफ से उम्मीदवार बनाए गए सजीत प्रेमदासा ने हार कबूल कर ली थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजपक्षे को बधाई दी। मोदी ने कहा, ÷गौतबाया राजपक्षे को राष्ट्रपति चुनाव में जीत पर बधाई। आपके साथ दोनों देशों और नागरिकों के बीच संबंध गहरे करने और क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सुरक्षा बढ़ाने के लिए काम करने को उत्साहित हूं।÷ प्रधानमंत्री ने राजपक्षे को भारत आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

राजपक्षे को सिंहली बहुल इलाकों में समर्थन

राजपक्षे के प्रवक्ता केहेलिया रम्बुकवेला ने इसे गौतबाया की जीत करार दिया। उन्होंने कहा, ÷हमें 53 से 54त्न के बीच वोट मिले हैं। यह हमारी साफ जीत है। सोमवार या उसके एक दिन बाद उनका शपथग्रहण हो सकता है।÷ राजपक्षे को देश के ज्यादातर सिंहली बहुल इलाकों का समर्थन मिला है, जबकि प्रेमदासा श्रीलंका के पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में रहने वाले अल्पसंख्यक तमिल समुदाय के बीच लोकप्रिय हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि वह रविवार शाम तक नतीजे घोषित कर सकता है।

मतदान के लिए बड़ी संख्या में निकले लोग

चुनाव आयोग के प्रमुख महिंदा देशप्रिय ने बताया कि 1.59 करोड़ मतदाताओं के लिए देशभर में 12,845 मतदान केंद्र बनाए गए थे। मतदान के दौरान हिंसा की घटनाओं के बावजूद 80त्न वोटिंग हुई। इस बार चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए 32 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा। इसलिए मतपत्र 26 इंच का था, जो अब तक के चुनावों में सबसे लंबा है। पश्चिम श्रीलंका में एक जगह कुछ अज्ञात लोगों ने मुस्लिम समुदाय के मतदाताओं को ले जा रही दो बसों पर पथराव के बाद गोलीबारी की। हालांकि इसमें किसी को चोट नहीं लगी। पथराव से बसों के शीशे टूट गए। चुनाव में छिटपुट हिंसा के 69 मामले दर्ज किए गए हैं।

ईस्टर हमले के बाद पहला बड़ा चुनाव

देश में ईस्टर हमले के बाद पहला चुनाव होने के कारण सुरक्षा काफी क?ी कर दी गई है।

प्रथम पृष्ट का शेष

सरयू राय भी...

मजदूर आंदोलन को देंगे अपना समर्थन : सरयू राय ने कहा कि अब वह मजदूरों की आवाज बुलंद करेंगे। उनका हक दिलाने के लिए खुलकर आंदोलन करेंगे। कहा कि वह पहले भी मजदूरों के पक्ष में आवाज उठाते रहे हैं। सरकार में होने की वजह से प्रत्यक्ष रूप से उनके आंदोलन में शामिल नहीं हो पाते थे, अब वो बंधन खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर से लोग पलायन कर रहे हैं। यह एक अहम मुद्दा है।

अनुच्छेद 370 खत्म...

तो प्रधानमंत्री ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का तेजी से विकास करने के लिए यह सही कदम है। अनुच्छेद 370 के तहत पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा हासिल था। गृह मंत्री ने पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 को खत्म करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित क्षेत्रों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने की घोषणा की थी जो 31 अक्तूबर को अस्तित्व में आये। शाह ने कहा कि लद्दाख की स्थिति में बदलाव लाना और बजट आवंटन में बढ़ोतरी करना, क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय कर के प्रावधान की शुरुआत करने से लद्दाख का वित्तीय संसाधन बढ़ेगा। पिछले पांच वर्षों में मोदी सरकार के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि लद्दाख, लेह और कारगिल के लोगों को बराबर अधिकार होंगे और देश के विकास में वे बराबर के भागीदार होंगे। उन्होंने कहा कि जल और सौर विद्युत परियोजनाएं अगले चार वर्षों में पूरी होंगी जिनसे न केवल लद्दाख क्षेत्र में विकास होगा बल्कि रोजगार के अवसर पर पैदा होंगे। शाह द्वारा शुरुआत किये गये विंटर ग्रेड डीजल का उत्पादन इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की पानीपत रिफाइनरी पहली बार कर रही है। यह डीजल शून्य से नीचे तापमान में भी नहीं जमता, जबकि इतने तापमान पर सामान्य डीजल का इस्तेमाल करना कठिन हो जाता है। इस अवसर पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, लद्दाख के सांसद जेमयांग सेरिंग नामग्याल तथा गृह मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

विपक्ष ने कहा- आर्थिक...

यह कानून फारूक के पिता शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने 1978 में अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में बनाया था।

ये प्रमुख नेता बैठक में मौजूद रहे : बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री थावरचंद गेहलोत, संसदीय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता आनंद शर्मा, गुलाम नबी आजाद, अधीर रंजन चौधरी, सपा के रामगोपाल यादव, तेदेपा के जयदेव गाला और वी विजयसाई रेड्डी, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रॉयन, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान समेत अन्य पार्टियों के सदस्य शामिल हुए। बैठक के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों ने आगामी सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दे सामने रखे। बिड़ला ने शनिवार को सभी पार्टियों को संसद के आगामी सत्र में सहयोग करने की अपील की थी।

भारत की अर्थव्यवस्था...

और इस दौरान इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से विकास करेगी। हर किसी को उम्मीद है कि वास्तव में भारत में उच्च विकास करने की प्रबल संभावना है। उन्होंने आधार पहचान प्रणाली की सराहना करते हुए कहा, भारत एक महत्वपूर्ण स्थान है, जहां पर कई बेहतरीन इनोवेटर्स पाए जाते हैं। देश में आधार और यूपीआई के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और इसे व्यापक तौर पर स्वीकार किया गया है। इसके कई आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिले हैं।

भारतीय डिजिटल प्रणाली को अन्य देशों में लागू करना चाहता हूं : गेट्स

उन्होंने कहा, हम लोग नंदन निलेकणी जैसे व्यक्तियों के साथ मिलकर काम करते हैं। उन्होंने भारत में डिजिटल पहचान के माध्यम से वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। मैं सीखना चाहता हूं ताकि इसे अन्य देशों में लागू किया जा सके। जब लोग भारत के बारे में सोचते हैं, तो वे आईटी सेवाओं और वहां किए गए उल्लेखनीय कार्यों के बारे में सोचते हैं। मानवीय स्थिति में सुधार कम दिखाई देता है, लेकिन उनके द्वारा किया गया कार्य सराहनीय जरूर है।

बिल गेट्स की कुल संपत्ति 110 बिलियन अमरीकी डॉलर : गेट्स अपने फाउंडेशन के कामकाज की समीक्षा करने के लिए तीन दिवसीय भारत के दौरे पर हैं। शुक्रवार को बिल गेट्स ने अमेजन के जेफ बेजोस को पीछे कर दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति बन गए थे। इनकी कुल संपत्ति 110 बिलियन अमरीकी डॉलर (7.89 लाख करोड़) है। गेट्स ने अब तक विभिन्न देशों में गरीबी को कम करने और सामाजिक विकास कार्यक्रमों के लिए बिल और मेलिंडा फाउंडेशन को 35 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक का दान दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले...

मौलाना मदनी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि अयोध्या मामले पर शीर्ष अदालत का फैसला कानून के कई जानकारों की समझ से बाहर है। उन्होंने यह भी कहा था कि अयोध्या मामले में फैसला सुनाते हुए उच्चतम न्यायालय ने जो पांच एकड़ भूमि मस्जिद के लिए दी है, उसे सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को नहीं लेना चाहिए। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने गत शनिवार को सर्वसम्मत फैसले में अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया और केन्द्र को निर्देश दिया कि नयी मस्जिद के निर्माण के लिये सुन्नी वक्फ बोर्ड को प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ का भूखंड आवंटित किया जाए। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस व्यवस्था के साथ ही राजनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील 134 साल से भी अधिक पुराने इस विवाद का निपटारा कर दिया।

राजग संयोजक की...

पासवान ने कहा, ''लेकिन हम सभी (सहयोगी) आगामी सत्र में एक साथ मिलकर काम करेंगे और इस तरह की और बैठकें होनी चाहिए।

5 महीने से जारी प्रदर्शन के बीच चीन ने पहली बार अपने सैनिक उतारे

बीजिंग। चीन ने हॉन्गकॉन्ग में प्रदर्शन शुरू होने के 5 महीने बाद पहली बार अपनी सेना भेजी है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के जवान शनिवार को सादे कपड़ों में प्रदर्शनकारियों द्वारा फैलाया मलबा और बैरिकेड्स हटाते देखे गए। पीएलए का कहना है कि उसके सैनिक अपनी मर्जी से हॉन्गकॉन्ग में मलबा हटाने आए हैं। हालांकि, हॉन्गकॉन्ग प्रशासन ने कहा है कि उसने चीन से सैनिकों की मांग नहीं की थी।

हॉन्गकॉन्ग में सेना को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं

हॉन्गकॉन्ग के संविधान (गैरिसन लॉ और बेसिक लॉ) के अनुच्छेद 14 के मुताबिक, चीनी सेना (पीएलए) शहर के स्थानीय कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सेना को यह अधिकार तभी है, जब स्थानीय प्रशासन उससे मदद मांगे। हालांकि, हॉन्गकॉन्ग के चीनी नियंत्रण में लौटने के बाद से अब तक शहर में कभी चीनी सेना की जरूरत नहीं हुई।

इसी साल जुलाई में चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू क्यान ने कहा था कि बीजिंग हॉन्गकॉन्ग में सेना तभी उतार सकता है, जब अनुच्छेद 14 के तहत हॉन्गकॉन्ग सरकार इसकी मांग करे। लेकिन रविवार को बीजिंग के ही ग्लोबल टाइम्स अखबार ने अफसरों के हवाले से चलाया कि सैनिकों के सफाई कार्यक्रम के बारे में लोगों को ज्यादा जानने की जरूरत नहीं है। सेना के कैम्प के बाहर सफाई का फैसला कमांडर की अनुमति के बाद भी लिया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने अपनी वर्दी नहीं पहनी थी और न ही हथियार उठाए।

न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, इस बयान से तय है कि चीन हॉन्कॉन्ग के गैरिसन में स्थित अपने बेस पर ज्यादा ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहता। वह अपने कैम्प के आसपास संवेदनशीलता भी कम ही रखेगा। शनिवार को हॉन्गकॉन्ग की जमीन पर उतरे सैनिकों की हरकत से यह अंदाजा नहीं लगाया जा सकता कि चीनी सेना का अगला कदम क्या होगा।

सैनिकों ने कहा- हिंसा और अराजकता रोकना हमारी जिम्मेदारी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब एक सैनिक से पूछा गया कि वे सफाई कार्यक्रम में क्यों उतरे, तो उसने कहा, ÷इसका हॉन्गकॉन्ग सरकार से कोई लेना-देना नहीं है। यह अभियान हमने अपनी तरफ से शुरू किया है। हिंसा और अराजकता रोकना हमारी जिम्मेदारी है।÷ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी हॉन्गकॉन्ग पर कई बार यही बयान दे चुके हैं। पीएलए के सैनिक पिछली बार अक्टूबर 2018 में हॉन्गकॉन्ग की जमीन पर उतरे थे। तब प्रशासन ने मांखुत तूफान से फैले मलबे और पेड़ों को साफ करने के लिए चीन से मदद मांगी थी। करीब 400 सैनिक अलग-अलग बैच में हॉन्गकॉन्ग भेजे गए थे।

प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह द्वारा स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, रांची से प्रकाशित कर मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सात्वीक प्रोडक्सन प्राइवेट लिमिटेड, सिमलिया चौक दलादली, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची), संपादक-सचिन कुमार सिंह *, संपादकीय सलाहकार- राजीव रंजन कश्यप (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) फोन नं.- 0651-2290111, ईमेल- www.navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)